राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्षः 11 अंकः 206 पृष्ट : 08, नई दिल्ली, सोमवार, 07 फरवरी 2022 मूल्यः 1.50/-

लता जी का अंतिम संस्कार

लता मंगेशकर के निधन पर शोक की लहर, विभिन्न हस्तियों ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति एम. वैंकेया नायडू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित विभिन्न हस्तियों ने रविवार को महान गायिका लता मंगेशकर के निधन पर शोक प्रकट किया।

मंगेशकर का रविवार को मुंबई स्थित एक अस्पताल में निधन हो गया। 92 वर्षीय गायिका कोरोना वायरस से संक्रमित पाई गई थीं और उन्हें बीमारी के मामूली लक्षण थे। उन्हें आठ जनवरी को ब्रीच कैंडी अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती कराया गया था, जहां डॉक्टर प्रतीत समदानी और उनकी टीम उनका इलाज कर रही थी।

जनवरी में मंगेशकर की तबीयत में सुधार हुआ था और वेंटिलेटर हटा दिया गया था लेकिन शनिवार को उनकी तबीयत बिगड़ गई। मंगेशकर के कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया था, जिसके बाद रविवार को उनका निधन हो गया।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने लता मंगेशकर के निधन पर शोक व्यक्त किया।

राष्ट्रपति कोविंद ने पार्श्व गायिका के साथ एक तस्वीर ट्विटर पर पोस्ट करते हुए लिखा, %%लता जी का निधन मेरे लिए और दुनिया भर के लाखों लोगों के लिए हृदयविदारक है। उनके गाए गीत भारत के सारतत्व और सुंदरता को प्रदर्शित करते हैं तथा पीढ़ियों ने इन्हें अपने अंतर्मन की अभिव्यक्ति के रूप में पाया है। भारत रत्न लता जी की उपलब्धियां अतुलनीय हैं।

कोविंद ने उनसे मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा कि लता दीदी एक विलक्षण व्यक्तित्व थीं और उनके जैसे कलाकार सदियों में एक बार ही जन्म लेते हैं। उन्होंने कहा कि वह जब भी लता दीदी से मिले, उन्हें गर्मजोशी से भरा पाया।

प्रधानमंत्री मोदी ने भी मंगेशकर के साथ एक तस्वीर साझा की और कहा कि महान गायिका के निधन से एक खालीपन पैदा हो गया है, जिसे भरा नहीं जा सकता।

मोदी ने कहा, ''लता दीदी ने अपने गीतों के जरिए विभिन्न भावनाओं को व्यक्त किया। उन्होंने दशकों से भारतीय फिल्म जगत में आए बदलावों को नजदीक से देखा। फिल्मों से परे, वह भारत के विकास के लिए हमेशा उत्साही रहीं। वह हमेशा एक मजबूत और विकसित भारत देखना चाहती थीं।''

प्रधानमंत्री ने कहा, ''मैं अपना दुख शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता। दयालु और सबकी परवाह करने वाली लता दीदी हमें छोड़कर चली गईं। उनके निधन से देश में एक खालीपन पैदा गया है, जिसे भरा नहीं जा सकता। भावी पीढ़ियां उन्हें भारतीय संस्कृति की पुरोधा के रूप में याद रखेंगी, जिनकी सुरीली आवाज में लोगों को मोहित करने की अद्वितीय क्षमता थी।''

मोदी ने कहा, ''यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि मुझे लता दीदी से हमेशा बहुत स्नेह मिला।

लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि देने मुंबई जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महान गायिका लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि देने के लिए रविवार को मुंबई जाएंगे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। मंगेशकर (92) का रविवार सुबह मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया। प्रसिद्ध गायिका के निधन पर छह व सात फरवरी को दो दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की गई है। रविवार और सोमवार को पूरे भारत में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

लता का राम भजन मेरी रथ यात्रा की 'सिग्नेचर ट्यून' बन गया थाः आडवाणी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी ने महान गायिका लता मंगेशकर के निधन पर रविवार को शोक व्यक्त करते हुए कहा कि मंगेशकर की आवाज में गाया गया राम भजन 1990 में उनकी 'राम रथ यात्रा' की 'सिग्नेचर ट्यून' बन गया था। आडवाणी (94) ने कहा कि मंगेशकर ने संगीत की दुनिया में उत्कृष्टता की एक अमिट छाप छोड़ी और दुनियाभर के संगीतप्रेमी उन्हें आदर्श मानते हैं।

चुनाव आयोग ने जनसभाओं के लिए और ढील दी

नई दिल्ली। भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने रविवार को मौजूदा कोविड की स्थिति में सुधार और चुनाव प्रचार के लिए कम समय को ध्यान में रखते हुए संशोधित दिशानिर्देश जारी किए।

संशोधित दिशा-निर्देशों के अनुसार रोड शो, पदयात्रा, साइकिल, बाइक, वाहन रैलियां या जुलूस पर प्रतिबंध जारी रहेगा जबकि घर-घर जाकर प्रचार करने के लिए अधिकतम 20 व्यक्तियों की अनुमति भी पूर्व की तरह रहेगी।

रात 8 बजे से सुबह 8 बजे के लिए पहले की तरह प्रतिबंध जारी रहेगा। आउटडोर मीटिंग, इनडोर मीटिंग, रैलियों के संबंध में प्रतिबंधों में और ढील दी जाएगी, बशर्ते कि इनडोर या आउटडोर मीटिंग या रैलियों में भाग लेने वाले व्यक्तियों की संख्या अधिकतम 50 प्रतिशत तक सीमित होगी। दिशानिर्देश के अनुसार, ओपन ग्राउंड रैलियां केवल जिला अधिकारियों द्वारा विशेष रूप से नामित मैदानों में आयोजित की जा सकती हैं और एसडीएमए की सभी शर्तों के अनुपालन के अधीन हैं, जबकि इन मैदानों का आवंटन जिला प्रशासन द्वारा ई-सुविधा पोर्टल के माध्यम से पहले आओ पहले पाओ पर समान रूप से दिया जाएगा।

निर्वाचन आयोग ने चुनाव प्रचार के लिए रोडशो, वाहन रैलियों पर प्रतिबंध बढ़ाया

निर्वाचन आयोग ने रविवार को रोड शो, पद यात्रा, साइकिल और वाहन रैलियों पर प्रतिबंध को बढ़ा दिया, लेकिन कोविड-19 मामलों में कमी का हवाला देते हुए चुनावों के लिए बंद और खुले स्थानों पर प्रचार कार्यक्रमों के लिए नई छूट प्रदान की। नई छूट मिलने के बाद उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, पंजाब और मणिपुर में राजनीतिक दलों को बड़े चुनाव प्रचार कार्यक्रमों का आयोजन करने में मदद मिलेगी। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिये 10 फरवरी को मतदान होगा। इसके लिये आठ फरवरी की शाम प्रचार अभियान थम जाएगा। आयोग ने राज्यों के मुख्य सचिवों, उसके पर्यवेक्षकों और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के आधार पर भौतिक प्रचार कार्यक्रमों को आयोजित करने की अनुमति प्रदान कर दी। आयोग ने एक बयान में कहा कि खुले में सभा, बंद भवनों में सभा तथा रैलियों के संबंध में प्रतिबंधों में और ढील दी गई है, लेकिन बंद सभागारों की 50 प्रतिशत क्षमता और खुले मैदान की 30 प्रतिशत क्षमता के बराबर लोग ही इनमें शामिल हो सकेंगे।

आस्था से सरोकार न रखने वालों को अब सपने में याद आने लगे हैं भगवान कृष्ण :मोदी

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सपा को नकली समाजवादी करार देते हुए रविवार को कहा कि जनता की आस्था से कोई सरोकार न रखने वाले इन लोगों को भाजपा को अपार समर्थन देख अब सपने में भगवान कृष्ण की याद आने लगी है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि पिछले दो वर्षों के दौरान कोविड–19 महामारी के कारण सरकार के कार्यों में व्यवधान पड़ा। फिर से बहुमत मिलने पर योगी आदित्यनाथ की सरकार और भी तेजी से काम करके इन दो सालों के दौरान हुए नुकसान से निकालकर उत्तर प्रदेश को आगे ले जाएगी।

मोदी ने मथुरा, बुलंदशहर और आगरा के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जन चौपाल को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सम्बोधित करते हुए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनकी पार्टी पर तीखे प्रहार किये और कहा चुनाव देखकर कृष्ण भक्ति का चोला ओढ़ने वाले लोग जब सरकार में थे तो वृंदावन, बरसाना, गोवर्धन और नंदगांव को वे भूल ही गए थे। आज भाजपा को अपार समर्थन देख इन लोगों को अब सपने में भगवान कृष्ण की याद आने लगी है।

गौरतलब है कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हाल ही में कहा था कि भगवान कृष्ण रोजाना उनके सपने में आकर कहते हैं कि उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार बनने जा रही है।

प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया, जो पहले सरकार में थे उन्हें ना तो आप लोगों की आस्था से मतलब रहा है और ना ही आपकी जरूरतों से। उनका सिर्फ एक ही एजेंडा रहा है, उत्तर प्रदेश को लूटो। उन्हें बस सरकार बनाने से मतलब रहा है, इसीलिए आज वह मुख्यमंत्री योगी जी और भाजपा सरकार को पानी पी-पीकर कोस रहे हैं। उप्र का इन लोगों ने जो हाल बना दिया था, वह इन नकली समाजवादियों के कर्मों का कच्चा चिट्ठा है।

मोदी ने कहा अगर कोरोना महामारी का संकट नहीं आया होता तो पिछले दो साल में योगी जी कई काम कर चुके होते, लेकिन इन दो साल कठिनाइयों से गुजारने पड़े। सरकार की शक्तियों को भी लोगों की जान बचाने में लगाना पड़ा। नहीं तो जिस तरीके से 2017 से योगी जी ने काम का मामला उठाया था, अगर दो साल में यह रुकावट ना आई होती तो आज उत्तर प्रदेश कहां से कहां पहुंच गया होता, लेकिन मुझे विश्वास है कि उत्तर प्रदेश के लोग आने वाले पांच साल के लिए भरपूर बहुमत देंगे और योगी जी भी इतनी ताकत से दौड़ेंगे कि जो दो साल बीमारी के कारण तकलीफ आई है, उससे आगे निकालकर उप्र को ले जाएंगे।

उप्र की भलाई के लिये नकली समाजवादियों का सत्ता से दूर रहना जरूरी : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी के जन चौपाल कार्यक्रम में कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार, विकास और भाई-भतीजावाद को लेकर समाजवादी पार्टी की तीखी आलोचना करते हुये कहा कि उप्र की जनता ने तय कर लिया है कि चुनाव में विकास सबसे बड़ा मुद्दा है। प्रधानमंत्री मोदी ने अखिलेश यादव के सपने वाले बयान को लेकर कहा कि भाजपा को एक बार फिर जनता का समर्थन मिलता देख लोग अब सपने में भगवान कृष्ण को देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि उप्र की भलाई के लिए इन नकली समाजवादियों और उनके साथियों का सत्ता से दूर रहना आवश्यक है। आज भी वे किसानों से झूठे वादे कर रहे हैं और गन्ना किसानों को झूठी बातें बताकर उकसाने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मथुरा, आगरा और बुलंदशहर के मतदाताओं को जन-चौपाल कार्यक्रम के जरिए वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुये कहा कि उप्र के लोगों ने दो टूक कह दिया कि कुछ लोग धन-दौलत, बाहुबल, जातिवाद, सांप्रदायिकता के दम पर कितनी भी राजनीति कर लें, लेकिन उन्हें लोगों का प्यार नहीं मिल सकता।

कोरोना के मामलों में कमी आयी

संक्रमण से 865 और लोगों ने जान गंवाई

नई दिल्ली। भारत में कोरोना के मामलों में लगातार कमी देखने को मिल रही है। पिछले 24 घंटों में देश भर से कोविड-19 के 1,07,474 नए मामले सामने आने के साथ ही कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,21,88,138 हो गई है। इस दौरान महामारी से 865 और लोगों की मौत होने से मृतकों को आंकड़ा 501979 हो गया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक देश में कोविड के सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर करीब 12.25 लाख रह गई है।

शनिवार को देश भर में संक्रमण से 2,13,246 लोग ठीक हुए हैं, जिसके बाद कोरोना से निजात पाने वालों की संख्या 4,04,61,148 हो गई है। फिलहाल कोरोना के 12,25,011 सक्रिय मामले हैं। जो कुल मामलों का 2.90 प्रतिशत है।

देश में रिकवरी रेट अब 95.91 प्रतिशत है.

इस बीच देश में कोरोना वायरस के लिए 14,48,513 नमूनों का परीक्षण किया गया। देश में कोरोना संक्रमण के पैर पसारने से लेकर अब तक कुल 74,01,87,141 नमूनों का परीक्षण किया जा चुका है।

मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटे में देश में 45 लाख 10 हजार 770 कोविड टीके लगाये गये हैं। इसके साथ ही आज सुबह सात बजे तक 169 करोड़ 46 लाख 26 हजार 697 कोविड टीके दिये जा चुके हैं।

केरल कोरोना सक्रिय मामलों में शीर्ष पर है जहां पिछले 24 घंटे में सक्रिय मामलों में 13719 की कमी आने से इनकी संख्या घटकर 3,53,152 रह गयी। वहीं 46,813 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या 58,33,762 हो गयी है, जबकि 444 लोगों की मौत होने के बाद मृतकों का आंकड़ा 57,740 हो गया है। राज्य में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण से सबसे अधिक लोगों की मौत हुई है।

कोरोना सक्रिय मामलों में तमिलनाडु का दूसरा स्थान है जहां पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामलों में 16451 की कमी आने से इनकी संख्या घटकर 1,38,878 रह गयी है। वहीं 23,938 लोगों के ठीक होने के बाद इससे महामारी से मुक्त होने वालों की कुल संख्या 32,28,151 हो गयी है, जबकि 37 लोगों की मौत होने के बाद मृतकों का आंकड़ा 37,733 हो गया है।

स्पुतनिक लाइट को कोविड बूस्टर डोज के रूप में परीक्षण के लिए सौंपा प्रस्ताव- डॉ. रेड्डीज

नई दिल्ली । दवा निर्माता डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज ने ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) को कोविड-19 के विरूद्ध 'स्पुतनिक लाइट' को बूस्टर डोज के रूप में पंजीकृत करने के लिए एक प्रस्ताव दिया है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी है।

हैदराबाद की इस दवा कंपनी ने 'स्पुतनिक वी' का क्लीनिकल परीक्षण करने एवं भारत में इसके वितरण के लिए रसियन डायरेक्ट इनवेस्टमेंट फंड (आरडीआईएफ) के साथ सितंबर, 2020 में करार किया था।

अंतरराज्यीय हथियार आपूर्तिकर्ता दिल्ली में गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की विशेष सेल ने एक अंतरराज्यीय हथियार आपूर्तिकर्ता को गिरफ्तार किया है, जो गोलीबारी और हथियारों की तस्करी के मामले में वांछित था। यह जानकारी एक अधिकारी ने रविवार को दी।

आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले के रहने वाले 30 वर्षीय नाजिम अली के रूप में हुई है, जिसे 3 फरवरी को दिल्ली के गाजीपुर के मुर्गा मंडी के पास से गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस उपायुक्त जसमीत सिंह ने कहा, विशेष सेल में अमर कॉलोनी, दिल्ली के इलाके में गोलीबारी के एक मामले में तीन महीने से फरार नाजिम अली की गतिविधियों के बारे में जानकारी थी।

एक विशेष सूचना पर कार्रवाई करते हुए कहा कि आरोपी नाजिम मुर्गा मंडी, गाजीपुर, दिल्ली के पास आएगा, पुलिस टीम ने जाल बिछाया और उसे स्थान से दबोच लिया। आरोपी के पास से 0315 की एक सिंगल शॉट पिस्टल, 04 जिंदा कारतूस बरामद किया गया है।

नाजिम से पूछताछ के दौरान पता चला कि वह दिल्ली के अमर कॉलोनी थाने से जुड़े दो आपराधिक मामलों में तीन महीने से फरार था, जिसमें एक हत्या भी शामिल है। डीसीपी ने कहा, हत्याकांड के संक्षिप्त तथ्य यह है कि 31 अक्टूबर और 1 नवंबर 2021 की दरमियानी रात को दो बाइक सवार किशन और वरुण ने दिल्ली लाला लाजपत राय मार्ग पर जमरूदपुर रेड लाइट के पास रात करीब 11.30 बजे एक टीएसआर के चालक को निशाना बनाकर फायरिंग (बाद में राहुल के रूप में पहचाने जाने वाले) की थी।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने लता मंगेशकर के निधन पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने महान गायिक लता मंगेशकर के निधन पर रविवार को शोक प्रकट करते हुए कहा कि उनका जीवन एवं व्यवहार सभी के लिये अनुकरणीय है और स्वरों के रूप में उनकी पवित्र स्मृति सभी के मन में हमेशा बनी रहेगी।

आरएसएस प्रमुख भागवत ने वीडियो के माध्यम से जारी अपने शोक संदेश में कहा, ''भारत रत्न लता मंगेशकर जी के जाने से केवल मैं ही नहीं, बल्कि प्रत्येक भारतीय के मन में जो वेदना और रिक्तता उत्पन्न हुई है, उसको शब्दों में वर्णन करना कठिन है।'' उन्होंने कहा, ''आठ दशक के ऊपर अपनी स्वर वर्षा से भारतीयों को तृप्त करने वाला आनंद धन हमने खो दिया।'' भागवत ने कहा, ''शुचिता और साधना की प्रतिमूर्ति लता दीदी के बारे में तो बहुत सारे लोग जानते हैं, लेकिन इतनी स्वर सिद्ध गायिका होने के बाद भी, अगर किसी गीत को गाना है तो उसकी तैयारी वह उतना ही करती थीं, जितना 13 साल की आयु में गायन की शुरुआत के समय किया करती थीं।

सीबीआई ने यूपी पीएफ घोटाले में केंद्रीय बिजली सचिव

कृषि सचिव की जांच के लिए मंजूरी मांगी

नई दिल्ली। केंद्रीय ऊर्जा सचिव आलोक कुमार और कृषि सचिव संजय अग्रवाल को जल्द ही उनके कैडर राज्य उत्तर प्रदेश में वापस भेजा जा सकता है, जहां सीबीआई ने 2,268 करोड़ रुपये के पीएफ घोटाले में उनकी जांच के लिए मंजूरी मांगी है। ये जानकारी मीडिया रिपोर्ट से सामने आई है।

रिपोटरें में कहा गया है कि उनके प्रत्यावर्तन का आदेश किसी भी समय आ सकता है क्योंकि केंद्र सरकार अपने शीर्ष अधिकारियों की भ्रष्टाचार के लिए जांच कराने की शर्मिंदगी का सामना नहीं करना चाहती है। इसलिए सरकार कार्रवाई को राज्य में स्थानांतरित करना चाहती है। रिपोटरे के अनुसार, सीबीआई ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) के कर्मचारियों के भविष्य निधि को एक निजी कंपनी दीवान हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (डीएचएफएल) में अवैध रूप से निवेश करने से संबंधित मामले में दो अधिकारियों की जांच

के लिए मंजूरी मांगी है। बाद में फर्जी कंपनियों के जाल के जरिए 31,000 करोड़ रुपये के बैंक कर्ज की हेराफेरी करने का आरोप लगाया है।

यूपीपीसीएल ने डीएचएफएल की अल्पकालिक सावधि जमा योजनाओं में कुल 4,122 करोड़ रुपये का निवेश किया, जिसमें से 1,854 करोड़ रुपये एफडी की परिपक्वता पर प्राप्त हुए, लेकिन 2,268 करोड़ रुपये अभी वसूल नहीं हुए हैं।

संजय अग्रवाल 2013 से 2017 के मध्य तक यूपीपीसीएल के अध्यक्ष थे और इस अवधि के दौरान यूपीपीसीएल कर्मचारियों के पीएफ पैसे का कुछ हिस्सा डीएचएफएल में निवेश किया गया था। डीएचएफएल में निवेश सरकारी दिशानिर्देशों का उल्लंघन था जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया कि पीएफ का पैसा किसी वित्तीय संस्थान में निवेश नहीं किया जाना चाहिए जो कि अनुसूचित बैंक नहीं है। अग्रवाल यूपीपीसीएल में आलोक कुमार द्वारा सफल हुए, जिन्होंने डीएचएफएल में निवेश जारी रखा।

हरीश रावत की विकृत तस्वीर पोस्ट करने के लिए उत्तराखंड भाजपा को निर्वाचान आयोग का नोटिस

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने उत्तराखंड भाजपा को आदर्श चुनाव आचार संहिता के कथित उल्लंघन के लिए नोटिस जारी किया है और पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस नेता हरीश रावत की एक विकृत तस्वीर ट्वीट करने के लिए 24 घंटे के भीतर जवाब देने को कहा है। तस्वीर में रावत को एक मौलवी के रूप में दिखाया गया है।

कांग्रेस ने शुक्रवार को इस संबंध में निर्वाचन आयोग से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि उत्तराखंड भाजपा ने तीन फरवरी को रात 9 बजकर 34 मिनट पर रावत की एक विकृत तस्वीर ट्वीट की थी, जिसमें उन्हें एक विशेष समुदाय के व्यक्ति के रूप में चित्रित किया गया था।

आयोग ने पांच फरवरी को भेजे गए नोटिस में कहा, आयोग ने इस मामले पर सावधानीपूर्वक विचार किया है और यह माना जाता है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), उत्तराखंड ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा-123 में आचार संहिता के %सामान्य आचरण% वाले हिस्से में निर्धारित खंड (द्ध) और (2) तथा भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 153(ए) की उप-धारा (आई)(ए) का उल्लंघन कर ऐसे बयान दिए हैं जो भड़काऊ हैं और इसे गंभीरता से लिया जाता है। इससे भावनाओं के भड़कने और कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने की आशंका रहती है, जिससे चुनाव प्रक्रिया पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

आयोग ने यह भी कहा, ÷इसलिए, अब आयोग उत्तराखंड भाजपा को अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर श्री हरीश रावत

की विकृत तस्वीर डालने के एआईसीसी के आरोप पर अपना रुख स्पष्ट करने का अवसर देता है। निर्वाचन आयोग ने कहा कि स्पष्टीकरण इस नोटिस की प्राप्ति के 24 घंटे के भीतर आयोग के पास पहुंच जाना चाहिए, ऐसा नहीं करने पर आयोग इस मामले में उत्तराखंड भाजपा को आगे संदर्भित किए बिना उचित निर्णय लेगा।

पेरू के नए प्रधानमंत्री ने इस्तीफा दिया

लीमा। पेरू के राष्ट्रपति पेड्रो कैस्टिलो द्वारा कैबिनेट के फिर से पुनर्गठन की घोषणा किए जाने के एक दिन बाद देश के नए प्रधानमंत्री ने शनिवार को इस्तीफा दे दिया।

कैस्टिलो की सरकार में छह महीनों में तीसरे प्रधानमंत्री हेक्टर वेलर ने कहा कि वह ''अखबारों के निशाने पर'' हैं जिन्होंने उनकी ''अपमानजनक और हिंसक'' छवि गढ़ी है।

स्थानीय मीडिया ने वेलर के खिलाफ घरेलू हिंसा से संबंधित पुलिस शिकायतों की खबरें दीं जिनमें उनकी पत्नी और बेटी ने वेलर पर मारपीट का आरोप लगाया था। ये शिकायतें 2016 से शुरू हुई थीं।

वेलर ने हालांकि इन आरोपों से इनकार किया। उनकी पत्नी का 2021 में देहांत हो गया था। वह पिछले 42 वर्षों में पेरू के सबसे कम समय तक पद पर रहनेवाले प्रधानमंत्री हैं।

कैस्टिलो एक नए और चौथे प्रधानमंत्री के नाम की घोषणा करेंगे। उन्होंने वादा किया है कि नया मंत्रिमंडल व्यापक और सभी राजनीतिक दलों के लिए खुला होगा।

रूहानी ने ईरान-सऊदी वार्ता पर इराक की कोशिश की सराहना की

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी ने तेहरान और रियाद के बीच वार्ता के दौर के बगदाद के प्रायोजन का जिक्र करते हुए क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता बढ़ाने के इराक के प्रयासों की प्रशंसा की।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, रायसी ने इराक के प्रधानमंत्री मुस्तफा अल-कदीमी के साथ फोन पर बातचीत में यह टिप्पणी की और तेहरान और रियाद के बीच वार्ता की मेजबानी के लिए बाद के प्रयासों को धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि इराक में एक मजबूत और एकजुट सरकार और एकजुट समाज पर इस्लामिक गणराज्य हमेशा जोर देता रहा है।

ईरानी राष्ट्रपति ने उल्लेख किया कि उनका देश सऊदी अरब के साथ आगे की बातचीत के लिए तैयार है अगर रियाद आपसी समझ और सम्मान के माहौल में बातचीत जारी रखने के लिए तैयार है।

क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता का उल्लेख करते हुए, रायसी ने कहा कि क्षेत्र की समस्याओं को हल किया जा सकता है अगर अतिरिक्त क्षेत्रीय शक्तियां क्षेत्रीय मामलों में हस्तक्षेप बंद कर दें।

उन्होंने यह भी आशा व्यक्त की है कि इराकी सरकार यमनी लोगों पर से घेराबंदी हटाने के लिए एक क्षेत्रीय पहल का नेतृत्व करने में सक्षम होगी।

अपने हिस्से के लिए अल-कदीमी ने कहा कि क्षेत्रीय मामलों में विचारों को करीब लाने और विभिन्न क्षेत्रों और सभी स्तरों पर द्विपक्षीय सहयोग और समन्वय को व्यापक बनाने के प्रयासों को शुरू करना महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री ने इराक और ईरान के बीच संबंधों को प्रतिष्ठित बताया और इराक इन संबंधों का विस्तार करने के लिए तत्पर है।

इराकी विदेश मंत्री फुआद हुसैन द्वारा अपने ईरानी समकक्ष होसैन अमीर अब्दुल्लाहियन के साथ बगदाद में पांचवें दौर की वार्ता आयोजित करने के प्रयासों पर चर्चा करने के एक दिन बाद यह कॉल आया।

चीन ने बर्फीले तूफान के लिए जारी किया अलर्ट

बीजिंग। चीन के मौसम विभाग ने रविवार को देश के मध्य भाग में भारी बर्फबारी के लिए अलर्ट जारी किया है।

राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा कि रविवार दोपहर से सोमवार दोपहर तक, हुबेई और अनहुई के कुछ हिस्सों में बर्फीला तूफान आने की संभावना है। अनुमान लगाया गया है कि 1-6 सेंटीमीटर बर्फबारी होने की उम्मीद है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने केंद्र के हवाले से कहा कि कुछ इलाकों में 10 सेंटीमीटर बर्फ गिरने की संभावना है।

वहां लोगों को घरों के अंदर रहने की सलाह दी गई और स्थानीय अधिकारियों से सड़कों, रेलवे, बिजली और दूरसंचार से जुड़ी सावधानी बरतने का आग्रह किया गया है।

अफ्रीका में सुरक्षा स्थिति पर एयू प्रमुख ने जताई चिंता

अदीस अबाबा । अफ्रीकी संघ (एयू) आयोग के अध्यक्ष मूसा फाकी महामत ने अफ्रीकी महाद्वीप में सुरक्षा स्थिति पर चिंता व्यक्त की है।

अदीस अबाबा में एयू विधानसभा के 35वें साधारण सत्र को संबोधित करते हुए महामत ने शनिवार को कहा कि महाद्वीप की सुरक्षा स्थिति आज आतंकवाद और सरकारों के असंवैधानिक परिवर्तनों के खतरनाक पुनरुत्थान से गहराई से चिह्नित है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पैन-अफ्रीकी ब्लॉक के अध्यक्ष ने कहा कि आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद 2021 में अफ्रीका की सुरक्षा चुनौती थी, जिसके अंतर्राष्ट्रीय आतंकी संबंध पूर्व, पश्चिम और दक्षिणी अफ्रीका में जुड़े हुए हैं।

उन्होंने कहा, महाद्वीप पर सुरक्षा की स्थिति अब एक वास्तविक नए दृष्टिकोण की मांग करती है जो हमारी शांति और सुरक्षा वास्तुकला और अफ्रीका में नए अस्थिर कारकों के साथ इसके संबंध पर सवाल उठाने चाहिए।

अध्यक्ष ने कहा कि अवैध पूंजी प्रवाह के खिलाफ एक लड़ाई के माध्यम से महाद्वीप के विकास का वित्तपोषण और अफ्रीकी वित्तीय संस्थानों की स्थापना अफ्रीका के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

सेनेगल के राष्ट्रपति ने एयू की अध्यक्षता संभाली

अदीस अबाबा। सेनेगल के राष्ट्रपति मैकी साल ने इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा में एयू मुख्यालय में एयू विधानसभा के 35वें साधारण सत्र के उद्घाटन के अवसर पर अफ्रीकी संघ (एयू) की अध्यक्षता संभालने की घोषणा की है।

इस वर्ष का एयू शिखर सम्मेलन अफ्रीकी महाद्वीप पर पोषण और खाद्य सुरक्षा को मजबूत करना है और मानव, सामाजिक और आर्थिक विकास के त्वरण के लिए कृषि-खाद्य प्रणालियों, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत करना है। इस विषय के तहत आयोजित किया जा रहा है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, साल ने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य के राष्ट्रपति फेलिक्स त्सेसीकेदी की जगह ली है।

अपने भाषण में सेनेगल के राष्ट्रपति ने कहा कि अफ्रीका सरकार के बढ़ते असंवैधानिक परिवर्तन और महाद्वीप की स्वास्थ्य सेवा और अर्थव्यवस्थाओं को बुरी तरह प्रभावित करने वाले कोरोनावायरस महामारी के संबंध में बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा है।

उन्होंने कहा, हम अभी शांति और सुरक्षा, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई, सरकार के असंवैधानिक परिवर्तन और पर्यावरण की सुरक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक और सामाजिक विकास से संबंधित कई और जरूरी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। संघ के निवर्तमान अध्यक्ष ने कोरोना महामारी की चुनौतियों से निपटने के लिए उनके नेतृत्व में की गई पहलों को रेखांकित किया।

संयुक्त राष्ट्र ने खराब हो रहे तेल टैंकर पर यमन के युद्धरत पक्षों के साथ बातचीत में प्रगति की घोषणा की

अदन। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने घोषणा करते हुए कहा है कि यमन के लाल सागर तट पर जंग लगे तेल टैंकर के कारण उत्पन्न संकट को हल करने के प्रस्ताव के संबंध में यमन के युद्धरत दलों के साथ सकारात्मक चर्चा हुई है।

मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (डउअ) ने शनिवार को एक बयान में कहा कि डेविड ग्रेस्ली, यमन के लिए संयुक्त राष्ट्र के निवासी और मानवीय समन्वयक, ने पिछले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र-समन्वित प्रस्ताव पर रचनात्मक बैठकें कीं, जो कि होदेइदाह के तट पर स्थित एक पुराने फ्लोटिंग स्टोरेज और ऑफलोडिंग यूनिट एफएसओ सेफर द्वारा उत्पन्न खतरे को कम करने के लिए है।

बयान में कहा गया है कि ग्रेसली ने अदन में कई बैठकें कीं और यमन के प्रधान मंत्री मेन अब्दुलमालिक, परिवहन मंत्री और सुरक्षित आपातकालीन समिति के साथ प्रस्ताव पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि वे जहाज पर मिलियन बैरल तेल को दूसरे जहाज में स्थानांतरित करने के संयुक्त राष्ट्र-समन्वित प्रस्ताव का समर्थन करते हैं। वे जल्द से जल्द खतरे को कम करना चाहते हैं।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने 29 जनवरी को एफएसओ सुरक्षित पर हौथी समूह के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ बहुत रचनात्मक चर्चा की।

बयान के अनुसार, हौथिस ने टैंकर द्वारा उत्पन्न पर्यावरणीय और मानवीय जोखिम पर अपनी चिंता पर जोर दिया और समस्या को हल करने के लिए तेजी से कार्रवाई देखने की उनकी इच्छा पर जोर दिया, इस पर वह सैद्धांतिक रूप से सहमत हुए कि कैसे संयुक्त राष्ट्र-समन्वित प्रस्ताव के साथ आगे बढ़ना है।

ग्रेसली वर्तमान में इच्छुक सदस्य राज्यों के साथ व्यापक बातचीत कर रहा है, जिसका समर्थन परियोजना को साकार करने के लिए महत्वपूर्ण होगा।

सेफर को 1988 से होदेइदाह शहर के उत्तर में एक बंदरगाह पर कच्चे तेल के भंडारण और ऑफलोडिंग प्लेटफॉर्म के रूप में स्थापित किया गया है।

तेल टैंकर वर्तमान में हौथी मिलिशिया के नियंत्रण में है, और इसका रखरखाव 2015 से बंद है।

प्रिंस चार्ल्स बने राजा तो कैमिला होंगी ब्रिटेन की नई महारानी

लंदन। ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने कहा है कि प्रिंस चार्ल्स के महाराज बनने पर 'डचेज ऑफ कॉर्नवाल' कैमिला महारानी होंगी।

महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने शनिवार को राष्ट्र के नाम अपने 'प्लेटिनम जुबली' संदेश में कैमिला का समर्थन किया और शाही घराने के भविष्य को आकार दिया। महारानी ने अपनी ''इच्छा'' जताते हुए कहा कि प्रिंस चार्ल्स के महाराज बनने पर कैमिला को 'क्वीन कंसोर्ट' के रूप में जाना जाएगा।

ताजपोशी के 70 साल पूरे होने पर एलिजाबेथ द्वितीय ने अपनी बहू कैमिला को लेकर अपनी आशाओं को व्यक्त किया।

95 वर्षीय महारानी ने लिखित संदेश में कहा, ''मैं आपके समर्थन के लिए आप सभी का धन्यवाद व्यक्त करना चाहती हूं। आपने मेरे प्रति जो निष्ठा और स्नेह दिखाया है, उसके लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगी। समय आने पर जब मेरा बेटा चार्ल्स महाराज बनेगा, तो मुझे उम्मीद है कि आप उसे और उसकी पत्नी कैमिला को वही समर्थन देंगे, जो आपने मुझे दिया है और मेरी इच्छा है कि जब वह समय आएगा, तो कैमिला को 'क्वीन कंसोर्ट' के रूप में जाना जाए।''

4 महीनों में 1 मिलियन से अधिक अफगान ने छोड़ा देश: रिपोर्ट

काबुल। पिछले चार महीनों में दस लाख से अधिक अफगान पलायन कर चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया है। टोलो न्यूज ने द न्यू यॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के हवाले से कहा कि एक निजी परिवहन उद्योग के प्रमुख ने कहा कि लगभग 4,000 लोग दैनिक आधार पर ईरान जा रहे हैं।

ईरान में प्रवेश करने वाले कई प्रवासी तुर्की की सीमाओं को पार करना चाहते हैं और वहां से शरण के लिए यूरोप जाते हैं।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने कहा कि बड़े पैमाने पर प्रवासन ने 2015 के प्रवासी संकट की पुनरावृत्ति के बारे में क्षेत्र के साथ-साथ यूरोप में भी शरण लेने वाले लोगों की संख्या को बढ़ा दिया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि कई लोग तत्काल आर्थिक संकट के कारण देश छोड़ना पसंद कर रहे हैं।

ईरान में शरणार्थी अधिकार रक्षकों ने ईरान में अफगान शरणार्थियों की स्थिति पर चिंता व्यक्त की।

एक शरणार्थी अधिकार कार्यकर्ता नकीबुल्लाह रसिख ने टोलो न्यूज को बताया कि ईरान में अफगान शरणार्थियों को विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है जैसे काम और शरणार्थी पहचान पत्र तक पहुंच की कमी। एक शरणार्थी को हमेशा वापस निर्वासित होने का खतरा होता है।

इस बीच, तालिबान सरकार ने कहा है कि अफगानिस्तान में आर्थिक और मानवीय संकट से निपटने के प्रयास जारी हैं।

सरकार के उप प्रवक्ता बिलाल करीमी ने कहा कि इस्लामिक अमीरात के आंकड़े बताते हैं कि अफगानिस्तान से रोजाना 1500 से 2,000 लोग ईरान जा रहे हैं।

उत्तरी प्रांत में 60 अफगान पुलिस कैडेट स्नातक

फैजाबाद (अफगानिस्तान) । अफगानिस्तान के उत्तरी बदख्शां प्रांत में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद कुल 60 अफगान कैडेटों को पुलिस बल में शामिल किया गया है। ये जानकारी सूचना एवं संस्कृति विभाग के प्रांतीय प्रमुख मजूदीन अहमदी ने दी।

अधिकारी के अनुसार, सभी युवाओं को 50 दिवसीय सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त हुआ, जिसके दौरान कैडेटों को सिखाया गया कि कैसे हल्के हथियारों का इस्तेमाल किया जाए और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए लोगों के साथ कैसा व्यवहार किया जाए।

उन्होंने शनिवार को आगे कहा, यह तीसरी बार है जब बदख्शां प्रांत के युवाओं को प्रांतीय राजधानी फैजाबाद शहर में सैन्य प्रशिक्षण और पुलिस अनुशासन प्राप्त करने के बाद पहाड़ी प्रांत में तैनात किया गया है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त 2021 में तालिबान द्वारा अफगानिस्तान के कब्जे के बाद से पुलिस की व्यावसायिकता में सुधार और पुलिस कर्मियों की क्षमता निर्माण के प्रयास चल रहे हैं।

लता मंगेशकर की आवाज का जादू हमेशा बरकरार रहेगा: पाकिस्तानी मंत्री

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने रविवार को महान गायिका लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन्होंने दशकों तक संगीत की दुनिया पर राज किया है और उनकी आवाज का जादू हमेशा बरकरार रहेगा।

मंगेशकर की बहन उषा मंगेशकर और उनका इलाज करने वाले डॉक्टरों ने बताया कि 92 वर्षीय गायिका के कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया था, जिसके कारण रविवार सुबह 8.12 बजे उनका निधन हो गया।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ चीन के दौरे पर गए प्रतिनिधिमंडल में शामिल चौधरी ने बीजिंग से उर्दू में शोक संदेश ट्वीट किया, %%लता मंगेशकर के निधन से संगीत के एक युग का अंत हो गया। लता ने दशकों तक संगीत की दुनिया पर राज किया और उनकी आवाज का जादू हमेशा बरकार रहेगा।

उन्होंने कहा, जहां भी उर्दू बोली और समझी जाती है, वहां लता मंगेशकर को अलविदा कहने वालों का हुजूम है।

मंगेशकर के निधन की खबर ट्विटर पर ट्रेंड कर रही है और लगभग सभी टीवी चैनलों पर उनके निधन की खबर के साथ-साथ उनके सदाबहार गीत प्रसारित किये जा रहे हैं।

पाकिस्तान के सरकारी टीवी पर भी मंगेशकर के निधन की खबर प्रसारित हुई, जो सीमा के इस ओर उनकी लोकप्रियता को दर्शाता है।

लता मंगेशकर: भारतीय स्वरकोकिला, जिन्होंने पाकिस्तानी तानाशाह जिया-उल-हक को भी अपना मुरीद बना लिया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के क्रूर तानाशाह जनरल मुहम्मद जिया उल हक को अपने देश में महिलाओं की संगीत और अन्य कला प्रस्तुति पर प्रतिबंध लगाने के लिए जाना जाता है, लेकिन वह भी लता मंगेशकर की सुरीली आवाज के जादू से अछूते नहीं रह सके थे और उन्होंने एक बार खुद स्वीकार किया था कि वह भारत की 'स्वर कोकिला' का प्रशंसक हैं।

मंगेशकर (92) का रविवार को मुंबई स्थित एक अस्पताल में निधन हो गया। वह कोरोना वायरस से संक्रमित पाई गई थीं और उन्हें बीमारी के मामूली लक्षण थे। उन्हें आठ जनवरी को ब्रीच कैंडी अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती कराया गया था, जहां डॉक्टर प्रतीत समदानी और उनकी टीम उनका इलाज कर रही थी।

एक पुराने साक्षात्कार के अनुसार 1982 में दिवंगत भारतीय पत्रकार कुलदीप नैयर के साथ बात करते हुए जिया ने मंगेशकर की प्रशंसा की बात स्वीकार की थी। साक्षात्कार के दौरान नैयर ने जिया को यह कहकर ताना मारा कि भारतीय कहते हैं कि जब भी वे किसी सांस्कृतिक दल को पाकिस्तान ले जाना चाहते हैं तो पाकिस्तान में उसका स्वागत नहीं होता। ऐसे ही एक दल में लता मंगेशकर समेत कुछ प्रमुख महिला गायिकाएं शामिल थीं।

उस समय पाकिस्तान के इस्लामीकरण की शुरुआत करने वाले जिया ने कहा था, मैं जिम्मेदार व्यक्ति हूं। मुझे खुद लता मंगेशकर के गीत पसंद हैं, लेकिन अगर आप उन्हें गाने के लिए पाकिस्तान भेजना चाहते हैं, तो मैं अभी इसे मना करुंगा, क्योंकि यह मौजूदा पाकिस्तानी भावना के अनुकूल नहीं है।

जिया ने 1977 में जुल्फिकार अली भुट्टो की निर्वाचित सरकार को अपदस्थ करने के बाद सैन्य तख्तापलट कर सत्ता संभाली थी। उन्होंने अपने चुने हुए न्यायाधीशों के माध्यम से भुट्टो को हत्या के एक मामले में फांसी की सजा दिलवाई थी। जिया ने पाकिस्तान के इस्लामीकरण की अपनी योजना के दौरान इस्लाम के नाम पर कई पाबंदियां लगाई थी, जिसमें महिला कलाकारों की प्रस्तुति पर पाबंदी भी शामिल थी।

वह 1978 में पाकिस्तान के राष्ट्राध्यक्ष बने थे और 1988 में विमान दुर्घटना में मारे जाने तक इस पद पर रहे थे।

अफगानिस्तान में खसरे के प्रकोप से 74 बच्चों की मौत

काबुल। अफगानिस्तान के उत्तरी प्रांत बदख्शां में खसरे के प्रकोप से कम से कम 74 बच्चों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रांतीय सूचना और संस्कृति निदेशालय के प्रमुख माजुदीन अहमदी ने सिन्हुआ समाचार एजेंसी को बताया, पिछले दो महीनों में कुफ आब, दरवाजा, कोहिस्तान के साथ-साथ प्रांतीय राजधानी फैजाबाद शहर और इसके बाहरी इलाकों सहित कई बदख्शां जिलों में खसरे के मामले सामने आए थे। कुफ आब और कोहिस्तान जिले में बीमारी से संक्रमित होने के बाद कम से कम 74 बच्चों की मौत हो गई थी।

जान गंवाने वाले अधिकांश बच्चे ऐसे क्षेत्रों में रह रहे थे जहां सार्वजनिक स्वास्थ्य कर्मियों और स्थानीय मोबाइल वैक्सीनेटरों की पहुंच नहीं थी।

प्रांतीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने बार-बार लोगों से सतर्क रहने और बच्चों के बुखार, दाने, आंखों सी जुड़ी समस्या, खांसी और सर्दी के लक्षणों के मामले में निकटतम स्वास्थ्य केंद्रों से परामर्श करने का आह्वान किया है।

स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, एशियाई देश में खसरे के मामलों में लगातार वृद्धि हुई है, खासकर पहाड़ी पूर्वोत्तर क्षेत्र में वृद्धि हुई है।

पिकासो के प्रतिष्ठित चित्रपट 'ग्वेर्निका' की संयुक्त राष्ट्र में वापसी

संयुक्त राष्ट्र। स्पेन के मशहूर चित्रकार पाब्लो पिकासो के प्रतिष्ठित चित्रपट ''ग्वेर्निका'' की शनिवार को संयुक्त राष्ट्र में वापसी हो गई। पिकासो की इस कलाकृति को कई कला समीक्षक इतिहास में सबसे शक्तिशाली युद्ध-विरोधी चित्रकारी मानते हैं।

यह चित्रकारी एक साल से संयुक्त राष्ट्र में नहीं थी, जिससे संयुक्त राष्ट्र के कई राजनयिक और कर्मचारी नाराज और निराश थे।

इस कलाकृति के लिए एटेलियर जे. डे ला बॉम-दुर्बाक द्वारा बनाए गए चित्रपट को सुरक्षा परिषद के बाहर शनिवार को फिर से लटका दिया गया, जो संयुक्त राष्ट्र का सबसे शक्तिशाली निकाय है। इस पर अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी है। जिस दीवार पर यह चित्रपट लटका हुआ था वह फरवरी 2021 से खाली थी।

संयुक्त राष्ट्र कर्मचारी संघ

2021 में 24 शांति रक्षकों, एक आम नागरिक की मौत

संयुक्त राष्ट्र।

संयुक्त राष्ट्र कर्मचारी संघ के अनुसार, 2021 में जानबूझकर किए गए हमलों में संयुक्त राष्ट्र के 24 शांति रक्षकों और संयुक्त राष्ट्र के लिए काम कर रहे एक आम नागरिक की मौत हो गई।

अंतरराष्ट्रीय नागरिक सेवा की सुरक्षा और स्वतंत्रता के लिए संयुक्त राष्ट्र की स्थायी समिति ने कहा कि मारे गए शांति रक्षकों में दो महिलाएं थीं और लगातार आठवें वर्ष माली दुनिया का सबसे जोखिम वाला देश रहा, जहां 19 शांति रक्षक मारे गए। चार शांति रक्षकों की मौत के साथ मध्य अफ्रीकी गणराज्य सूची में दूसरे स्थान पर रहा।

संयुक्त राष्ट्र कर्मचारी संघ के अध्यक्ष एटोर अरौज ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, ''एक बार फिर, संयुक्त राष्ट्र के कर्मियों, विशेष रूप से शांति रक्षकों जो दुनिया के सबसे जोखिम वाले स्थानों में सेवा दे रहे हैं, ने सबसे अधिक कीमत चुकाई है।''

उन्होंने कहा, ''इस तरह के अपराधों के लिए किसी को भी पकड़ा नहीं गया और सजा नहीं दी गई। हम सरकारों से संयुक्त राष्ट्र कर्मियों की रक्षा करने और उनके हत्यारों पर मुकदमा चलाने के लिए हर संभव प्रयास करने का आह्वान करते हैं।''

स्टाफ यूनियन ने कहा कि 2021 में मरने वाले आठ शांतिरक्षक टोगो से, चार चाड से, तीन आइवरी कोस्ट से, तीन मिस्र से और एक-एक रवांडा, बुरुंडी, कांगो, गैबॉन, मलावी और मोरक्को से थे। मारा गया एक आम नागरिक कांगो का था।

अफगानिस्तान में आतंक को आजादी, तालिबान से मिला ओसामा का बेटा

काबुल। अफगानिस्तान की सत्ता तालिबान के हाथ में आने के बाद से वहां आतंक को आजादी मिल गई है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक हालिया रिपोर्ट में इसे लेकर चिंता जताते हुए रहस्योद्घाटन किया गया है कि कुख्यात आतंकी सरगना ओसामा बिन लादेन के बेटे ने तालिबान से मुलाकात की है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अफगानिस्तान में आतंक के विस्तार को लेकर चिंतित है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की रिपोर्ट में रहस्योद्घाटन

परिषद ने अपनी रिपोर्ट में अफगानिस्तान को लेकर बड़े खतरे का संकेत दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अलकायदा के मारे गए आतंकी ओसामा बिन लादेन के बेटे ने अक्टूबर 2021 में तालिबान से मुलाकात की थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि अफगानिस्तान में आतंकियों को अभी जैसी आजादी हालिया इतिहास में कभी नहीं मिली। रिपोर्ट का दावा है कि इस बात के कोई संकेत नहीं हैं कि तालिबान ने अफगानिस्तान में विदेशी आतंकियों की गतिविधियों पर काबू के कोई कदम उठाए हैं। इसके उलट वहां आतंकी गुटों को और ज्यादा छूट मिल गई है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की वर्ष में दो बार पाबंदी नियंत्रण समिति की रिपोर्ट जारी करता है ताकि इस्लामिक स्टेट व अलकायदा जैसे संगठनों के आतंकियों पर पाबंदियों को और सख्त किया जा सके। हाल ही में जारी समिति की 29 वीं रिपोर्ट में कहा गया है कि अलकायदा के सरगना रहे ओसामा बिन लादेन के बेटे ने अक्टूबर में अफगानिस्तान जाकर तालिबान के नेताओं से मुलाकात की थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि ओसामा बिन लादेन का सुरक्षा समन्वयक अमीन मुहम्मद उल-हक सैम खान अगस्त के अंत में ही अफगानिस्तान स्थित घर लौट आया था।

मैनहट्टन में न्यूयॉर्क शहर के पुलिस अधिकारी को गोली मारी गई

न्यूयॉर्क। अमेरिका के मैनहट्टन में शनिवार शाम साढ़े चार बजे न्यूयॉर्क शहर का एक पुलिस अधिकारी गोलीबारी में घायल हो गया।

पुलिस ने बताया कि इस साल सातवीं बार ऐसा हुआ है, जब न्यूयॉर्क शहर के किसी पुलिस अधिकारी पर हमला किया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस अधिकारी पर जब हमला किया गया, उस समय मैनहट्टन सामुदायिक केंद्र में उसकी ड्यूटी समाप्त हो गई थी। घायल अधिकारी को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है और उसके पूरी तरह स्वस्थ हो जाने की उम्मीद है। न्यूयॉर्क शहर पुलिस विभाग में हाउसिंग ब्यूरो के प्रमुख जेफ्री माडरे ने बताया कि अधिकारी जब इमारत से निकल रहा था, तभी दो पुरुषों ने उस पर गोलीबारी कर दी।

दक्षिणी दिल्ली के एक घर में लगाया गया पहला निजी ईवी चार्जिंग पॉइंट, सिंगल विंडो सुविधा से आसान हुआ काम

आनंद राय

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की सिंगल विंडो सुविधा के तहत पहला निजी इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग पॉइंट दक्षिणी दिल्ली के बीएसईएस डिस्कॉम बीआरपीएल क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति के घर पर लगाया गया है। कंपनी के प्रवक्ता ने रविवार को कहा कि सिंगल-विंडो सुविधा दिल्ली में अपार्टमेंट, ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी, अस्पताल, मॉल और थिएटर जैसे निजी और अर्ध-सार्वजनिक स्थानों पर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के तेजी से विस्तार की सुविधा प्रदान करती है।

बीएसईएस के प्रवक्ता ने कहा कि पहला निजी चार्जिंग पॉइंट इस सप्ताह की शुरुआत में दक्षिणी दिल्ली के मुनिरका में डीडीए फ्लैट्स में स्थापित किया गया था, जबकि दूसरा पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार में स्थापित किया गया था।

उन्होंने कहा कि बीएसईएस डिस्कॉम बीआरपीएल और बीवाईपीएल के उपभोक्ता पैनल में शामिल विक्रेताओं के माध्यम से अपने घरों, ग्रुप हाउसिंग सोसाइटियों, बहुमंजिला अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स, आरडब्ल्यूए कार्यालयों, वाणिज्यिक दुकानों आदि पर एक ऑनलाइन सिंगल-विंडो पोर्टल (स्विच दिल्ली) के माध्यम से एक निजी ईवी चार्जिंग पॉइंट स्थापित कर सकते हैं। परिवहन विभाग द्वारा चार्जिंग पॉइंट लगाने के लिए 12 वेंडरों को पैनल में रखा गया है।

निजी चार्जिंग नेटवर्क के प्रचार और विस्तार के लिए सरकार पहले 30,000 चार्जिंग पॉइंट के लिए 6,000 रुपये की एकमुश्त सब्सिडी प्रदान कर रही है। कैपेक्स या सब्सक्रिप्शन मॉडल के अनुसार, सिंगल-विंडो पोर्टल के माध्यम से उपभोक्ताओं द्वारा ईवी चार्जर्स को पैनल में शामिल विक्रेताओं से खरीदा जा सकता है। कैपेक्स मॉडल के तहत उपभोक्ता पैनल में शामिल विक्रेता को पूरा भुगतान करता है।

सब्सक्रिप्शन मॉडल के तहत विक्रेता को कुल लागत का भुगतान उपभोक्ता द्वारा तीन वर्षों में समान मासिक किश्तों के रूप में किया जाता है, जिसके बाद चार्जर उसे स्थानांतरित कर दिया जाता है। निजी चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास कार्यक्रम का उद्देश्य निजी के साथ-साथ सार्वजनिक चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रावधान के लिए

दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी का प्रतिनिधिमंडल बाबा इकबाल सिंह की अंतिम अरदास व श्रद्धांजलि समागम में शामिल हुआ

हरमीत सिंह कालका द्वारा शोक संदेश भी सौंपा गया

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के महासचिव जगदीप सिंह काहलों की अगुवाई में प्रतिनिधिमंडल बारू साहिब वाले बाबा इकबाल सिंह की अंतिम अरदास व श्रद्धांजलि समागम में शामिल हुआ। इस प्रतिनिधिमंडल में स. काहलों के अलावा सर्वजीत सिंह विरक सदस्य कार्यकारिणी, इंद्रजीत सिंह मोंटी तथा गुरमीत सिंह टिंकू भी शामिल थे। इस समागम में स. काहलों ने बाबा इकबाल सिंह जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि बाबा जी द्वारा चलाये जा रहे 129 स्कूल, 2 विश्वविद्यालय, इंजीनियरिंग व मैडिकल कालेजों में पढ़ कर आज बच्चे देश-विदेश में उच्च पदों पर विराजमान हैं। उन्होंने कहा कि बड़ी बात यह है कि बाबा जी द्वारा स्थापित शैक्षिणक संस्थानों में शिक्षा के साथ-साथ आध्यात्मिक शिक्षा भी दी गई। उन्होंने कहा कि बाबा जी ने केवल शिक्षा के क्षेत्र में ही काम नहीं किया बल्कि गुरुद्वारा साहिबान के साथ-साथ मंदिरों एवं मस्जिदों के लिए सेवा करवाई। उनके द्वारा मानवता के लिए किये गये कार्यों को रहती दुनिया तक याद किया जाएगा। स. काहलों ने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि बाबा इकबाल सिंह जी के बाद अब सेवा संभालने वाले डॉ. दविंद्र सिंह की सरपरस्ती में बाबा जी द्वारा 500 स्कूल तथा 5 विश्वविद्यालय स्थापित करने का लक्ष्य पूरा होगा और समूचा कामकाज अच्छे से पूर्ण होगा। इस श्रद्धांजलि समागम में कमेटी के अध्यक्ष स. हरमीत सिंह कालका द्वारा शोक संदेश भी पढ़ कर सुनाया गया। स. काहलों ने यह भी बताया कि बारू साहिब ट्रस्ट द्वारा हर वर्ष गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब परिसर में भाई लक्खी शाह वणजारा हॉल में समागम किया जाता है और इस बार यह समागम 12 व 13 फरवरी को होगा जो कि बाबा इकबाल सिंह को समर्पित होगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी इस समागम के लिए पूरा सहयोग देगी।

तांबे की पाइप के आयात पर प्रतिपूर्ति शुल्क लगाया जाए

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय ने मलेशिया, थाइलैंड और वियतनाम से आयातित तांबे की ट्यूब और पाइप पर पांच साल के लिए प्रतिपूर्ति शुल्क लगाने की सिफारिश की है। इस कदम का उद्देश्य इन देशों से सब्सिडी वाले आयात से घरेलू उद्योगों की रक्षा करना है। मंत्रालय की अन्वेषण इकाई व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने जांच के बाद अपने निष्कर्षों में कहा कि यह जांच स्वतः संज्ञान लेकर शुरू की गई थी और इसमें दिलचस्पी रखने वाले सभी हितधारकों को इस बारे में सूचित किया गया था। डीजीटीआर ने कहा कि घरेलू उद्योग, इन देशों के दूतावास, आयातक और निर्यातकों समेत सभी हितधारकों को सब्सिडी, क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में सकारात्मक सूचना मुहैया कराने का पर्याप्त अवसर दिया गया।

पांच रुपये के लिए दुकानदार को पीटकर अधमरा किया

नई दिल्ली। सोनिया विहार में पांच रुपये के लिए पिता-पुत्र ने एक दुकानदार को डंडे से पीटकर अधमरा कर दिया। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गए। घायल 22 वर्षीय शिव कुमार यादव को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पीड़ित शिव कुमार सोनिया विहार में पहला पुश्ता के पास रहते हैं। वह पान की दुकान चलाते हैं। तीन फरवरी को वह दुकान पर बैठे हुए थे तभी प्रॉपर्टी डीलर राजेश वहां पहुंचा। उसने पांच रुपये वाला तंबाकू का पुड़िया लिया मगर रुपये नहीं दिए। रुपये मांगने पर राजेश भड़क गया और कहा कि रुपये मांगने की तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई। तभी राजेश का बेटा हेमंत भी वहां आ गया। पिता-पुत्र ने मिलकर डंडे से शिव कुमार की पिटाई कर दी। शिवकुमार के अधमरा होने पर आरोपी फरार हो गए। शिव कुमार को उपचार के लिए जग प्रवेश चंद अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

कड़कड़डूमा कोर्ट भवन की दूसरी मंजिल पर आग लगी

नई दिल्ली । यमुनापार स्थित कड़कड़डूमा अदालत भवन की दूसरी मंजिल पर रविवार तड़के आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल की 12 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, जिनकी मदद से करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस दौरान किसी के हताहत होने की सूचना नहीं हैं। पुलिस की टीम मामले की जांच कर रही है। प्राथमिक जांच में आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

डिस्कॉम पर वितरण कंपनियों का बकाया घटा

नई दिल्ली। बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) पर बिजली उत्पादक कंपनियों (जेनको) का बकाया फरवरी, 2022 में सालाना आधार पर 5.1 प्रतिशत घटकर 1,15,972 करोड़ रुपये पर आ गया है। फरवरी, 2021 तक डिस्कॉम पर बिजली वितरण कंपनियों का बकाया 1,22,226 करोड़ रुपये था।पेमेंट रैटिफिकेशन एंड एनालिसिस इन पावर प्रोक्यूरमेंट फॉर ब्रिंगिंग ट्रांसपैरेंसी इन इन्वॉयसिंग ऑफ जेनरेशन (प्राप्ति) पोर्टल से यह जानकारी मिली है। फरवरी, 2022 में डिस्कॉम पर कुल बकाया पिछले महीने यानी जनवरी, 2022 की तुलना में भी घटा है। जनवरी में यह 1,16,834 करोड़ रुपये था। बिजली उत्पादकों तथा डिस्कॉम के बीच बिजली खरीद लेनदेन में पारदर्शिता लाने के लिए प्राप्ति पोर्टल मई, 2018 में शुरू किया गया था।

ई-वाहनों के लिए मॉल में पांच फीसदी जगह आरक्षित

रवि शंकर तिवारी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए नए कदम उठा रही है। सरकार अब मॉल में चार्जिंग की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने की योजना पर काम कर रही है। इसके अनुसार, 100 या इससे अधिक वाहनों की पार्किंग क्षमता वाले व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को ईवी चार्जर के साथ इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए पांच फीसदी पार्किंग स्थान आरक्षित करने के निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली सरकार की ओर से हाल ही में मॉल में ई-वाहन चार्जिंग के लिए लांच गाइड बुक में यह निर्देश दिए गए हैं।

दिल्ली सरकार ने ई-वाहनों के लिए पूरी दिल्ली में चार्जिंग स्टेशन का नेटवर्क तैयार करने की कवायद शुरू कर दी है। इसके तहत पीडब्ल्यूडी, परिवहन विभाग, डीएमआरसी, स्थानीय निकाय समेत सभी संबंधित एजेसियां चार्जिंग स्टेशन लगाने की जगह की पहचान कर रही हैं। इसके बाद दिल्ली सरकार एक वर्ष के भीतर 200 जगहों पर स्टेशन लगाएगी। योजना के अनुसार, पार्किंग, मॉल, ऑफिस कॉम्प्लेक्स, ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी, होटल, अस्पताल, शिक्षा संस्थान जैसे स्थानों पर चार्जिंग प्वाइंट बनाना है। ईवी चार्जिंग की सुविधा प्रदान करने से शॉपिंग मॉल को फ़ायदा हो सकता है। इससे ग्राहकों की संख्या, ग्राहकों का समय और मॉल का राजस्व बढ़ सकता है। इस तरह की मार्गदर्शिका शॉपिंग मॉल मालिकों को ईवी चार्जिंग के महत्व को समझने में सहायता करती है।

मोदी युग उत्सव के संदर्भ में पार्कों के निर्माण तथा शमशानों को शांति रूप देने की योजनाएँ

नई दिल्ली। मोदी युग उत्सव के संदर्भ में मान्य शासक श्री एस.ए.रामदास के नेतृत्व में मैसूर के कृष्णराज क्षेत्र में परिकल्पना के आधार पर विभिन्न पार्कों के निर्माण तथा शमशानों को शांति रूप देने की योजनाएँ बनाई गयी हैं।

कृष्णराज क्षेत्र में लगभग 114 पार्क थे। नगरोत्थान के अंदर पहले स्तर पर 16 पार्कों की परिकल्पना के आधार पर योजना बनाकर सरकार को दी गई थी साथ ही इसका कार्य भी प्रारंभ हुआ है।

24 करोड़ की दर पर इन पार्कों का निर्माण हो रहा है।

इस विषय में मान्य शासक श्री एस.ए.रामदास के नेतृत्व में के.आर.क्षेत्र के अधिकारियों के साथ मिलकर दिनांक 3/2/2022 के गुरुवार को विचार-विमर्श किया गया है। शुक्रवार के दिन प्रत्येक पार्क में विभिन्न प्रकार के भवनों का विन्यास हुआ है। महिलाओं तथा पुरुषों के लिए एक-एक शौचालय की व्यवस्था, बहु उपयोगी योग मंडप, सुसज्जित फुटपाथ,पीने के पानी की व्यवस्था, सी.सी.टी.वी. की सुविधा, पुसीस चौकी, सेक्युरिटी क्याबिन, महिलाओं तथा पुरुषों के लिए ज़िम के उपकरण,प्रत्येक पार्क में संगीत के लिए एक दीप स्तंभ और विशेष रूप से बनाए पार्कों में एल.ई.डी. स्क्रीन की व्यवस्ठा के विचार से , इन सबसे संबंधित एक लघु चित्र दिखाने की योजना बनाई गई है।

डीयू खोलने की मांग को लेकर विरोध करेंगे छात्र

विवेक राय

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय ने अभी अपने कॉलेजों को खोलने के लिए किसी तरह का नोटिफिकेशन जारी नहीं किया है, जबकि अधिकांश छात्र संगठन कैंपस खोलने की मांग कर रहे हैं। एबीवीपी, आइसा सहित कई छात्र संगठन सोमवार को डीयू नॉर्थ कैंपस में आर्ट फैकल्टी के बाहर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कहा कि प्रत्येक कॉलेज इकाई सात फरवरी को दिल्ली विश्वविद्यालय के हर कॉलेज के प्राचार्यों को ज्ञापन सौंपकर कॉलेजों को तत्काल प्रभाव से खोलने की मांग करेगी। साथ ही 8 फरवरी को दक्षिणी परिसर में पूरे दिन का धरना करेगी। दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी परिसर में 9 फरवरी को अकादमिक काउंसिल की मीटिंग के बाहर प्रदर्शन कर विरोध दर्ज कराएगी। एबीवीपी का कहना है कि कैंपस खुलवाने के साथ-साथ हॉस्टल में छात्रों को तुरंत अनुमति देना, लाइब्रेरी खोलना, पीएचडी दाखिला में पारदर्शिता, फीस में बढ़ोतरी और परीक्षा परिणाम से संबंधित विषयों को लेकर आंदोलन करेगी। एबीवीपी के राष्ट्रीय मीडिया संयोजक एवं प्रांत मंत्री सिद्धार्थ यादव ने कहा कि डीडीएमए के स्कूल-कॉलेज खोलने के संबंध में दिशा-निर्देश जारी हो गए हैं और अब दिल्ली विश्वविद्यालय को भी परिसर तुरंत खोलने का निर्णय लेना चाहिए। दिल्ली विश्वविद्यालय लगभग 2 वर्ष से बंद है। हम इसके खिलाफ सोमवार से प्रदर्शन करने वाले हैं।

सरकारी फैसले का स्वागत, स्कूल भी तैयारः एप्सा

- एप्सा अध्यक्ष ने कहा, सरकारी निर्देशों का पालन करेंगे स्कूल
- शुरुआत में ऑड-ईवेन के आधार पर बुलाएंगे स्टूडेंट्स, अप्रैल से फुल स्ट्रेंथ

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की तरफ से शुक्रवार को दो चरणों में दिल्ली के सभी स्कूल खोले जाने के ऐलान के बाद तमाम स्कूल प्रबंधन और स्कूल संचालकों में खुशी की लहर दौड़ गई है। अफोर्डेबल प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन (एप्सा) अध्यक्ष लक्ष्य छाबड़िया ने दिल्ली सरकार के फैसले का स्वागत किया है और सभी निर्देशों के पालन करने का आश्वासन दिया है।

एप्सा अध्यक्ष लक्ष्य छाबड़िया ने कहा कि दिल्ली सरकार के इस फैसले के बाद लगभग दो साल से बंद पड़े स्कूलों में तो रौनक लौटेगी ही, साथ ही स्कूलों, पेरेंट्स और घर बैठकर जबरन पढ़ रहे बच्चों को भी बहुत राहत मिलेगी। इसका सबसे ज्यादा फायदा दो साल से घरों में कैद छोटी क्लास के बच्चों को होगा क्योंकि स्कूल खुलने से एक बार फिर उनका मानसिक और शारीरिक विकास संभव हो सकेगा।

एप्सा अध्यक्ष ने सरकारी फैसले का स्वागत करते हुए दिल्ली सरकार को यह आश्वासन भी दिया है कि एप्सा के सभी स्कूलों में सरकारी गाइडलाइंस का पूरा पालन किया जाएगा। नर्सरी कक्षा से आठवीं क्लाज़ तक के लिए स्कूल फिलहाल ऑड-ईवन की तर्ज पर खोले जाएंगे। यानि एक दिन में 50 प्रतिशत बच्चे ही बुलाए जाएंगे। उन्होंने अप्रैल से 100 प्रतिशत बच्चों के लिए स्कूल खोलने की उम्मीद जताई है।

दिल्ली की 35 हजार आबादी को कूड़े और गंदगी से मिलेगी बड़ी राहत

दिल्ली सरकार ने 4 कॉलोनियों को दी कूड़े से मुक्ति की बड़ी सौगात

तिमारपुर, दिल्ली।

- AAP विधायक दिलीप पांडेय ने मुखर्जी नगर बांध के पास किया अत्याधुनिक कम्पैक्टर का उद्घाटन
- दिल्ली के मुखर्जीनगर, इंदिराविहार, परमानन्द और मुंशीराम कालोनी अब कूड़े से होंगी मुक्त- पार्षद पूजा मदान
- 2 करोड़ की लागत के कम्पैक्टर से 35 हजार की आबादी को मिलेगी स्वच्छता की सौगात
- दिल्ली कीAAP सरकार फिर गुड गवर्नेंस की बनी मिसाल, जमीन पर उतारकर दिखाया काम : दिलीप पांडे
- कालोनी की सड़क और गलियों में बिखरा हुआ कूड़ा नहीं दिखेगा, कम्पैक्टर से निस्तारित होकर बनाएगा खाद
- कम्पैक्टर में एक बार में 2 से 3 टन कूड़े का होगा निस्तारित, इस काम में कम्पैक्टर को बमुश्किल लगेंगे 10 मिनट
- दिल्ली को साफ और सुंदर शहर बनाने का काम AAPकी सरकार ने करके दिखाया : दिलीप पांडे

दिल्ली की AAP सरकार ने मुखर्जीनगर, इंदिराविहार, परमानन्द और मुंशीराम कालोनी में रहने वाली 35 हजार आबादी को कूड़े से मुक्ति की बड़ी सौगात दी है। अब इन कालोनियों में सड़क पर कूड़ा फैला हुआ नहीं दिखाई देगा। स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनेगा। गंदगी से होने वाली बीमारियों से भी लोगों को मुक्ति मिल जाएगी। कूड़े के निस्तारण के लिए सरकार ने मुखर्जीनगर बांध के पास अत्याधुनिक कम्पैक्टर लगवाया है। तिमारपुर विधानसभा से विधायक दिलीप पांडेय और पार्षद पूजा मदान ने शनिवार को 2 करोड़ की लागत के इस अत्याधुनिक कम्पैक्टर का उदघाटन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जनता और पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने सरकार के इस प्रयास की प्रशंसा की। कूड़े से राहत दिलाने के लिए विधायक का धन्यवाद भी दिया।

सुबह 11:30 बजे विधायक दिलीप पांडे ने जैसे ही मुखर्जीनगर बांध के पास अत्याधुनिक कम्पैक्टर का उदघाटन किया लोगों ने तालियां बजाकर उनके इस प्रयास की सराहना की। विधायक दिलीप पाण्डेय ने कहा कि 2 करोड़ की लागत के कम्पैक्टर से कूड़े का निस्तारण तेजी से होगा। मुखर्जीनगर, इंदिरा विहार, परामानन्द और मुंशीराम कालोनी की 35 हजार आबादी को कूड़ामुक्त हो जाएगी। जनता को सम्बोधित करते हुए विधायक दिलीप पांडेय ने कहा कि एक बार फिर दिल्ली की ᷊क्क सरकार गुड गवर्नेंस की मिसाल बनी उसने जमीन पर काम करके दिखा दिया है। खोखली बातें और दावे करने वालों ने दिल्ली की जो दुर्दशा की थी उसको बदलने और दिल्ली को साफ और सुंदर शहर बनाने का काम AAP की सरकार ने करके दिखा दिया है।

विधायक दिलीप पांडेय ने कहा कि गुड गवर्नेंस के लिए ईमानदार सरकार जरूरी है और आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में ईमानदारी से आम जन की जिंदगी को बदलने का काम किया है। उन्होंने जनता से कहा कि आप ने दिल्ली के हर क्षेत्र में विकास किया है। दिल्ली सरकार ने देश-विदेश में अपनी गवर्नेंस के जरिये कई आयाम स्थापित किये हैं और वह अन्य प्रदेशों के लिए एक मिसाल भी बनी है। अन्य दल केवल खोखली घोषणाएं करते हैं, हम गारंटी देते हैं और योजनाओं का लाभ कैसे जनता को पहुंचाया जाता है करके दिखाते हैं।

कम्पैक्टर : गीले और सूखा कूड़े का अब आसानी हो जाएगा निस्तारण

दिल्ली की चार कालोनियों में सड़कों से लेकर ट्रैंचिंग ग्राउंड तक अब कूड़ा बिखरा हुआ नहीं दिखेगा। वार्डों से निकलने वाले कूड़े को पहले कम्पैक्टर में डालकर निस्तारित किया जाएगा। अत्याधुनिक कम्पैक्टर में सूखा कूड़ा सालिड गोला बन कर बाहर आयेगा तो वहीं गीले कूड़ा से कम्पोस्ट खाद बनेगी। अभी वार्डों से कूड़ा उठाकर पड़ाव केन्द्र तक लाया जाता है, इसके बाद बड़े वाहनों से उसे ट्रैंचिंग ग्राउंड तक लाया जाता है। कूड़े के साथ पहुंची पॉलीथिन और अन्य सामग्री हल्की हवा में ही बिखर जाते हैं। अब इन चार कालोनियों से छोटी और बड़ी गाड़ियों से पहले से अलग सूखा और गीले कूड़े को कम्पैक्टर में डाला जाएगा। गीला कूड़ा निस्तारित होकर अलग हो जाएगा और सूखा कूड़ा सालिड गोले के रूप में बाहर आ जायेगा। गीला कूड़ा मिट्टी की शक्ल में बाहर निकलेगा, जिसे 40 दिन के अंदर कम्पोस्ट खाद में तब्दील कर दिया जाएगा। कम्प्रेस्ड कूड़े का आसानी से निस्तारण हो जाएगा। कम्प्रेस्ड कूड़े से गड्ढों आदि को आसानी से भरा जा सकेगा। कम्पैक्टर में एक बार में दो से तीन टन कूड़े का निस्तारण हो जाएगा। दो से तीन टन कूड़े को कम्प्रेस करने में कम्पैक्टर को बमुश्किल 10 मिनट लगेगा।

सम्पादकीय

एमएसपी का मुद्दा

सिद्धार्थ शंकर

केंद्र सरकार ने विधानसभा चुनावों के बाद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कमेटी बनाने की घोषणा की है। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने राज्यसभा को बताया कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के बाद एमएसपी पर एक समिति की घोषणा की जाएगी। उन्होंने यह दोहराया कि सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल नवंबर में तीन कृषि कानूनों को रद्द करने की घोषणा करते हुए कहा था कि एमएसपी पर कानूनी गारंटी के लिए किसानों की मांग पर चर्चा करने के लिए एक समिति का गठन किया जाएगा। तोमर ने कहा, पूरा देश जानता है कि प्रधानमंत्री ने फसल विविधीकरण, प्राकृतिक खेती और एमएसपी को प्रभावी व पारदर्शी बनाने के लिए समिति के गठन की घोषणा की है। सरकार पीएम द्वारा की गई घोषणा के लिए प्रतिबद्ध है। मामला मंत्रालय के विचाराधीन है और समिति की घोषणा विधानसभा चुनाव के बाद की जाएगी। एमएसपी की मांग को लेकर किसानों ने एक साल लंबा आंदोलन चलाया था और अब एमएसपी की मांग पूरी न होने को लेकर फिर से आंदोलन की बात कर रहे हैं। मगर अब कृषि मंत्री के ऐलान के बाद एमएसपी का मुद्दा पीछे छूटेगा और चुनाव के बाद किसानों की वर्षों पुरानी मांग का समाधान हो जाएगा। देखा जाए तो किसानों की यह मांग कम जटिल मुद्दा नहीं है। अगर मामला आसान होता तो तीनों कृषि कानून वापस लेने की घोषणा के साथ ही सरकार एमएसपी पर भी कोई फैसला कर सकती थी। इससे समझा जा सकता है कि एमएसपी को लेकर सरकार कितनी दुविधा में होगी। दरअसल, एमएसपी का मसला ऐसा है जिस पर कृषि विशेषज्ञ और अर्थशास्त्रियों के बीच भी आमराय आसानी से नहीं बनती दिखती। जहां एक वर्ग का मानना है कि एमएसपी कानून बनने से ही छोटे किसानों को उपज का लाभ मिल पाएगा, वहीं ऐसा नहीं मानने वाला वर्ग कहीं ज्यादा बड़ा है। जाहिर है, एमएसपी का मुद्दा आसानी से नहीं हल नहीं होने वाला। सरकार के सामने व्यावहारिक समस्या यह है कि अगर एमएसपी कानून बन गया तो उसके लिए किसानों की उपज खरीदने की मजबूरी हो जाएगी। यह तर्क भी दिया जा रहा है कि एमएसपी कानून बन जाने के बाद अगर सरकार ने व्यापारियों को तय दाम पर उपज खरीदने के लिए मजबूर किया तो व्यापारी कम दाम पर आयात करने जैसा कदम उठा सकते हैं। संकट यही है कि जब सरकार पूरी उपज खरीद नहीं सकती, व्यापारी निर्धारित एमएसपी पर उपज खरीदने से बचेंगे, तो किसान करेगा क्या?

हालांकि एमएसपी की व्यवस्था देश में छठे दशक के दौरान खाद्यान्न संकट के दौरान शुरू की गई थी, ताकि सरकार किसानों से उपज खरीदे और भंडार भरे। यह किसानों के हित के लिए ही किया गया था। पर आज सरकारी गोदाम गेहूं, चावल आदि से अटे पड़े होने का दावा किया जा रहा है। बात यहीं खत्म नहीं होती। विश्व व्यापार संगठन खाद्यान्न खरीद पर सब्सिडी का विरोध करता रहा है। ऐसे में अगर सब्सिडी बढ़ती रही तो निर्यात का संकट खड़ा हो जाएगा। कहा यह्न भी जाता रहा है कि एमएसपी से छोटे और सीमांत किसानों को कोई लाभ नहीं होता है, सिर्फ पांच-छह फीसद बड़े किसान ही इसका फायदा उठाते हैं। इससे तो एमएसपी व्यवस्था की प्रासंगिकता पर ही सवाल खड़ा हो जाता है। इस बात से कोई इनकार नहीं करेगा कि किसानों को उपज का पूरा दाम मिलना चाहिए। अगर मौजूदा व्यवस्था से समाधान नहीं निकल रहा है तो इसके लिए नए उपायों पर विचार किया जाना चाहिए। एमएसपी संकट का हल तो कृषि विशेषज्ञों, कृषि अर्थशास्त्रियों और किसान संगठनों के नुमाइंदों की समिति को ही खोजना होगा। प्रधानमंत्री इस मसले पर समिति बनाने की बात कह चुके हैं। दरअसल, पूरी दुनिया में कृषि और कृषि बाजार का स्वरूप बदल रहा है। हम बाजार आधारित वैश्विक अर्थव्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में वक्त के साथ बदलने की जरूरत है। सबसे बड़ी बात तो यही कि जो भी कदम उठाए जाएं, वे मुट्ठीभर किसानों के हितों के लिए नहीं हो, बल्कि अस्सी फीसद से ज्यादा छोटे और मझोले किसानों के हितों को पूरा करने वाले हों।

आयकर-को जड़मूल से बदलें

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

इस साल के बजट पर मेरा लेख पढ़कर दर्जनों पाठकों ने पूछा कि आपने भारत की आयकर अव्यवस्था पर सख्त टिप्पणी क्यों नहीं की? इस सवाल के जवाब में मैं यही कह सकता हूँ कि मैं तो कई वर्षों से कह रहा हूँ कि भारत में आयकर की जगह जायकर लगाना चाहिए।

यानी लोगों की आमदनी नहीं, खर्च पर टैक्स लगाना चाहिए ताकि लोग बचत करें और उस बचत की राशि का उपयोग राष्ट्र-निर्माण के लिए भी हो सके। दुनिया के लगभग एक दर्जन देशों में उनके नागरिकों पर आयकर नहीं थोपा जाता है। लेकिन आयकर की जगह जायकर की व्यवस्था लागू करने में काफी पेचीदगियां है और उसे लागू करने के लिए सरकारी कर्मचारियों का ईमानदार होना भी बहुत जरुरी है। यदि भारत सरकार में इसे लागू करने का फिलहाल दम नहीं है तो कम से कम वह आयकर व्यवस्था को सुधारने की कोशिश तो करे।

इस बजट में कोई कोशिश दिखाई नहीं पड़ी लेकिन पिछली सरकारों ने भी क्या किया? उन्होंने आयकर की सीमा में थोड़ा-बहुत फेर-बदल करके अपना पिंड छुड़ाया। उसका नतीजा क्या हुआ? उसका सबसे ज्यादा खामियाजा नौकरीपेशा मध्यम वर्ग ने भुगता। देश के 140 करोड़ लोगों में से सिर्फ लगभग छह करोड़ लोगों ने आयकर के फार्म भरे। उनमें से लगभग आधे लोगों ने टैक्स दिया। यानी मुश्किल से दो प्रतिशत लोग टैक्स भरते हैं, जबकि दुनिया के जापान, जर्मनी, फ्रांस, अमेरिका, ब्रिटेन जैसे समृद्ध देशों में लगभग 30 से 50 प्रतिशत लोग इनकम टैक्स भरते हैं। भारत के इन दो प्रतिशत लोगों में से डेढ़ प्रतिशत से भी ज्यादा लोग मध्यम वर्ग के नौकरीपेशा लोग हैं। वे अपनी आमदनी छिपा नहीं सकते लेकिन जो करोड़पति, अरबपति और खरबपति लोग हैं, उन पर इतना ज्यादा टैक्स थोप दिया जाता है कि वे टैक्स बचाने के एक से एक नए तरीके खोज लेते हैं। उन्हें टैक्स-चोरी के लिए मजबूर किया जाता है। लेकिन देश के किसानों पर कोई टैक्स नहीं है। छोटे किसानों को जाने दें लेकिन 5-10 एकड़ से ज्यादा के किसानों पर टैक्स क्यों नहीं है? खेती के नाम पर नेताओं, अफसरों और मोटे पूंजीपति अपनी अरबों रु. की काली कमाई को उजली करते रहते हैं।

जिन गरीब लोगों से सरकार आयकर नहीं लेती है, वे भी जीवन भर अपना पेट काटकर तरह-तरह के टैक्स भरते रहते हैं। इसीलिए मेरा सुझाव यह है कि आयकर की मात्रा काफी घटानी चाहिए और देश के कम से कम 60-70 करोड़ लोगों को आयकरदाता बनाना चाहिए। इसमें बड़े और मध्यम किसानों को भी जोड़ना चाहिए। इसके अलावा देश के लगभग 14-15 करोड़ ऐसे लोगों को जो 60 साल से ऊपर हैं, उन्हें सरकार को कम से कम 10 हजार रुपये प्रति मास मानदेय देना चाहिए। यह सर्वथा व्यावहारिक प्रस्ताव है। बशर्ते कि आयकर की व्यवस्था में क्रांतिकारी सुधार हो। इस लोक-कल्याणकारी प्रस्ताव के बारे में विस्तार से आगे कभी लिखेंगे। इस प्रस्ताव को लागू करने के लिए महाराष्ट्र में लातूर के प्रसिद्ध समाजसेवी अनिल बोकील ने जबर्दस्त अभियान शुरू किया है। मेरे परम प्रेमी मित्र वही बोकील हैं, जिनकी 2014 में मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट करवाई थी और जिनसे महाभारत के अभिमन्यु की तरह मोदी अधूरा ज्ञान ही ले सके थे।

अपनी गति है प्रकृति की

हृदयनारायण दीक्षित

बसंत आ गया है। तिथि के हिसाब से ऋतुराज बसंत आगमन पर प्रबुद्धों में चर्चा जारी है, लेकिन वास्तव में बसंत की रूप, रस, गंध दिखाई नहीं पड़ती। वायु में मधु गंध नहीं है।

आम वैसे नहीं बौराये जैसे हर बसंत में बौराते थे। कोयल भी वैसे नहीं गाती जैसे पहले बसंत के आगमन पर अपना तान पूरा लेकर गीत गाती थी। महुआ के पेड़ कट गये हैं। जहाँ-जहाँ बचे हैं, वहाँ-वहाँ महुआ के कूचे भी रसीले नहीं हैं। न सुंदर रूप, न मधु मस्त वायु, न गंध, न मदिर गंध और न ही मधुरस भरी पूरी वाणी है। बसंत के साथ हमारे अपने राज्य उत्तर प्रदेश सहित पाँच राज्यों में चुनाव भी हैं। बसंत में सबके हृदय रस पूर्ण होते हैं। वाणी मधुर हो जाती है, लेकिन चुनाव प्रचार ने वाणी को कटु बनाया है। नए-नए शब्द आ गए हैं। बसंत का रस चुनावी बयानबाजी के कारण तिक्त हो गया है। चुनाव लोकतंत्र का महापर्व होते हैं और एक नियत समय के बाद बार-बार होते हैं। ऐसे ही बसंत भी मधु रस लेकर हर बरस आता है। इस बार भोले बाबा शंकर को भी सुविधा है। बसंत में पूरी प्रकृति बासंती मदन गंध लेकर नहीं आई। वायु में मदन गंध नहीं है। भोले बाबा शिव को तीसरा नेत्र खोलने की जरूरत नहीं है। ये शिव ही तो हैं। उन्होंने बसंत के बिगड़ैले प्रभाव के विरूद्ध तीसरा नेत्र खोलकर कामदेव को भस्म कर दिया था। बताते हैं तब से कामदेव अनंग हो गये थे। शिव कृपा से वह सभी प्राणियों में अंग रहित होकर व्याप्त हैं।

शिशिर की विदाई हो गई है। तो कामदेव बसंत के सारे उपकरण लेकर नहीं दिखाई पड़ते हैं। सोचता हूँ कि बसंत के पूरे लावलस्कर के साथ न आने का कारण क्या है? पंचांग बताता है कि बसंत आ गया, लेकिन प्रकृति में बसंत के उपकरण रूप, रस, गंध लेकर नहीं आये। जान पड़ता है कि प्राकृतिक नियमों के शासक वरुणदेव भी कहीं क्षुब्ध हैं। प्रकृति को नियम बंधनों में रखना उन्हीं की जिम्मेदारी है। ऋग्वेद के ऋषि बता गये हैं कि प्रकृति के नियमों को लागू करना वरुणदेव का ही काम है, लेकिन यहाँ बसंत की ऋतु में भी बार-बार वर्षा हो रही है। बसंत में सावन के मेघ। हमारे आवास के साथ सुन्दर पार्क है। गुलाब खिले हैं। गेंदा भी हंस रहा है। लेकिन बेमौसम की बरसात गुलाब की पंखुड़ियाँ तोड़ गई हैं।

मेरा मन बार-बार प्रश्नाकुल होता है कि बसंत के खुलकर अपने मधुमय अस्त्र न चलाने का कारण क्या है? क्या चुनाव आचार संहिता ने बसंत को अपना प्रभाव फैलाने से रोक रखा है। पर्यावरणविद् कहेंगे कि यह प्रकृति के साथ मनुष्य द्वारा किये गये शोषण दुरुव्यवहार का परिणाम है। कुछ न कुछ जरूर हुआ है। ऐसा न होता तो सब तरफ बासंती मधुर गंध होती। सब तरफ रस होता। सब तरफ सौंदर्य नर्तन करता। जान पड़ता है कि प्रकृति की जीवन लीला में कुछ गड़बड़ी हो गयी है। जहाँ मधुरस होना चाहिए वहाँ रस नहीं है। जहाँ रूप सौंदर्य होना चाहिए वहाँ सौंदर्य नहीं है। जहाँ प्रेम गीत होने चाहिए वहाँ गीत नहीं है। बसंत सबका है। प्रकृति के प्रत्येक प्राणी का है। मैं बार-बार अपने भीतर और बाहर का बसंत खोजता हूँ, लेकिन निराशा हाथ लगती है। भीतर बसंत है नहीं। बाहर बसंत कैसे होगा? बसंत अस्तित्व की निरंतरता का प्रसाद है। यह प्रसाद बिना मांगे ही सबको मिलता रहा है। हम सब बसंत नहीं ला सकते हैं। प्रकृति द्वारा लाये गये बसंत का आनंद ले सकते हैं, लेते रहे हैं।

खेतों में सरसों के फूल खिले हैं। बहुत दूर-दूर तक पीले रंग की चादर दिखाई पड़ती है। वह बसंत का स्मरण कराते हैं। सरोवर अब है नहीं। जहाँ है वहाँ कमल खिले हैं। कालीदास कमल फूल पर मोहित थे। मेघदूत में उन्होंने अनेकशः कमल गंध का उल्लेख किया है। उसके पहले अथर्ववेद के पृथ्वी सूक्त में कमल की मधुर चर्चा है। कहा गया है कि सगंधा पृथ्वी की समूची गंध कमल के फूल पर उतर आई है और यही गंध देवों ने सूर्य की पुत्री सूर्या के विवाह में फैलाई थी। कमल जल में उगता है, लेकिन जल स्पर्श से अप्रभावित रहता है। मैं कमल का अनुरागी रहा हूँ। भारतीय परंपरा ने कमल को अतिरेकी प्यार दिया है। मेरे मन के भीतर और बाहर कमल गंध है। कमल के प्रति राग है, प्रीति है। कमल हमारी श्रुति स्मृति में छाया हुआ है। बसंत भी ऐसे ही छाया रहता है हर बरस। हमारा राग-अनुराग बार-बार संसार के आकर्षण में ले जाता है। संसार कर्तापन और भोक्तापन का परिणाम है। शंकराचार्य यही बता गये हैं। संसार आकर्षित करता है। हम सकाम कर्त्ता हो जाते हैं कर्तापन निश्चित ही भोक्तापन बनता है। पर हाथ कुछ नहीं लगता।

मनुष्य संवेदनशील प्राणी है। वह प्रकृति को देखकर संवेदित होता है। मनुष्य क्या पशु, पक्षी भी प्रकृति से संवेदित होते हैं। वे आहाल्द में होते हैं, शोक में भी होते हैं। वे पतझड़ देखकर उदास होते हैं, बसंत देखकर आनंदमग्न होते हैं। महाप्राण निराला ने इसका शब्दचित्र बनाया- वर्ण गंध धर/मनमरन्द भर/ तरू-उर की अरुणिमा तरुणतर/खुली रूप-स्तर सपुरिसरा/ रंग गई पग-पग धन्य धरा। निराला से पहले कवि तुलसी के बसंत चित्रण में सृष्टि को ब्रह्ममय देखने वाले योगी भी कण-कण में स्त्री देखने लगे। प्रकृति संवेदन जगाती है तो योग धरा रह जाता है। मुर्दे भी उठ पड़ते हैं। तुलसी कहते हैं- सीतल जागे मनोभाव मुएंहु मन वन सुभगता न परे कही/ सुगंध सुमन्द मारूत मदन अनल सखा सही/ विकसे सरन्हि बहु कंज गुंजल पुंज मंजुल मधुकदा/ कलहंस पिक सुक सरस रव करि गान नाचहिं अपसरा। तुलसी के भी बहुत पहले कालिदास भी बसंत और आम्रगंध में बौरा गए। उन्होंने कुमारसम्भव में कहा, पवन स्वभाव से ही आग भड़काऊ है, बसंत कामदेव के साथ आया। उसने नई कोपलों के पंख लगाकर आम्र मंजरियों के बाण तैयार किए। आम्र मंजरियाँ खाने से नर कोकिल का सुर मीठा हुआ। उसकी कूक पर रूठी हुई स्त्रियाँ रूठना भूल जातीं। पूर्वजों का अप्रतिम संवेदन और सौंदर्यबोध हजारों बरस प्राचीन राष्ट्र के सामाजिक और सांस्कृतिक विकास का परिणाम है।

बसंत का सौंदर्य हमारे रचे मानसिक संसार का परिणाम है। पीछे कुछ बरस से बासंती वायु रूप, रस, गंध का रथ लेकर नहीं आती। काल का पहिया इस मनोदशा को रौंदते हुये आगे निकल जाता है। उपनिषद के पुरखे बता गये हैं कि वह पूर्ण है, यह पूर्ण है, पूर्ण से ही यह पूर्ण निकला है। पूर्ण में पूर्ण घटावो तो पूर्ण ही बचता है। क्या स्वयं बसंत भी ऐसा होता है? उसे ऐसा होना भी चाहिए। बसंत भी उस पूर्ण से निकला हुआ इस पूर्ण का भाग है, लेकिन इसका गणित उस पूर्ण से भिन्न है। बसंत में बसंत घटावो तो बसंत नहीं बचता। बसंत नित्य नहीं है। आता है अपनी सेना लेकर और काल की गति का शिकार हो जाता है। जीवन की पूर्णता सत्य के साक्षात्कार में है। बसंत की पूर्णता में नहीं। जीवन की पूर्णता में सब सम्मिलित है, लेकिन हम सबका मन रीता है। जीवन एक प्रवाह है प्रकृति का। प्रकृति हमारे राग की प्रतीक्षा नहीं करती। प्रकृति की अपनी गति है। वह हमारी गति की प्रतीक्षा नहीं करती। हम काल क्रम में शिशु तरुण और वृद्ध होते जाते हैं। प्रकृति बूढ़ी नहीं होती है। हमारे अग्रजों ने बताया है कि प्रकृति की अपनी गति है। मनुष्य प्रकृति का भाग है, लेकिन स्वयं को अलग मानने के कारण अपने राग के अनुसार काम करता रहता है। कभी मनोवांछित फल मिलते हैं तो कभी निराशा। इसीलिए प्रतीक्षा को सुंदर गुण बताया गया है। आस्तिक प्रतीक्षा मनुष्य के चित्त को विचलित नहीं होने देती। बसंत भी इस वर्ष अपने पूरे रूप, रस, रंग में नहीं खिला तो शिकायत की कोई गुंजाइश नहीं है। वह हमारे बिना लाये ही आगे खिलेगा। कमल भी जैसे खिलते आये हैं वैसे और खिलेंगे। आस्तिकतापूर्ण प्रतीक्षा में ही आनंद के फूल खिलते हैं।

एपीजे कलाम क्यों नहीं बन सकते अंसारी

-आर. के. सिन्हा-

मोहम्मद हामिद अंसारी लुटियन दिल्ली के भव्य राजसी बंगले के भीतर रहते हुए फिर कहने लग गये हैं कि भारत के मुसलमान अपने को असुरक्षित महसूस करते हैं। उन्होंने अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल के सेमिनार में फिर वही दोहराया जो वे आजकल कहना पसंद कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भारत के मुसलमान 2014 के बाद से असुरक्षित महसूस करते हैं। चलिए, जिस मुल्क में बोलने की सबको पूरी आजादी हो वहां आप कुछ भी कहने के लिए स्वतंत्र हैं। पर क्या वे यह सब बातें तब भी कह रहे होते अगर उन्हें उप-राष्ट्रपति के बाद राष्ट्रपति का पद भी मिल जाता? जाहिर है, यह सवाल अपने आप में कुछ लोगों को काल्पनिक लग सकता है। लेकिन, यह सवाल तो है और अहम सवाल है।

अब अंसारी साहब से देश यह भी जानने को उत्सुक है कि अपने आप रातों रात मुसलमानों का प्रवक्ता बन गए अंसारी साहब कब मुसलमानों में तालीम की रोशनी फैलाने के लिए गांव-गांव की यात्रा करेंगे? देश उनसे यह भी उम्मीद करता है कि वे मुसलमानों का आह्वान करेंगे कि वे रोजगार और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए लोकतांत्रिक तरीके से सरकार के सामने अपना पक्ष रखें। हां, यह बात भी है कि उनके आह्वान को कौन सुनेगा? आखिर उन्होंने गरीब-गुरुबा

मुसलमानों के बीच काम ही कब किया है? वे तो भारतीय विदेश सेवा के अफसर थे। दशकों विदेशों में रहे। कई देशों में भारत के राजदूत भी रहे। भारत में रहे तो भी सरकारी सुविधाओं को भोगा। उपराष्ट्रपति पद से मुक्त होने के बाद वे सरकार द्वारा आवंटित किये गये दिल्ली के दिल में एक बड़े सरकारी बंगले में रहने लगे। उन्हें तमाम सरकारी सुविधाएं और सुरक्षा मिल रही हैं। भले ही वे मौजूदा केन्द्र सरकार को परोक्ष और प्रत्यक्ष रूप से कोसने का कोई मौका ना छोड़ते हों, पर उन्हें सरकारी सुविधाएँ लेने से किसी तरह की शर्म तक नहीं होती। वे सुविधाभोगी क्रांतिकारी के रूप में सामने आ रहे हैं। उनसे किसी तरह के बलिदान की उम्मीद बेमानी होगी।

अंसारी साहब तो सारे देश के उपराष्ट्रपति थे। जब मैं राज्यसभा में सदस्य था तो वे माननीय सभापति भी थे। तो उनसे यह भी पूछा जाना चाहिए कि वे सिर्फ मुसलमानों की ही बातें क्यों करते हैं। उन्होंने कब किसी दलित, पिछड़े, आदिवासी और समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े इंसान के बारे में भी कोई चिंता जताई? याद तो नहीं आता। वे सबके लिए क्यों नहीं खड़े होते। वे सिर्फ और सिर्फ मुसलमानों से ही मतलब रखते हैं। समझ नहीं आता कि वे असदुद्दीन ओवैसी, आजम खान या फारूक अब्दुल्ला क्यों बनना चाहते हैं? अंसारी साहब से पूछिए कि क्या उन्होंने कभी वक्फ बोर्ड में फैली करप्शन के खिलाफ भी आवाज उठाई? देश के उपराष्ट्रपति पद पर रहते हुए वे यह सब कर सकते थे। वे तब पूरी तरह शांत रहे। वे मुसलमानों में ट्रिपल तलाक की भयानक परंपरा पर भी चुप रहे थे। वे कभी पसमांदा मुसलमानों के हक में भी नहीं बोले।

सब जानते हैं कि मुसलमान अशराफ, अजलाफ और अरजाल श्रेणियों में बंटा है। शेख, सैयद, मुगल और पठान अशराफ कहे जाते हैं। अशराफ का मतलब है, जो अफगान-अरब मूल के या हिन्दुओं की अगड़ी जातियों से धर्मांतरित मुसलमान कहे जाते हैं। अजलाफ पेशेवर जातियों से धर्मांतरित मुसलमानों का वर्ग है। एक तीसरा वर्ग उन मुसलमानों का है, जिनके साथ शेष मुसलमान भी संबंध नहीं रखते। इन्हें ही पसमांदा मुसलमान कहते हैं। हालांकि इस्लाम में जाति का विचार नहीं है। इस्लाम जाति के कोढ़ को ललकारता है। इसके बावजूद सारा मुसलमान समाज जाति के दलदल में फंसा है। मुसलमानों में अलग-अलग जातियों के अपने कब्रिस्तान तक हैं। दिल्ली में पंजाबी मुसलमानों के कब्रिस्तान में गैर-पंजाबी मुसलमानों का प्रवेश निषेध है। शिया और सुन्नियों के तो अपने अलग-अलग कब्रिस्तान होते ही हैं। क्यों इन सबके खिलाफ अंसारी साहब आवाज बुलंद नहीं करते? वे कब तक इन सवालों के जवाब देने से बचेंगे। उनसे सवाल तो पूछे ही जाएंगे। अंसारी साहब भारत के उन मुसलमानों की नुमाइंदगी करते हैं जिन्होंने सिर्फ मौज काटी है। ये सिर्फ हकों की बातें करते हैं। इन्हें कर्तव्यों को याद दिलाते ही पसीना आने लगता है।

वैसे, वे गाजीपुर के उसी मुसलमान रईस परिवार से आते हैं जिनसे कुख्यात मुख्तार अंसारी आते हैं। अब आप इनकी रईसी को समझ सकते हैं। ये खाए-पिए-अघाए मुसलमान हैं। इन्होंने कभी दरभंगा के छोटे किसान की, दिल्ली में पंक्चर लगाने वाले की या बिहारशरीफ की किसी मस्जिद में कुछ सौ रुपयों में काम करने वाले मुसलमानों की आय बढ़ाने की चिंता नहीं की। अंसारी साहब और सलमान खुर्शीद साहब तो शेरवानी पहनकर इंडिया इंटरनेशनल सेंटर के किसी सेमिनार भर में जा सकते हैं।

अंसारी और सलमान खुर्शीद एक सिक्के के दो पहलू हैं। आपको याद ही होगा कि सलमान खुर्शीद ने भी हाल ही में हिन्दुत्व की तुलना आतंकवादी संगठन आईएसआईएस व बोको हरम से कर डाली थी। सलमान खुर्शीद ने ही 10 फरवरी 2012 को उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में कांग्रेस की रैली को संबोधित करते हुए कहा था ÷मैंने जब बटला हाउस एनकाउंटर की तस्वीरें सोनिया गाँधी को दिखाई तब उनकी आँखों से आंसू गिरने लग गये और उन्होंने मुझे प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी से बात करने की सलाह दी थी।÷ उन्होंने मोहन चंद्र शर्मा जैसे जांबाज पुलिस अफसर की शहादत का मखौल उड़ाया था। उस अफसर का जिसने देश के दुश्मनों से लड़ते हुए अपनी जान दे दी थी।

खैर, सारा देश देखता है कि कौन क्या कह रहा है। अंसारी की तरह सलमान खुर्शीद ने भी कभी पसमांदा मुसलमानों के मसलों को उठाने की जहमत नहीं दिखाई। इन जैसों को देश ने सबकुछ दिया पर ये नाखुश ही रहे। अंसारी साहब को कभी आईने के सामने खड़े होकर खुद से सवाल पूछना चाहिये कि आपने इस देश को क्या दिया। हो सकता है तब उन्हें अपने किए पर थोड़ी सी शर्म आ जाए। उन्हें कभी यह सोचना चाहिए कि जब सारा देश एपीजे अब्दुल कलाम को अपना नायक मानता है तो उन्हें कोई क्यों नहीं टेक भर का भी सम्मान देता। भारत को कलाम साहब जैसे नायकों की आवश्यकता है। अंसारी और सलमान खुर्शीद जैसे नेता तो सैकड़ों में आते-जाते रहेंगे। इतिहास ऐसे स्वार्थी, मतलबी और कायरों को याद नहीं करेगा।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

नफ़रती बयानबाज़ी पर ‘भ्रम की स्थिति’ स्पष्ट होनी चाहिये

तनवीर जाफ़री

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य इंद्रेश कुमार ने पिछले दिनों नफ़रती बयानबाज़ी करने वालों के सन्दर्भ में अपनी जो प्रतिक्रिया व्यक्त की पता नहीं कि वह संघ की ओर से जारी कराई गयी आधिकारिक प्रतिक्रिया थी या उनकी अपनी निजी राय। परन्तु इसमें कोई शक नहीं कि उनका बयान अत्यंत सकारात्मक,सराहनीय व प्रशंसनीय था। ग़ौरतलब है कि इंद्रेश कुमार ने गत तीन फ़रवरी को समाचार एजेंसी पीटीआई को दिए गये एक साक्षात्कार में उत्तराखंड के हरिद्वार में आयोजित कथित धर्म संसद तथा छत्तीसगढ़ के रायपुर में आयोजित इसी प्रकार के अन्य समागम में मुसलमानों के विरुद्ध की गई हिंसा फैलाने वाली भड़काऊ व उकसाऊ भाषणबाज़ी की निंदा करते हुये कहा कि -जो भी लोग भड़काऊ बयानबाज़ियां करते हैं उनके विरुद्ध सख़्त क़ानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। इससे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ना चाहिए कि वह कोई बड़ी शख़्सियत हैं या किसी राजनीतिक दल या समूह से संबंध रखते हैं। इंद्रेश कुमार ने राजनैतिक दलों और उनके नेताओं को नफ़रत फैलाने और समाज के एक वर्ग को दूसरे वर्ग के विरुद्ध खड़ा करने से बचने का आह्वान किया। इंद्रेश ने ऐसे विभाजनकारी बयान देने वालों को यह भी सलाह दी कि किसी भी समुदाय जाति अथवा समूह के ख़िलाफ़ भड़काऊ व विभाजनकारी टिपण्णी करने के बजाय उन्हें देश व देशवासियों के सर्वोत्तम हित में भाईचारे और विकास की राजनीति करनी चाहिये। इंद्रेश कुमार ने यह भी कहा कि हर प्रकार की नफ़रती बयानबाज़ी की निंदा की जानी चाहिए तथा इस प्रकार के मामलों में क़ानून के अनुसार सज़ा दी जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों को बांटने की कोशिश करने वाले ऐसे कृत्यों के कारण देश का माहौल ख़राब होता है।

यदि यह इंद्रेश कुमार का व्यक्तिगत बयान है तो उनके विचारों की भरपूर सराहना की जानी चाहिये। और यदि यह संघ की ओर से जारी किया या कराया गया बयान है तो इस बयान के बाद जो भ्रम की स्थितियां उत्पन्न हो रही हैं उन्हें भी स्पष्ट किया जाना ज़रूरी है । उदाहरणतयः सर्वप्रथम तो यह कि यदि हम संघ के मुस्लिम विरोध के दस्तावेज़ी सुबूत की बात करें तो वह हमें संघ के द्वितीय सर संघ चालक माधवराव सदाशिवराव गोलवरकर द्वारा लिखित व 1966 में प्रकाशित पुस्तक ‘बंच ऑफ़ थॉट्स’ के तीसरे संस्करण में मिल जाता है। इस पुस्तक में उन्होंने भारतीय ईसाइयों को ब्लडसकर अर्थात ख़ून चूसने वाला और मुसलमानों, ईसाइयों और कम्युनिस्टों को देश के लिए आंतरिक ख़तरा बताया है । इसी पुस्तक में वे यह भी स्वीकार करते हैं कि ‘उन्हें नाज़ी जर्मनी से प्रेरणा मिली है’। सवाल यह है कि भारतीय जनता पार्टी तथा उसके संरक्षक संगठन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का वैचारिक दृष्टिकोण ही जब समुदाय,समुह अथवा वर्ग विशेष के विरुद्ध नफ़रत पैदा करने व नफ़रत फैलाने वाला हो तो इससे संस्कारित व प्रशिक्षित नेता अथवा कार्यकर्ता स्वयं को नफ़रत फैलाने से भला कैसे दूर रख सकते हैं ? फिर चाहे वह संघ संस्कारित देश के प्रधानमंत्री हों गृह मंत्री किसी राय के मुख्यमंत्री या किसी भी छोटे बड़े संवैधानिक अथवा प्रशासनिक पदों पर बैठे लोग ?

इन दिनों उत्तर प्रदेश सहित कई रायों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। इसी सिलसिले में देश के गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों कैराना पलायन, राम मंदिर जैसे मुद्दों का दांव चला। देश के गृह मंत्री ने फ़रमाया कि - कैराना पलायन को याद करके मेरा तो ख़ून खौल उठता है। दूसरी ओर कैराना के अधिकांश लोगों का कहना है कि यहाँ दंगे फ़साद के कारण न कभी पलायन हुआ न ही यहाँ आपस में कोई मन मुटाव है। परन्तु जिस गृह मंत्री का फ़र्ज़ यह हो कि यदि कहीं किसी भी कारणवश किसी का ख़ून खौल भी रहा हो तो देशहित में उसे शांत करे। बजाये इसके वह स्वयं दशक पुरानी दुर्भाग्यपूर्ण सांप्रदायिक हिंसा की घटना की याद ताज़ा कराये और बहुसंख्य समाज को ऐसे बयानों से भड़काये तो इसे नफ़रती बयानबाज़ी नहीं तो और क्या कहा जाये ? आज तमाम नेता चुनावी वातावरण में महज़ सत्ता और चुनावी जीत के लिये धार्मिक ध्रुवीकरण कराने में लगे हैं। बिकाऊ गोदी मीडिया उनका साथ दे रहा है। मंत्री स्तर के लोग -गोली मारो सालों को जैसे नारे लगा व लगवा रहे हैं। और ऐसे लोगों को प्रोन्नति दी जा रही है ?

और इसी नफ़रती माहौल ने छोटे छोटे बचों के भविष्य को ऐसा बर्बाद कर दिया है कि वे अपने शिक्षा व तकनीकी योग्यता का इस्तेमाल अपना कैरियर बनाने व देश का भला करने में नहीं बल्कि धर्म विशेष की लड़कियों व महिलाओं की नीलामी करने वाली ऐप बनाने में कर रहे हैं। यह सब नफ़रती बयानबाज़ियों व टी वी के माध्यम से आम लोगों के ड्राइंग रूम में नफ़रत परोसने का ही परिणाम है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री साफ़ साफ़ कह रहे हैं कि यह चुनाव 80 फीसदी बनाम 20 फीसदी के बीच का चुनाव है। इसका क्या अर्थ है? कहा जा रहा है कि यदि विपक्षी सत्ता में आये तो वे राम मंदिर पर बुल्डोज़र चला देंगे। इससे बड़ी नफ़रत भरी बयानबाज़ी और क्या हो सकती है ? कौन है इन नफ़रती बयानबाज़ों के विरुद्ध कार्रवाई करने का साहस दिखाने वाला ?

बहरहाल नफ़रती बयानबाज़ी के उपरोक्त व इन जैसे तमाम उदाहरणों के बावजूद इंद्रेश कुमार का बयान स्वागत योग्य तो ज़रूर कहा जाना चाहिये।साथ साथ नफ़रती बयानबाज़ी पर भ्रम की यह स्थिति भी स्पष्ट होनी चाहिये कि नफ़रती बयानबाज़ी करने के लिये क्या कुछ उच स्तरीय नेताओं को पूरी छूट मिली हुई है। और यह भी कि नफ़रती बयानबाज़ी का पैमाना क्या हो और इसे किन के द्वारा और कैसे निर्धारित किया जाये ? परन्तु मैं इंद्रेश कुमार की बात से पूरी तरह सहमत हूँ कि किसी भी धर्म,जाति,वर्ग अथवा समूह को नफ़रत फैलाने वाली बयानबाज़ी क़तई नहीं करनी चाहिये। एक दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना चाहिये। जो भी ऐसे विभाजनकारी प्रयासों में लिप्त हो उसके विरुद्ध सख़्त क़ानूनी कार्रवाही की जानी चाहिये और जनता को भी चाहिये कि मात्र अपनी सत्ता की ख़ातिर समाज को बाँटने वाले ऐसे नेताओं को वोट देना तो दूर बल्कि उनका बहिष्कार करें।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

बैठक में राज्यपाल को फिर से नीट विरोधी विधेयक भेजने का संकल्प लिया

एजेंसी ■ चेन्नई

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को राज्यपाल आर एन रवि पर आरोप लगाया कि उन्होंने राज्य के नीट विरोधी विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए तुरंत केंद्र को भेजने का अपना संवैधानिक कर्तव्य नहीं निभाया। राज्य विधानसभा में प्रतिनिधित्व रखने वाले राजनीतिक दलों की बैठक में आज सर्वसम्मति से राज्य को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के दायरे से छूट देने के वास्ते राष्ट्रपति की सहमति के लिए एक विधेयक फिर से राज्यपाल को भेजने का संकल्प लिया गया।

सचिवालय में मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की अध्यक्षता में हुई बैठक में विधानसभा की विशेष बैठक बुलाने और विधेयक को फिर से स्वीकार किए जाने तथा राष्ट्रपति की सहमति प्राप्त करने के वास्ते इसे राज्यपाल को भेजने के लिए संकल्प पारित किया गया।

मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक ने हालांकि बैठक में हिस्सा नहीं लिया और तमिलनाडु में परीक्षा को रद्द करने के उद्देश्य से सभी कानूनी पहलों को अपना समर्थन देने की घोषणा की।

भारतीय जनता पार्टी भी बैठक में शामिल नहीं हुई। स्टालिन ने अपने संबोधन में कहा कि राज्यपाल को विधेयक को सहमति के लिए तत्काल राष्ट्रपति के पास भेजना चाहिए था, हालांकि उन्होंने अपना संवैधानिक कर्तव्य नहीं निभाया। उन्होंने कहा कि इसलिए वह 27 नवंबर, 2021 को रवि से मिलने गए थे और उनसे केंद्र को विधेयक भेजने का आग्रह किया था।

राज्यपाल ने एक फरवरी को सदन के पुनर्विचार के लिए विधेयक को विधानसभा अध्यक्ष एम अप्पावु को वापस भेज दिया था। इसे 13 सितंबर, 2021 को विधानसभा में पारित किया गया था। इसके बाद, स्टालिन ने भविष्य की कार्वाई के बारे में चर्चा करने के लिए विधानसभा में सभी दलों की बैठक की घोषणा की थी।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा

पाकिस्तान की ओर से किए जा रहे नए प्रयोगों से भारत डरने वाला नहीं

एजेंसी ■ जम्मू

पाकिस्तान में शनिवार को मनाए गए कश्मीर एकजुटता दिवस के आलोक में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि दुनिया भर में समर्थन हासिल करने के लिए टूलकिट तैयार कर हमारे शत्रुतापूर्ण पड़ोसी द्वारा किए जा रहे नए प्रयोग से भारत भयभीत होने वाला नहीं है।

सिंह ने कहा कि अगर पाकिस्तान और भारत के बीच कोई मुद्दा लंबित है तो वह जम्मू-कश्मीर का वह हिस्सा है जो पड़ोसी देश के अवैध कब्जे में है।

यहां भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री ने कहा कि इसमें (पाकिस्तान कश्मीर एकजुटता दिवस मना रहा है) परेशान होने की कोई बात नहीं है।

उन्होंने कहा, हम (किसी भी चुनौती से निपटने के लिए) पूरी तरह तैयार हैं। वह 1990 से पाकिस्तान में पांच फरवरी को मनाए जा रहे कश्मीर एकजुटता दिवस और इस साल पाक द्वारा कश्मीर नीति पर समर्थन हासिल करने के लिए दुनिया भर के विभिन्न दूतावासों को कथित तौर पर भेजे गए टूलकिट के बारे में एक सवाल का जवाब दे रहे थे।

सिंह ने कहा, 1947 में विभाजन की मध्यरात्रि से, पाकिस्तान इस तथ्य को अब तक स्वीकार नहीं सका है कि जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है और इसलिए वह सभी तरह के हथकंडे अपना रहा है।

उन्होंने तीन युद्धों की कोशिश की और (वह) घुसपैठ की कोशिश कर रहे हैं और हमले कर रहे हैं। मंत्री ने कहा, अब वे आधुनिक टूलकिट और उपलब्ध नई तकनीक का उपयोग कर रहे हैं। लेकिन भारत एक राष्ट्र और एक राज्य के रूप में बहुत अधिक प्रतिक्रियाशील और गतिशील है, जिसे हमारे शत्रुतापूर्ण पड़ोसी द्वारा किए जा रहे इन सभी नए प्रयोगों से भयभीत होने की जरूरत नहीं है।

उन्होंने कहा कि 1994 में भारत की संसद ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया गया था। इसमें कहा गया था कि यदि भारत और पाकिस्तान के बीच कोई मुद्दा लंबित है तो वह जम्मू और कश्मीर के उस हिस्से को पुनः प्राप्त करने का है जो 75 साल बाद भी पाकिस्तान के अवैध कब्जे में है। उन्होंने कहा कि और उस वक्त भाजपा सत्ता में नहीं थी। परिसीमन आयोग के दूसरे मसौदे के प्रस्ताव को नेशनल कांफ्रेंस द्वारा खारिज करने के सवाल पर सिंह ने कहा कि जो कोई भी पैनल के कामकाज पर सवाल उठाता है, उसने या तो उन मापदंडों का पर्याप्त अध्ययन नहीं किया है जिसके आधार पर वह काम करता है अथवा उसकी अपनी कोई मंशा है।

जम्मू-कश्मीर की उधमपुर लोकसभा सीट से सांसद सिंह, जम्मू संसदीय क्षेत्र के पार्टी सहयोगी जुगल किशोर के अलावा नेकां के तीन सांसद फारूक अब्दुल्ला, हसनैन मसूदी और मोहम्मद अकबर लोन आयोग के सहयोगी सदस्य हैं। उन्होंने कहा, कोई व्यक्ति क्या कहता है उस पर प्रतिक्रिया देने के लिए मैं यहां नहीं आया हूं।

जहां तक भाजपा का सवाल है, हम भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा गठित परिसीमन आयोग की वैधता और अखंडता पर भरोसा करते हैं जो एक संवैधानिक निकाय है।

साबरमती-भगत की कोठी एक्सप्रेस ट्रेन सेवाओं का जोधपुर तक विस्तार

एजेंसी ■ अहमदाबाद

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की मांग एवं सुविधा के लिए साबरमती और भगत की कोठी के बीच संचालित ट्रेन संख्या 14820/14819 और ट्रेन संख्या 14804/14803 साबरमती-भगत की कोठी-साबरमती एक्सप्रेस 02 ट्रेन सेवाओं का विस्तार जोधपुर तक किया जा रहा है। मण्डल रेल प्रवक्ता अहमदाबाद के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है :- ट्रेन संख्या 14820, साबरमती-भगत की कोठी एक्सप्रेस ट्रेन दिनांक 07.02.2022 से ट्रेन संख्या 14820, साबरमती-जोधपुर एक्सप्रेस के रूप में संचालित होगी, यह ट्रेन साबरमती से प्रतिदिन 07.45 बजे रवाना होकर भगत की कोठी स्टेशन पर 15.26 बजे आगमन एवं 15.28 बजे प्रस्थान कर 15.50 बजे जोधपुर पहुंचेगी करेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 14819, भगत की कोठी-साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन दिनांक 07.02.2022 से ट्रेन संख्या 14819, जोधपुर-साबरमती एक्सप्रेस के रूप में संचालित होगी, यह ट्रेन जोधपुर से प्रतिदिन 11.15 बजे रवाना होकर भगत की कोठी स्टेशन पर 11.23 बजे आगमन एवं 11.25 बजे प्रस्थान कर 20.05 बजे साबरमती पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 14804, साबरमती-भगत की कोठी सुपरफास्ट ट्रेन दिनांक 06.02.2022 से ट्रेन संख्या 14804, साबरमती-जोधपुर सुपरफास्ट के रूप में संचालित होगी, यह ट्रेन साबरमती से प्रतिदिन 21.50 बजे रवाना होकर भगत की कोठी स्टेशन पर 05.33 बजे आगमन एवं 05.35 बजे प्रस्थान कर 06.05 बजे जोधपुर पहुंचेगी करेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 14803, भगत की कोठी-साबरमती सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन दिनांक 07.02.2022 से ट्रेन संख्या 14803, जोधपुर-साबरमती सुपरफास्ट के रूप में संचालित होगी, यह ट्रेन जोधपुर से प्रतिदिन 21.20 बजे रवाना होकर भगत की कोठी स्टेशन पर 21.28 बजे आगमन एवं 21.30 बजे प्रस्थान कर साबरमती 05.30 बजे साबरमती पंहुचेगी।

असम में सड़क हादसे में तीन की मौत, छह घायल

गुवाहाटी। असम के शोणितपुर और नलबाड़ी जिले में शनिवार को हुई दो अलग-अलग सड़क दुर्घटना में तीन लोगों को मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि तेजपुर थाना क्षेत्र के भोजखोवा में दो कारों की आमने-सामने की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक व्यक्ति की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई, जबकि दूसरे की मौत इलाज के दौरान हुई। मृतकों की पहचान मंटू मेधी और हेमंत दास के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया कि चार घायलों का इलाज तेजपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है। नलबाड़ी जिले के मुकलमुआ में हुए एक अन्य सड़क हादसे में कॉलेज छात्र की मोटरसाइकिल को एक डंपर ने टक्कर मार दी। इससे छात्र की मौके पर ही मौत हो गई।

मुंबई में ट्रैफिक जाम तोड़ रहा शादियां : अमृता

एजेंसी ■ मुंबई

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने दावा किया है कि ट्रैफिक जाम लोगों के लिए परिवार के वास्ते समय निकालने में बाधा उत्पन्न कर रहा है और मुंबई में यह तीन फीसदी तलाक का कारण बन रहा है। वहीं, बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) में सत्तारूढ़ शिवसेना ने इस टिप्पणी का उपहास उड़ाया। अमृता फडणवीस ने शुक्रवार को स्थानीय भाजपा इकाई द्वारा आयोजित एक समारोह में भाग लेने के बाद यह टिप्पणी की। पत्रकारों ने उनसे शहर में सड़कों की स्थिति के बारे में पूछा था। उन्होंने कहा, ... मैं यह एक आम नागरिक के रूप में कह रही हूं, क्योंकि मैं रोजाना गड्ढे और ट्रैफिक जाम देखती हूं। क्या आप जानते हैं कि मुंबई में इसकी वजह से कितने तलाक हो रहे हैं? तीन प्रतिशत। पेशे से बैंकर फडणवीस ने कहा, यातायात की समस्या के कारण लोग अपने परिवार के लिए समय नहीं निकाल पाते हैं।

टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शिवसेना की राज्यसभा सदस्य प्रियंका चतुर्वेदी ने ट्वीट किया, दिन के सबसे खराब तर्क का पुरस्कार उस महिला को जाता है जो दावा करती हैं कि तीन प्रतिशत मुंबईवासी सड़कों पर जाम के कारण तलाक दे रहे हैं। चतुर्वेदी ने कहा, बेंगलुरु के परिवार कृपया इसे पढ़ने से बचें, यह आपकी शादियों के लिए घातक साबित हो सकता है। मुंबई की महापौर किशोरी पेडनेकर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से जुड़े लोग इस तरह की टिप्पणियां कर रहे हैं। उन्होंने कहा, लोग इस तरह की टिप्पणियों से तंग आ चुके हैं।

धमकी देने के मामले में पति गिरफ्तार, महिला विधायक ने लौटाई सुरक्षा

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में पुलिस ने कांग्रेस विधायक छन्नी साहू के पति को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना से नाराज विधायक ने अपनी सुरक्षा लौटा दी है। राजनांदगांव जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश बढ़ई ने शनिवार को यहां बताया कि पुलिस ने खुज्जी क्षेत्र की कांग्रेस विधायक छन्नी साहू के पति चंदू साहू को गिरफ्तार कर लिया है। बढ़ई ने बताया कि आठ दिसंबर 2021 को वाहन चालक बीरसिंग उइके ने साहू के खिलाफ गाली-गलौच करने और धमकी देने की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि साहू आज दोपहर बाद अपनी गिरफ्तारी देने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे थे। बाद में पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

अहमदाबाद स्टेशन पर यात्रियों लिए चार एस्केलेटर का लोकार्पण

एजेंसी ■ अहमदाबाद

सांसद अहमदाबाद पश्चिम, डॉ. किरीट पी. सोलंकी एवं महापौर अहमदाबाद किरीट परमार ने आज अहमदाबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 2/3 एवं 4/5 पर रेल यात्रियों लिए चार एस्केलेटर का लोकार्पण किया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मंडल रेल प्रबंधक तरुण जैन ने सांसद डॉ. किरीट पी. सोलंकी एवं महापौर किरीट परमार का प्लांट देकर स्वागत किया। सांसद डॉ. किरीट सोलंकी ने मीडिया से बातचीत के दौरान बताया की अहमदाबाद रेलवे स्टेशन एक अग्रणी स्टेशन है। जिसके प्लेटफॉर्म संख्या 2/3 एवं 4/5 पर 2.88 करोड़ रु. की लागत से चार एस्केलेटर लगाये गए है। जिसका उपयोग 6000 यात्री प्रति घंटे कर सकेंगे। खासकर दिव्यांग एवं वृद्धजनों के लिए अहम उपयोगी रहेंगे। रेल सुविधाएं बढ़ाने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक रवीद्र श्रीवास्तव,वरिष्ठ मण्डल इलैक्ट्रिक इंजीनियर कुमार संभव पोरवाल,मण्डल इलैक्ट्रिक इंजीनियर रजनी यादव सहित अन्य रेल अधिकारी, कर्मचारी तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मिडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कला

सरस्वती पूजा के अवसर पर पुरी में सागर तट पर रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक द्वारा बनाई गई माता सरस्वती की रेत की सुंदर मूर्ति ।

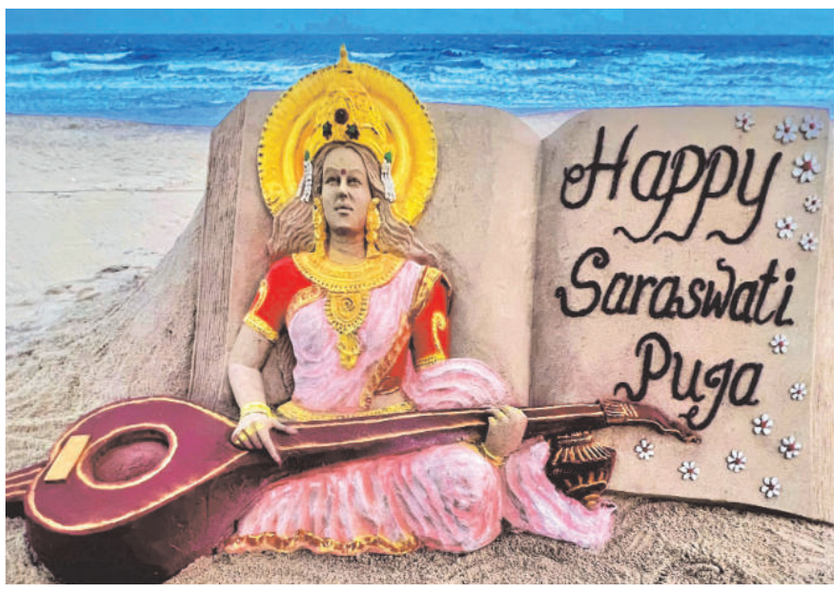

माली में फंसे झारखंड के 33 श्रमिकों में से सात श्रमिकों की हुई घर वापसी

■ रांची

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के आदेश के बाद वेस्ट अफ्रीका के माली में फंसे गिरिडीह और हजारीबाग के 33 श्रमिकों में से सात श्रमिक दिलीप कुमार, छेदीलाल महतो, संतोष महतो, लालमणि महतो, इन्द्रदेव ठाकुर, लोकनाथ महतो और इन्द्रदेव प्रसाद की झारखण्ड वापसी हो गई। श्रमिकों के दूसरे समूह की रविवार को माली से रवाना होने की संभावना है। जनवरी 2022 में सोशल मीडिया के माध्यम से श्रमिकों ने अपनी स्थिति से मुख्यमंत्री और श्रम मंत्री को अवगत कराया गया। मुख्यमंत्री को बताया गया कि वे सभी वर्ष 2021 से कल्पतरु पावर ट्रैन्ज़्मशन लिमिटेड में फिटर के रूप में कार्यरत हैं। ठेकेदार ने उनका पासपोर्ट जब्त कर रखा है और वह भारत वापस आ चुका है। तीन महीने से ज्यादा हो गया है, लेकिन उन्हें वेतन नहीं दिया गया एवं उनके पास दो दिन का खाना ही बचा था। मामले पर संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष को श्रमिकों की सुरक्षित वापसी का आदेश दिया। इसके बाद राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष द्वारा कंपनी के कंट्री हेड एवं मेनेजर से संपर्क कर उन्हें श्रमिकों की समस्या से अवगत कराते हुए उनके खाने की उचित व्यवस्था और वेतन का भुगतान करने को कहा गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए माली स्थित भारतीय दूतावास से संपर्क कर घटना से अवगत कराया गया। दूतावास द्वारा कंपनी, ठेकेदार एवं श्रमिकों के प्रतिनिधियों को दूतावास कार्यालय बातचीत के लिए बुलाया गया। इसके बाद तीनों पक्ष के प्रतिनिधि द्वारा दूतावास कार्यालय में समझौता पत्र में हस्ताक्षर किया गया और श्रमिकों की वापसी सुनिश्चित हुई।

बारामूला में मादक पदार्थ एवं आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़

एजेंसी ■ श्रीनगर

जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले में शनिवार को मादक पदार्थ-आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया गया और दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से 18 करोड़ रुपए के प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किए गए। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि बसग्रान की ओर दाची से पुलिस का एक दल इलाके में गश्त कर रहा था तभी उसने दाची की ओर जाने वाली सड़क पर दो वाहनों को संदिग्ध स्थिति में देखा। उन्होंने बताया कि पुलिस वाहनों की ओर गई और उन्हें देखने के बाद वाहनों के चालकों ने भागने की कोशिश की। हालांकि, दोनों लोगों उरी में जब्दा कमालकोट तहसील के निवासी मोहम्मद सबीर बरखाल और सोपोर के रेबान राफियाबाद के परवेज अहमद तांत्रे को पकड़ लिया गया। उन्होंने कहा, दोनों वाहनों की तलाशी ली गई और एक वाहन से हेरोइन के तीन और अन्य वाहन से पांच पैकेट बरामद किए गए। कुल मिलाकर करीब नौ किलोग्राम वजन के प्रतिबंधित पदार्थ के आठ पैकेट बरामद किए गए। काला बाजार में प्रतिबंधित पदार्थ की कीमत करीब 18 करोड़ रुपए है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार लोगों की तलाशी के दौरान बरखाल के पास से मोबाइल फोन, पांच लाख रुपए का एक चेक और एक आधार कार्ड भी बरामद किया गया जबकि तांत्रे के पास से 9,79,500 रुपए के सात चेक, दो ब्लैंक चेक, एक आधार कार्ड तथा अन्य दस्तावेज बरामद किए गए।अधिकारी ने बताया कि कानून की संबंधित धाराओं के तहत एक मामला दर्ज किया गया है ।

सुविधा बिहार की वाणिज्यिक गतिविधियों को मिलेगी नई ताकतः तारकिशोर प्रसाद

पटना से गुवाहाटी की जलमार्ग संपर्क हुआ स्थापित

■ पटना

पटना के गायघाट से जल परिवहन के इतिहास में आज एक नई स्वर्णिम कड़ी जुड़ गयी है।पटना से पांडु (गुवाहाटी) की जलमार्ग संपर्कता स्थापित हो गयी है। इससे बिहार के वाणिज्यिक एवं व्यापारिक गतिविधियों को नई ताकत मिलेगी। उक्त बातें बिहार के उपमुख्यमंत्री श्री तारकिशोर प्रसाद ने भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के तत्वावधान में गायघाट टर्मिनल पर आयोजितपटना से पांडु तक जहाज पर अनाज की पायलट रुप से आवाजाही के लोकार्पण मौके पर कहीं। इस अवसर पर कालूघाट (सारण) टर्मिनल की आधारशिला भी रखी गई। उन्होंने कहा कि आज के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के माध्यम से पटना (बिहार) से पांडु (गुवाहाटी) तक माल ढुलाई का वैकल्पिक मार्ग प्राप्त हुआ है, जिसका सबसे बड़ा फायदा बिहार को मिलेगा। उन्होंने कहा कि नदी परिवहन और जल मार्ग से यात्रा हमारे देश की प्राचीन परंपरा रही है। बिहार में सालों भर पानी रहने वाली नदियों की भरमार है। जल संपदा हमारी विरासत है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को धरातल पर उतारने हेतु भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण जल मार्गों के विकास की दिशा में बेहतर काम कर रहा है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन में देश के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए गए हैं। प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के माध्यम से सात इंजन के द्वारा आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ीकरण की दिशा में अनूठी पहल की जा रही है, जिसमें रोडवेज, रेलवेज, एयरवेज, सूचना प्रौद्योगिकी, सामाजिक अधिसंरचना के साथ जलमार्ग भी शामिल है। उन्होंने कहा कि जलमार्ग के द्वारा माल ढुलाई रेलवे और सड़क मार्ग की अपेक्षा सस्ती होती है एवं पर्यावरण की दृष्टि से भी अनुकूल है। इस नवीनतम अंतर्देशीय जल परिवहन आवाजाही का उद्देश्य कच्चे माल और तैयार माल के परिवहन के लिये एक वैकल्पिक मार्ग खोलने के द्वारा उत्तर पूर्व क्षेत्र के औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि पटना से पांडु (गुवाहाटी) तक इस अंतर्देशीय जल परिवहन मार्ग पर आवाजाही से इन विविध जलमार्गों का उपयोग करके आई.डब्ल्यू.टी. मोड की तकनीकी और वाणिज्यिक व्यवहार्यता स्थापित होगी। उन्होंने कहा कि जहाजरानी मंत्रालय की ओर से जल मार्गों के विकास के लिए उठाए जा रहे कदम से बिहार की अर्थव्यवस्था एवं व्यापारिक गतिविधियों को नई ताकत मिलेगी और रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। गौरतलब है कि इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों द्वारा एम.वी. लाल बहादुर शास्त्री जहाज से एफ.सी.आई. का चावल लेकर पटना से पांडु पोर्ट के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर जलमार्ग विकास परियोजना के तहत सारण जिले के कालू घाट में एक इंटर मॉडल टर्मिनल के निर्माण की आधारशिला भी रखी गई।

विलुप्त होते औषधीय पौधो को नया जीवन दे रही औषधीय वाटिका

■ रांची

खूंटी के बिरहु बड़का टोली की अनिता सांगा ने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि तुलसी , गिलोय , चिरोंजी, सतावर, घोडवार आदि औषधीय पौधों की नर्सरी उनकी आजीविका का साधन बन सकता है। नवीन आजीविका किसान उत्पादक समूह की सदस्य अनिता सांगा आज 50 से अधिक औषधीय पौधों की खेती कर कर रही हैं । पहले सिर्फ वनोपज आधारित आजीविका पर निर्भर अनिता सखी मंडल की महिलाओं के साथ मिल कर औषधीय पौधों और फलों की नर्सरी कर अच्छी आमदनी कर रही रही हैं। अनिता की नर्सरी के पौधे आज औषधीय वाटिका से जुड़ी सखी मंडल के दीदियों की इम्युनिटी बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। झारखण्ड स्टेट लाईवलीहुड प्रमोशन सोसाईटी के तहत औषधीय एवं सुगंधित पौधो की खेती की पहल से जुड़कर अनिता जैसी कई महिलाएं औषधीय पौध नर्सरी का संचालन कर रहीं हैं। वहीं हजारों महिलाएं अपने घरों में औषधीय वाटिका बनाकर अपने परिवार को स्वस्थ जीवन का उपहार दे रही हैं। इस पहल से एक ओर जहां ग्रामीण महिलाओं को औषधीय पौधे सस्ते दर पर नर्सरी के माध्यम से उपलब्ध हो रहे हैं, वहीं राज्य की जनजातीय चिकित्सा पद्धति होड़ोपैथी को पुनर्जीवित कर लोगों को प्राकृतिक उत्पादों के जरिए रोग प्रतिरोधक क्षमता बढाने में वरदान साबित हो रहा है। औषधीय वाटिका का लक्ष्य सखी मंडल की दीदियों के जरिए पुरातन प्राकृतिक उपायों से रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाना एवं रोग निवारक उपायों को बढ़ावा देना है। इससे एक ओर जहां नेचुरोपैथी एवं होड़ोपैथी को पुनर्जीवित किया जा रहा है, वहीं गांव की महिलाएं आमदनी भी कर रही हैं। हज़ारीबाग जिले के दारु प्रखंड अंतर्गत पेटो गांव की आशा देवी पिछले डेढ़ साल से औषधीय वाटिका परियोजना से जुड़ कर न सिर्फ कोरोना के कठिन समय में कारगर तुलसी , गिलोय, हरसिंगार सहित 30 से ज्यादा औषधीय पौधों की खेती कर अपने परिवार और आसपास के लोगो की मदद की, बल्कि इन औषधीय पौधों की बिक्री के जरिए कुछ आमदनी भी कर लेती हैं।

दंगल टीवी के हिट शो 'रंग जाऊं तेरे रंग में' में मुंह दिखाई की रस्म के दौरान धानी की आंखों में आए आंसू

दंगल टीवी का सबसे कम समय मे सबसे तेजी से लोकप्रियता की सीढ़ी चढ़ने वाला शो रंग जाऊं तेरे रंग में दर्शकों की बेपनाह मोहब्बत हासिल कर रहा है। दृष्टि की जगह जबसे ध्रुव से धानी की शादी हुई है, सीरियल में ड्रामों की लाइन लगी हुई है। धानी की मुंह दिखाई की रस्म के दौरान भी काफी ट्विस्ट और ड्रामा होने वाला है।

धानी ने कहा कि न चाहते हुए भी आख़िरकार धानी की एंट्री पाण्डेय परिवार में हो चुकी है। हाई वोल्टेज ड्रामा स्टार्ट हो गया है। धानी काफी डरी हुई है, अचानक उसकी जिंदगी ने जो मोड़ लिया है तो वह कन्फ्यूज है कि आगे उसका क्या होने वाला है। लेकिन काशीनाथ पाण्डेय अंकल से उसे हिम्मत मिलती है अब वह उन्हें पापा बुलाती है और बाप बेटी जैसा रिश्ता बन गया है। धानी एक बात स्पष्ट रूप से जानती है कि अब वह घर वापस नहीं जा सकती क्योंकि शादी हो चुकी है और घरवालों की इज्जत का भी सवाल है।

धानी ने आगे कहा कि मुझे बहुत खुशी हो रही है कि अब हमारा शो यूट्यूब पर भी मौजूद है। बहुत से दर्शक एपिसोड मिस कर देते हैं या जिन्होंने अब देखना शुरू किया है, वह पिछले सारे एपिसोड भी देख सकेंगे। हमारे फैन्स विदेशों में भी हैं, सोशल मीडिया पर उनके मैसेज आते रहते हैं अब वह भी यूट्यूब पर हमारा सीरियल एन्जॉय कर सकेंगे।

ध्रुव की मम्मी रूपा पाण्डेय ने कहा कि इस घर में दृष्टि आने वाली थी लेकिन अब धानी आ गई है और उसे कोई पसन्द नही करता। अब मैं रुपा पाण्डेय और बुआ मिलकर क्या करेंगी देखना होगा। उसकी मुंह दिखाई की रस्म में हम कुछ ऐसा करने वाले हैं कि वह दुनिया को मुंह नहीं दिखा पाएगी। दर्शकों के लिए यह बेहद दिलचस्प तड़का होगा किचेन पॉलिटिक्स में क्या हम जीतते हैं या धानी जीतेगी यह देखना इंटरेस्टिंग होगा। यह शो ऐसा है जिससे हर कोई खुद को जोड़ सकेगा। यह पारिवारिक धारावाहिक ऐसा है कि आपको एक पल के लिए भी पलक झपकने नहीं देगा। अब यह शो दंगल टीवी के यूट्यूब चैनल पर भी मौजूद है। कुछ चीजें बार बार देखने का मन करता है तो इसे आप यूट्यूब पर दोबारा भी देख सकते हैं। ध्रुव की मां ने आगे कहा कि जैसी बहु हमें नही चाहिए थी, वैसी बहु धानी हमारे घर पर आ गई है। अब हम उसकी मुंह दिखाई के मौके पर उसे तंग करने की योजना बना रहे हैं। हम उसे इतना परेशान करने वाले हैं ताकि वह घर छोड़ कर चली जाए।

बुआ मीणा मीर ने कहा कि हम यही चाहते हैं कि धानी हमारा घर छोड़कर चली जाए, हमे उसकी बहन सृष्टि पसन्द थी। आम तौर पर सास सख्त होती है और बहू बातें सुन लेती है मगर धानी अपने लिए खड़ी होती है। मुंह दिखाई

की रस्म में बहु को प्यार से शगुन दिया जाता है मगर यहां उससे कहा जा रहा है कि वह झाड़ू देकर दिखाए, उसको ताने सुनाए जा रहे हैं, इसकी वजह से उसकी आँखों मे आंसू आ जाते हैं।

ध्रुव के भाई अभिषेक ने कहा कि धानी की मुंह दिखाई की रस्म के दौरान भी काफी बड़ा ड्रामा होने वाला है। धानी किसी को पसन्द नही है, सभी उससे चिढ़ते थे और वही ध्रुव की पत्नी बनकर पाण्डेय परिवार में आ गई है। सिर्फ मैं और मेरे पिताजी काशीनाथ पाण्डेय ही किसी न किसी तरह धानी का सपोर्ट कर रहे हैं। अब यह शो टीवी के साथ साथ डिजिटल रूप में भी मौजूद है।

फिल्म बधाई दो के जरिये दो बहुत अच्छे दोस्त मिले : राजकुमार राव

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव का कहना है कि फिल्म बधाई दो के जरिये उन्हें दो बहुत अच्छे दोस्त मिले हैं। हर्षवर्धन कुलकर्णी निर्देशित फिल्म बधाई दो में राजकुमार राव और भूमि पेडनेकर की मुख्य भूमिका है। फिल्म की कहानी गे लड़का (राजकुमार राव) और एक लेस्बियन लड़की (भूमि पेडनेकर) के बारे में है। राजकुमार राव ने कहा, फिल्म बधाई दो के जरिये मुझे दो बहुत अच्छे दोस्त मिले। ऐसा होता हैं की आप जब किसी प्रोजेक्ट के साथ जुड़ते हैं तो उसकी शूटिंग पूरी होने के बाद हर कोई अपने-अपने रास्ते निकल जाते हैं। लेकिन इस फिल्म के साथ ऐसा बिल्कुल नहीं हुआ। हर्षवर्धन, भूमि पेडनेकर इनके साथ मेरी जिदगी भर के लिए दोस्ती बन गई हैं। हमारा रिश्ता सिर्फ एक फिल्म तक ही नहीं बल्कि जिंदगी भर के लिए बन गया है। इस फिल्म के जरिए मुझे दो बहुत अच्छे दोस्त मिले हैं।

गौरतलब है कि फिल्म बधाई दो में राजकुमार और भूमि के अलावा सीमा पाहवा, शीबा चड्ढा, लवलीन, नीतीश पांडे और शशि भूषण भी अहम किरदार में नजर आने वाली हैं। इस फैमिली कॉमेडी ड्रामा फिल्म को अक्षत घिल्डियाल और सुमन अधिकारी ने लिखा है। इस फिल्म का निर्माण जंगली पिक्चर्स के बैनर तले किया गया है। यह फिल्म 11 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सयानी गुप्ता ने होमटाउन कोलकाता में की हैशटैग होमकमिंग की शूटिंग

इनसाइड एज और फोर मोर शॉट्स प्लीज जैसी श्रृंखलाओं में अपनी भूमिकाओं के लिए लोकप्रिय अभिनेत्री सयानी गुप्ता अपने गृहनगर कोलकाता में अपनी पहली प्रमुख फीचर फिल्म की शूटिंग कर रही हैं।

सयानी कहती हैं कि कोलकाता मेरा घर है, यह वास्तव में दुनिया में मेरा पसंदीदा शहर है। अपना अधिकांश जीवन शहर में बिताने के बाद, यहां शूटिंग करने और काम के संबंध में अपनी जड़ों के करीब होने का अवसर मिलना पूरी तरह से एक बेहतरीन एहसास है।

तकनीकी रूप से यह मेरी पहली फिल्म है जिसमें में एक उचित भूमिका है, यह वास्तव में मजेदार लगा, जब आप अपनी भाषा के बारे में बात कर रहे हों या न केवल जब आप सभी के साथ सेट पर अभिनय कर रहे हों, यह बहुत आरामदायक था।

अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें बांग्ला संवाद बोलना पसंद है।

मैं वास्तव में थोड़ा नर्वस थी, क्योंकि मैं बांग्ला बोलती हूं, लोगों को यह नहीं सोचना चाहिए कि बांग्ला अलग है, जब आप बाहर रहते हैं तो थोड़ी सी ट्वींग आती है, मुझे नहीं लगता कि मेरे पास वह है। मैंने कभी बांग्ला संवाद नहीं किया है मेरे जीवन में जब से मैंने बांग्ला में बहुत अधिक थिएटर के साथ पेशेवर रूप से काम करना शुरू किया, तो बांग्ला में फिल्म करने में बहुत मजा आया।

यह काफी असली था, काफी सुंदर था और मुझे कोलकाता में शूटिंग करना पसंद है, क्योंकि यह बहुत मजेदार है, खाना बहुत अच्छा है और मुझे अपनी माँ को बहुत बार देखने को मिलता है। मैंने कोलकाता में कुछ परियोजनाओं की शूटिंग की है लेकिन हैशटैग होमकमिंग एक लंबा समय था और वहां शूटिंग करना एक अद्भुत अनुभव था।

हैशटैग होमकमिंग में तुषार पांडे, प्लाबिता बोरठाकुर और सोहम मजूमदार भी हैं।

सौम्यजीत मजूमदार द्वारा निर्देशित, लिखित और निर्मित, फिल्म का संगीत सोनी म्यूजिक के साथ रहेगा और यह जल्द ही सोनी लिव पर स्ट्रीम होगी।

चित्रा, मलयालम संगीत इंड्रस्ट्री ने लता जी के निधन पर शोक व्यक्त किया

केरल की कोकिला के.एस. चित्रा ने कहा कि लता मंगेशकर एक महान गायिका थीं, जिन्होंने अपने महान गीतों से संगीत को अमर कर दिया है। आज भारत ने अपनी आवाज खो दी है।

चित्रा ने कहा कि उनके 80 वें जन्मदिन के दौरान, मैंने उनके गीतों को प्रस्तुत करते हुए एक संगीत एल्बम गाया था और उन्हें भेजा था। उन्होंने इसे प्राप्त करने के बाद मुझे फोन किया था। बाद में मैं उनसे एक कार्यक्रम के दौरान मुंबई में मिली और उनके सामने उनका पसंदीदा गीत गाया।

दिग्गज मलयालम गायिका पी. जयचंद्रन ने कहा कि लता मंगेशकर संगीत की सर्वकालिक महान हस्तियों में से एक थीं और उनके जाने से संगीत की दुनिया और भी गरीब हो गई है। उन्होंने यह भी कहा कि लता मंगेशकर की आवाज अमर है। उन्होंने बताया कि उन्हें लताजी से मिलने और बातचीत करने का अवसर मिला था।

मलयालम की एक और महान गायिका पी. सुजाता ने कहा कि लता मंगेशकर ने अपनी सुंदर और मधुर आवाज से संगीत को एक अलग स्तर पर पहुँचाया था। उन्होंने कहा कि लताजी देवी सरस्वती की अवतार हैं और वह हमारी पीढ़ी के संगीतकारों के लिए आदर्श थी और आने वाली पीढ़ियों के लिए भी आदर्श होंगी। संगीत निर्देशक एम. जयचंद्रन ने कहा कि वह हर रात लताजी की आवाज सुनकर सोते थे। उन्होंने कहा कि वह लता मंगेशकर के निधन पर शोक व्यक्त करते हैं। उन्हें ऐसा लग रहा कि उनके परिवार में कोई दुनिया छोड़कर चला गया है। दिग्गज गीतकार श्रीकुमारन थम्पी ने कहा कि लता मंगेशकर संगीत की एक प्रतिमूर्ति थीं और उन्हें सही मायने में भारत की कोकिला का नाम दिया गया था।

जब लता मंगेशकर को जान से मारने की हुई थी कोशिश, कहा था- मुझे धीमा जहर दिया गया

अपने गानों से करोड़ों दिलों पर राज करने वाली स्वर कोकिला लता मंगेशकर के दुनियाभर में फैन्स हैं। रविवार को भारत रत्न से सम्मानित बॉलिवुड की इन सबसे सफल गायिका का निधन हो गया। लता मंगेशकर ने अपने करियर में कई यादगार गाने दिए हैं जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता है। कम ही लोगों को पता है कि एक बार इस स्वर साम्राज्ञी को धीमा जहर देकर मारने की कोशिश भी की गई थी।

इस बाद का खुलासा एक बार लता मंगेशकर ने खुद ही किया था कि उन्हें जहर दिया गया। एक इंटरव्यू में लता ने यह बात बताई थी कि उनके सिंगिंग करियर के सबसे सफल दौर में उन्हें धीमा जहर दिया गया था। लता को जहर देने की यह घटना साल 1963 में हुई थी। एक अखबार को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, हम लोग इस बारे में बात नहीं करते हैं लेकिन यह मेरी जिंदगी का एक भयानक दौर था। यह साल 1963 था जब मैं खुद को बहुत कमजोर महसूस करने लगी और अपने बिस्तर से भी नहीं उठ पाती थी। एक स्थिति ऐसी आ गई कि मैं खुद से हिल भी नहीं सकती थी।

लता मंगेशकर ने बताया कि जहर दिए जाने के कारण वह 3 महीने तक बिस्तर पर रही थीं। उन्होंने कहा, यह बात कन्फर्म हो गई थी मुझे धीमा जहर दिया गया था। डॉक्टर कपूर के इलाज और मेरी दृढ़ इच्छाशक्ति ने मुझे इस बुरे दौर से बाहर निकाला। लता के साथ जब यह घटना हुई थी तब वह 33 साल की थीं। एक दिन सुबह उठते ही उन्हें पेट में जबरदस्त दर्द हुआ। उनकी हालत ऐसी थी कि अपनी जगह से हिलने में भी उन्हें दिक्कत होने लगी। थोड़ी ही देर में लता को हरे रंग की उल्टियां होना शुरू हो गई और उनका शरीर कंपकंपाने लगा। तब पता चला कि लता को जहर दिया गया है।

लता मंगेशकर को किसने जहर दिया, उन्हें इस बात की जानकारी थी। कहा जाता है कि लता के बीमार पड़ने के बाद उनका कुक अचानक गायब हो गया।

रहमान ने ट्वीट के बाद लता जी को वीडियो पोस्ट कर दी श्रद्धांजलि

एआर, रहमान ने लता मंगेशकर के सम्मान में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक शानदार श्रद्धांजलि वीडियो पोस्ट किया है।

इससे पहले रहमान ने कोकिला के पास बैठे हुए अपनी एक तस्वीर पोस्ट की थी और ट्वीट किया था, प्यार, सम्मान और प्रार्थना।

वीडियो में रहमान ने म्यूजिक आइकन के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि लताजी सिर्फ एक गायिका नहीं है, केवल एक प्रतीक नहीं है। (वह है) मुझे लगता है कि आत्मा का एक हिस्सा है। भारत की चेतना, हिंदुस्तानी संगीत, हिंदी कविता, उर्दू कविता, बंगाली और कई अन्य भाषाओं में उन्होंने गाया है। यह खालीपन हम सभी के लिए हमेशा के लिए रहेगा।

लता मंगेशकर के लिए अपने पिता के सम्मान को याद करते हुए, रहमान ने कहा कि उनके साथ मेरा अनुभव मेरे पिता की याद दिलाता है, जिनके पास उनकी एक तस्वीर थी। इसलिए ताकि उन्हें देखकर उठे और प्रेरित हो जाए और रिकॉर्डिंग पर जाए।

फिर उन्होंने नाइटिंगेल के साथ अपने जुड़ाव के बारे में बात करते हुए कहा, मैं बहुत भाग्यशाली था कि मैंने उसके साथ कुछ गाने रिकॉर्ड किए, उसके साथ गाए, उनके शो का हिस्सा बन पाया। मंच पर प्रस्तुति देने के बारे में महत्वपूर्ण बातें मैंने उनसे ही सीखी है।

संगीत निर्देशक ने कहा कि उन्होंने एक बार एक लाइव शो से पहले रिहर्सल देखा था। उन्होंने शाम 4 बजे रिहर्सल समाप्तहोने के बाद, अपने सहायक के साथ अपने कमरे में वापस जाकर प्रत्येक गीत को फिर से गाना शुरू कर दिया।

लता जी का अंतिम संस्कार

पहली बार मंच पर गाने के लिए लता मंगेशकर को मिले थे 25 रुपये

स्वर कोकिला लता मंगेशकर अब इस दुनिया में नहीं रहीं। बस रह गई हैं तो सिर्फ उनकी यादें और उनके गाये खूबसूरत गीत। लता मंगेशकर का जीवन काफी संघर्षपूर्ण रहा। कलाकार परिवार से ताल्लुक रखने वाली लता मंगेशकर ने महज पांच साल की उम्र में अपने पिता दीनानाथ मंगेशकर से संगीत की शिक्षा लेनी शुरू कर दी थी। 16 दिसम्बर 1941 को लता मंगेशकर ने अपने पिता के आशीर्वाद से पहली बार रेडियो के लिए लता ने स्टूडियो में 2 गीत गाए थे।

लता को पहली बार मंच पर गाने के लिए 25 रुपये मिले थे। लता मंगेशकर ने 13 साल की उम्र में पहली बार साल 1942 में आई मराठी फिल्म %पहली मंगलागौर% में गाना गाया था। लता मंगेशकर ने अपने सात दशक के करियर में कई भाषाओं में 30,000 से अधिक गाने गाए हैं। उन्हें 2001 में सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न प्रदान किया गया। लता मंगेशकर को दादा साहेब फाल्के, पद्म विभूषण, पद्म भूषण और तीन नेशनल अवॉर्ड्स सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित भी किया जा चुका है। लता मंगेशकर संगीत की दुनिया का वह नायाब हीरा हैं, जिसपर हर भारतीय को गर्व है। लता मंगेशकर नहीं रहीं लेकिन अपनी खूबसूरत आवाज की बदौलत वह दर्शकों के दिलों में सदैव जीवित रहेंगी। रविवार को लता मंगेशकर का निधन हो गया । संगीत जगत में लता मंगेशकर के योगदानों को कभी भुलाया नहीं जा सकता। स्वर कोकिला लता मंगेशकर भारत की पहचान और भारतीय का गुरूर थीं। उनका निधन पूरे देश की अपूरणीय क्षति है।

लताजी भारत की चेतना का हिस्सा थीं: ए आर रहमान

मशहूर संगीतकार ए आर रहमान ने सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए रविवार को कहा कि वह बहुत भाग्यशाली हैं कि उन्होंने उनके साथ गाने रिकॉर्ड किए और उनके साथ गाया तथा उनसे रियाज का महत्व सीखा।

मंगेशकर का रविवार सुबह मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 92 वर्ष की थीं। रहमान ने कहा, ''यह हम सभी के लिए बहुत दुखद दिन है। लताजी सिर्फ एक गायिका नहीं थीं, न केवल एक प्रतीक, बल्कि भारत की चेतना, भारतीयता, हिंदुस्तानी संगीत, उर्दू और हिंदी कविता का हिस्सा थीं। उन्होंने कई भाषाओं में गीत गाए। हम सभी के लिए यह खालीपन हमेशा बना रहेगा।''

रहमान ने कहा कि उनके दिवंगत पिता के बिस्तर के पास मंगेशकर की एक तस्वीर थी और वह उनकी छवि को देखकर जाग जाते थे और रिकॉर्डिंग के लिए जाने से पहले प्रेरणा लेते थे। रहमान के पिता आर के शेखर संगीतकार थे।

रहमान ने अपने यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा कि वह बहुत भाग्यशाली हैं कि उन्होंने उनके साथ कुछ गाने रिकॉर्ड किए, उनके साथ गाने गाए तथा उनके शो का हिस्सा बने। संगीतकार ने कहा, ''मुझे इनमें से एक सबसे महत्वपूर्ण चीज मंच पर प्रस्तुति के बारे में उनसे जानने को मिला।''

रहमान ने कहा कि मंगेशकर को अपने शो के पहले रियाज करते देख उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला। मंगेशकर ने रहमान के साथ फिल्म 'दिल से' के 'जिया जले' और 'रंग दे बसंती' के 'लुका छुपी' जैसे गीतों में काम किया। उन्होंने कहा, ''मैं जानता हूं कि उनके गीतों से सैकड़ों और हजारों गायक प्रेरित हुए हैं। हम बस इतना कर सकते हैं कि इस किंवदंती से सीखें।

करण जौहर ने लता जी को दी श्रद्धांजलि

मुंबई नम आंखों से शाम 6:30 बजे शिवाजी पार्क में लता मंगेशकर के अंतिम संस्कार की तैयारी कर रही है। अभिनेता से लेकर राजनेता तक हर कोई शोक में डूबा है। करण जौहर ने कहा कि आज, स्वर्ग ने एक परी की आवाज प्राप्त की है।

निमार्ता-निर्देशक-टीवी होस्ट ने कहा, मैं लता जी के गीतों को सुनकर बड़ा हुआ हूं और आज उनके खोने पर शोक मना रहा हूं। मैं पूरे विश्वास के साथ जानता हूं कि उनकी आवाज ही पहचान है और उन्होंने भारतीयों की आने वाली कई पीढ़ियों के लिए संस्कृति की एक अमिट छाप छोड़ी है।

आज मेरे पसंदीदा गीत के शब्द मेरे दिल में बहुत गहराई से गूंजते हैं जैसे मैं गाता हूं - लग जा गले, की फिर ये हसीन रात हो ना हो , हम आपको याद करेंगे। शांति, शांति

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के नगर कार्यालय पर चुनाव का बिगुल बजा- मुर्तुजा अली

कुलदीप त्यागी

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष मुर्तजा अली ने नगर कार्यालय में कार्यकारिणी की बैठक की जिसमें शहर की सभी विधान सभा अध्यक्ष के समस्त पदाधिकारियों ने भाग लिया । कार्यक्रम का शुभारम्भ कुरआन की तिलावत और गीता के श्लोकों के साथ हुआ ।नगर अध्यक्ष मुर्तजा अली ने सभी का स्वागत करते हुए पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र देकर उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराते हुये कहा कि विधानसभा चुनाव में हमारी पार्टी का गठबंधन समाजवादी पार्टी के है और राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय शिवपाल यादव के निर्देशों का पालन करते हुए समाजवादी पार्टी के सभी उम्मीदवारों को पूरी ताकत से सहयोग कर जिताना है । मुख्य अतिथि के तौर महिला समाजवादी पार्टी की महिला सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इसी क्रम में लखनऊ पूर्व के प्रत्याशी अनुराग भदौरिया का पदाधिकारियों से परिचय कराते हुए क्षेत्र में इंदिरा नगर से सटे क्षेत्रों में भ्रमण कराया जहाँ नागरिकों ने जोश के साथ उनका स्वागत किया। अनुराग भदौरिया ने सभी का आभार जताते हुए क्षेत्र के लिये कार्य करने का वचन दोहराया । पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी अरमान खान के प्रतिनिधि के रूप में भानु प्रताप सिंह उपस्थित रहे।

सभा को मुस्लिम वेल्फेयर सोसायटी के सदर जनाब क़ाजी अहमद रजा साहब एवं महासचिव साबिर ख़ान साहब ने सम्बोधित करते हुए पूर्ण समर्थन दिया ।

बैठक को ख़ालिद इस्लाम, बदरूल हसन, कैंट विधानसभा अध्यक्ष कन्हैया लाल यादव मध्य विधानसभा अध्यक्ष मोहम्मद आमिर पूर्वी विधानसभा अध्यक्ष जावेद सिद्दीकी पश्चिमी विधानसभा अध्यक्ष संजय वर्मा रजनी तिवारी आशीष शर्मा राजू जायसवाल राणा नीरज श्रीवास्तव रमेश यादव पंकज श्रीवास्तव शादाब सिद्दीकी मोहम्मद कैफनगर उपाध्यक्ष अमन मिश्रा लाल जी शुक्ला अतहर सिद्दीकी मिर्जा एहसान बैग दिलीप कुमार मिश्रा मोहम्मद सईद सिद्दीकी मोहम्मद अलीम शेख अफज़ाल अहमद अयूब अंसारी उत्कर्ष तिवारी सतीश कुमार कलाम सिद्दीकी जुबेर सलमान आलम मूसा हसन युसूफ सिद्दीकी यश चतुर्वेदी समीर सिद्दीकी कुद्रतुल्लाह खान राजेश्वर मिश्रा और राजू भाई शेख मुजीब उर रहमान- आदि ने संबोधित किया ।

उत्तर प्रदेश के भविष्य को संवारने के लिए भाजपा की सरकार जरूरी- नरेश अग्रवाल

प्रफुल्ल कुमार राय

हरदोई ।पूर्व मंत्री एवं सांसद नरेश अग्रवाल ने ज्ञान परिसर शाहाबाद में भाजपा प्रत्याशी रजनी तिवारी के पक्ष में बैठक करते हुए कहा कि विधान सभा चुनाव में भाजपा को जिताकर दोबारा सरकार गठन करने से उत्तर प्रदेश और प्रदेश वासियों का भविष्य संवरेगा। हमारी तनिक सी चूक हमारी भावी पीढ़ियों पर असर डालेगी, इसलिए सावधानी और सतर्कता से मतदान करना और कराना भी है। श्री अग्रवाल ने कहा कि भाजपा उम्मीदवार रजनी तिवारी को पुन: विधानसभा पहुंचाएंगे तो डबल इंजन की पॉवर का फायदा मिलना ही मिलना है बैठक को भाजपा नेता प्रदीप कुमार श्पीके वर्माश् ने भी सम्बोधित करते हुए कहा, दलित और अति-दलित समाज का भाजपा की डबल इंजन की सरकारों में उत्थान हुआ है। उन्होंने कहा, विश्वास है 2017 की तरह हमारा समाज पूरी क्षमता के साथ भाजपा को पुन: सत्ता में स्थापित करेगा। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष सौरभ मिश्र नीरज ने कहा कि विधायक रजनी तिवारी ने अपने पंद्रह साल के कार्यकाल में किसी का अहित नहीं किया ।समय की नजाकत को महसूस करते हुए भाजपा नेत्री रजनी तिवारी को जिताएं।आपकी समस्याओं को सांसद,विधायक सुनेंगे और समय से निस्तारित भी करेंगे।उन्होंने चेताया कि बसपा के 2007 से 2012 के कार्यकाल के खौफ,आतंक,और बेईमानी व भ्रष्टाचार वाले व्यवहार को समाज भूला नहीं है।लोगों के अंदर आज भी उस काल की वेदना मौजूद है। सतर्क रहें,सभ्य,शालीन, विकास की क्षेत्र में गंगा बहाने वाली रजनी तिवारी को अपना अमूल्य वोट देकर लोकतंत्र को मजबूत बनाएं। इस अवसर पर भाजपा प्रत्याशी रजनी तिवारी, नलिन गुप्ता डब्लू,पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्र नवनीत गुप्ता नीतू,प्रधान चठिया रमेश गुप्ता, प्रधान दलेलनगर महेश गुप्ता, प्रधान पीला पुर देवेन्द्र सिंह, प्रधान शाहाबाद देहात आरिफ खान, प्रधान कैमी शिव कुमार गुप्ता, प्रधान नगरिया उत्कर्ष गुप्ता, प्रधान पिस्तिया अवध बिहारी गुप्ता, प्रधान कठमा, लोनी, फत्तेपुर गयन्द, सेमराया, बूढनपूर, मिठनापुर, ककरघटा क्षेत्र पंचायत सदस्य, सुखराम राजपूत, नीरज कनौजिया, कुन्दन सिंह, सुमित सिंह, जितेंद्र सिंह, इन्देश दीक्षित, पूर्व प्रधान जय सिंह यादव, ऐला सिंह, गिरीश गुप्ता, सकटे गुप्ता, सहित पूर्व सभापति नत्थू सिंह, हर्ष पाण्डेय, अनिल श्रीवास्तव, जितेंद्र गुप्ता, महेंद्र राना, सभासद विनोद राठौर, यदुवीर सिंह, मोतीलाल गुप्ता, गुड्डू गुप्ता, महेंद्र कटेरिया, सहित भारी संख्या में व्यापारी एवं वैश्य समाज के लोगों ने सहभागिता की।

बसंत पंचमी पर महिलाओं ने किया सुंदर कांड व भजन – कीर्तन

आनंद राय

लखनऊ. बसंत पंचमी पर्व पर इंदिरा नगर बी ब्लॉक में स्थित सिद्धेश्वर मंदिर पार्क में सैकड़ों महिला भक्तों ने संगीतमय सुंदर कांड पाठ, भजन – कीर्तन किया और हर हर महादेव, जय श्रीराम का जयघोष किया. कार्यक्रम में आये सभी भक्तजनों को प्रसाद वितरण व तहरी भोज कराया गया. बाद में, शाम को बी ब्लॉक चौराहे पर स्थित साईं मंदिर और सी ब्लॉक के श्रीहनुमान मंदिर में जरूरतमंदों को भी तहरी बाँटी.सिद्धेश्वर मंदिर जीर्णोद्धार समिति से जुड़ी नीलम दीक्षित ने बताया कि बसंत पंचमी पर्व पर दोपहर 12 बजे से सरस्वती पूजन के साथ ही महिला भक्तों द्वारा सुंदर कांड का संगीतमय स्वर पाठ किया गया. कार्यक्रम में श्रीमती उमा त्रिपाठी, नीलम मिश्र, बेबी पाण्डेय, संतोष शुक्ला, सीमा दीक्षित, सरिता श्रीवास्तव, रंजना दूबे, शशी गुप्ता, किरण, रूबी राय, नीलम पाण्डेय, पूनम पाण्डेय, प्रीती दीक्षित, मीनू, प्राची सिँह, अपर्णा शुक्ला व नीलू मिश्रा आदि ने सक्रिय जिम्मेदारी निभाई.उन्होंने बताया कि सभी महिलाओं ने सुंदर कांड पाठ के बाद भजन – कीर्तन किया. बाद में तहरी भोज का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में पूजा श्रमा सत्या त्रिपाठी, किरण तिवारी, भूमिका, बिट्टू, नीशू, प्रीतू, प्रिया, भावना, आन्या व प्रियम आदि भक्तजनों की सक्रिय भागीदारी रही.

भारतीय उदय निर्माण पार्टी ने दो प्रत्याशियों की जारी की सूची

आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारतीय उदय निर्माण पार्टी ने 2 प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष केडी शर्मा ने बताया कि भारतीय उदय निर्माण पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने होने वाले आगामी उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2022 के लिए दो नामों पर अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। 277 कटेहरी से कपिल देव दुबे, 190 लंभुआ से राजपूत सुरेश सिंह को मैदान में उतारा है।

सपा प्रत्याशी ने किया बीकेटी में क्षेत्रीय चुनाव कार्यालय का उद्घाटन

बीकेटी, लखनऊ। विधानसभा बीकेटी 169 से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी गोमती यादव ने बख्शी का तालाब के स्टेट बैंक के पास क्षेत्रीय चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया एवं बख्शी तालाब के व्यापारियों से डोर टू डोर जनसंपर्क करते हुए समाजवादी पार्टी की योजनाओं व विकास कार्यों के बारे में लोगो को बताते हुए समाजवादी पार्टी को वोट देने की अपील की। इसके साथ समाजवादी पुरोधा स्वर्गीय भगवती सिंह की मूर्ति पर माल्यार्पण कर आशीर्वाद लिया।

क्षेत्रीय चुनाव कार्यालय के उद्घाटन में समाजवादी पार्टी के दिग्गज नेता सुनील सिंह साजन, राम सिंह राणा, जूही सिंह, जय सिंह जयंत, राम सागर यादव, दिनेश सिंह, सुनील भदौरिया, विनोद गुप्ता, विजय यादव, विदेशपाल यादव, मधुलिका यादव एवं समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गरीब नवाज ने सदा सच्चाई का मार्गदर्शन दिया

गरीब नवाज हफ्ता का आठवां शानदार इजलास हीरामन पुरवा में आयोजित

कानपुर। सरकार ख्वाजा गरीब नवाज रजिअल्लाहो तआला अन्हो ने अपनी पूरी जिन्दगी मखलूक की खिदमत में लगा दिया। बिना किसी भेद-भाव के गरीब परवरी और भाई चारा का पाठ पढ़ाया और जनता को अच्छाइयों का मार्ग दर्शन दिया। आल इण्डिया गरीब नवाज कौन्सिल के तत्वधान में आयोजित गरीब नवाज हफ्ता के आठवें इजलास से कौन्सिल के शहरी अध्यक्ष मौलाना मो0 महताब आलम कादरी मिस्बाही ने उक्त विचारहीरामन पुरवा में व्यक्त किया। मौलाना ने कहा कि ख्वाजा गरीब नवाज मुल्क के रूहानी सुल्तान हैं आपने पूरी जिन्दगी भाईचारा और मोहब्बतों का सन्देश दिया काश आपकी जीवनी को आपके मानने वाले अपनी जिन्दगी का आइडियल बनाते तो शायद मुल्क का रंग कुछ और ही होता। इससे पूर्व जलसे की शुरूआत हाफिज़ आसिफने कुरआन मजीद की तिलावत से किया और नात व मनकबत का नजराना कारी इकबाल बेग फादरी, मौलवी इख्लाक ने पेश किया। जबकि जलसे का संचालन शब्बीर अशरफी कानपुरी ने और अध्यक्षता मौलाना सय्यद मोहम्मद अकमल अशरफी-उल-जीलानी ने किया इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मुफ्ती नजमुद्दीन कादरी, मौलाना उमर, मौलाना समीउल्लाह, हाफिज मिन्हाज सचिव कौन्सिल, हाफिज अरशद अशरफी, हाफिज नियाज अशरफी, मौलाना गुलाम हसन कादरी, हशमत नूरी आदि उपस्थित रहे।

प्रबंध संपादक अभिषेक द्विवेदी जी का हुआ भव्य स्वागत

रवि शंकर तिवारी

बरगढ़/चित्रकूट। भारत सरकार से मान्यता प्राप्त चौनलध्समाचार पत्र राष्ट्रीय युवा वाहिनी के प्रबंध संपादक अभिषेक द्विवेदी जी का भव्य स्वागत चित्रकूट जनपद के मऊ तहसील अंतर्गत बरगढ़ में बड़े ही उत्साह के साथ पत्रकार साथियों द्वारा किया गया। प्रबंध संपादक अपने चौनलध् समाचार पत्र के सभी पत्रकारों के साथ बैठक करने के लिए आज बरगढ़ पहुचे, उनके आने की खुशी को सभी पत्रकारों ने उनका भव्य स्वागत करके जाहिर किया। बरगढ़ में बैठक कर अपने सभी पत्रकार साथियों को कुशल कार्य करने का दिशा निर्देश देकर प्रबंध संपादक जी ने बरगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक शिवमूरत यादव से स्नेहिल मुलाकात की, प्रभारी निरीक्षक के स्वभाव से सभी पत्रकार साथी खुश रहे, ऐसा अधिकारी हर जगह होना ही चाहिए। तत्पश्चात जिले की पूरी टीम के साथ प्रबंध सम्पादक का काफ्ला बरगढ़ क्षेत्र के परमपूज्य सिद्धपीठ प्राणनाथ परानू बाबा के दर्शन के लिए रवाना हुआ। प्राणनाथ के दर्शन कर और अपनी टीम के लिए कल्याणकारी आशिर्वाद लेकर प्रयागराज के समाजसेवी डॉ आनंद सिंह से परानू बाबा स्थान के विषय में चर्चा हुई जिसमें उन्होंने बताया कि इस स्थान पर जबसे मैं आया हूं मुझे एक अलग तरह की ऊर्जा का अनुभव हो रहा है, प्राकतिक सुंदरता से ओतप्रोत यह बहुत ही रमणीक है इस जगह पर हर किसी को आकर ऐसे दिव्य क्षेत्र के दर्शन करना चाहिए, चित्रकूट के व्यूरो चीफ सुनील पाण्डेय ने कहा कि ऐसे बहुत ही रमणीक स्थान चित्रकूट की पावन भूमि पर है लेकिन प्रचारित न होने की वजह से लोग पहुँच नही पाते, उन्होंने कहा कि ऐसे स्थान को पर्यटन का दर्जा मिलना चाहिए, जिससे देश विदेश से लोग यहाँ पहुँच कर लाभ प्राप्त कर सकें। यहां का दर्शन लाभ प्राप्त कर प्रबंध सम्पादक का काफ्ला ऋषियन आश्रम के लिए रवाना हुआ। उनके साथ प्रयागराज से समाजवासेवी डॉ आनंद सिंह, शिवा मिश्रा (भरत लाल मिश्रा मऊ) फत्तेहपुर क्राइम व्यूरो चीफ खुशाल अहमद, धाता थाना रिपोर्टर शरीफ अहमद ,चित्रकूट ब्यूरो चीफ सुनील पाण्डेय, मऊ तहसील रिपोर्टर अनुरूध्द शास्त्री, रीवा ब्यूरो चीफ राजेन्द्र रावत, मऊ क्राइम रिपोर्टर रोहिणी शर्मा, राष्ट्रीय गौ रक्षक दल के जिला सचिव संजू चतुर्वेदी, चित्रकूट कैमेरा मैन मालती देवी उपस्थित रहे।

चित्रगुप्त सेवा धाम ट्रस्ट एवं मित्र परिवार ने भाजपा उम्मीदवार रजनी तिवारी को समर्थन दिया

विवेक राय

हरदोई। चित्रगुप्त सेवा धाम ट्रस्ट के संस्थापक अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि देश हित पहले, व्यक्तिगत हित हमेशा बाद में होना चाहिए इसी कड़ी में समाज मे फैली कुरूतियों को दूर करने एवं अराजकता को रोकने को लेकर सैकड़ो कार्यकर्ताओं के साथ 2022 के चुनाव में शाहाबाद विधानसभा क्षेत्र से लोकप्रिय जनसेविका विधायक रजनी तिवारी को श्री चित्रगुप्त धाम सेवा ट्रस्ट परिवार एवं मित्र परिवार सदस्यों के साथ रजनी तिवारी को अपना समर्थन दिया। हमारी पूरी टीम विधायक रजनी तिवारी को इस बार के चुनाव में ऐतिहासिक जीत दिलाने में अपना पुरजोर प्रयास करेगी प्रत्येक वोटर को ध्यान रखना चाहिए कि जिसको अपना मत दे रहे हैं, उस का व्यक्तित्व कैसा है? क्योंकि लोकतंत्र में आप स्वतंत्रत हैं। अगर आप एक अच्छे देश प्रदेश का स्वरूप देखना चाहते है तो भाजपा की सरकार पुन: बनाने का मार्ग प्रशस्त करें। भाजपा प्रत्याशी रजनी तिवारी ने कहा कि मैने क्षेत्र विकास में कोई कसर बाकी नहीं रखी ।फ्रि भी अगर कोई समस्या तो भविष्य में प्राथमिकता से उसका समाधान करेंगे ।उन्होंने बताया कि आंझी रेलवे स्टेशन पर ओवर ब्रिज, ककरघटा में मिनी स्टेडियम तथा समूचे क्षेत्र को जोड़ने वाले अनेक मार्ग तथा हरदोई रोड पर सैदपुर और मियांपुर में दोनों ओर के पुलों का निर्माण कराकर राजधानी लखनऊ का सफ्र आसान बनाया ।सरकारी योजनाओं का भरपूर लाभ शाहाबाद की जनता को दिया। भाजपा जिलाध्यक्ष सौरभ मिश्र नीरज ने कहा कि सपा बसपा के भय और आतंक,भ्रष्टाचार से बचने के लिए भाजपा को वोट दें। समाज और देश की सेवा के हर क्षेत्र में भाजपा की केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार ने कीर्तिमान स्थापित किया है। ब्लॉक प्रमुख त्रिपुरेश मिश्र ने कहा कि विधायक रजनी तिवारी के प्रयास से ही गांवों का समुचित विकास हुआ है ।थाना,तहसील,ब्लॉक की समस्याओं को त्वरित गति से हल किया गया।

भाजपा नेता राजेंद्र प्रसाद मिश्र ने कहा कि इस बार भाजपा प्रत्याशी की ऐतिहासिक जीत होगी ।क्योंकि वह खुलकर उनका प्रचार कर रहे हैं। अनुराग श्रीवास्तव के साथ भाजपा में शामिल होने वाले लोगो में सुखदेव अग्निहोत्री, सुरेंद्र राठौर, जय सिंह , मुन्ना लाल श्रीवास्तव , कौशल कुमार श्रीवास्तव ,वंसज अग्निहोत्री ,संदीप श्रीवास्तव ,विकास वर्मा , अविरल बाजपेयी , पुनीत अग्निहोत्री , सी आई डी शुकला , रोहित द्विवेदी , नंन्हे लाल श्रीवास्तव ,अवधेश श्रीवास्तव ,मोहित श्रीवास्तव ,सुंदरम अग्निहोत्री , प्रवेश ,शिवम पाठक , अखिलेश्वर नाथ शुक्ला ष्सीआईडी, गंगा राम , राजीव यादव , आलोक सक्सेना , गोपाल सक्सेना,रजनीश सैनी ,सौरभ बाजपेयी , फारिक खां , योगेश दीक्षित, समीर खां ,देवेंद्र मिश्र, कुशलेश कुमार संत ,श्याम जी, गौरव सक्सेना ,जगमोहन ,राहुल कुमार , राजेन्द्र कुमार,दिनेश सिंह सहित सैकड़ों लोग भाजपा में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर महामंत्री अंकित मिश्रा , पिंटू पांडेय,सभासद सोनू अवस्थी, जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के जिला महामंत्री संतोष अग्निहोत्री ,प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रभाकर वाजपेयी, शिव प्रसाद , इमरान खां, संदीप श्रीवास्तव ,ब्लॉक प्रमुख प्र श्यामू त्रिवेदी , भाजपा के जिला महामंत्री अजीत सिंह बब्बन आदि मौजूद रहे।

फलपट्टी क्षेत्र के कुराखर व सैदापुर में हरे आम के पेड़ों पर चला आरा

राधा गुप्ता, विशाल

माल, लखनऊ। माल फ लपट्टी क्षेत्र के कुराखर गांव में सुंदर की बाग में व सैदापुर में श्यामू की बाग में लगभग एक दर्जन फलदार आम के पेड़ों पर आरा चलाया गया हैं। बता दें कि माल क्षेत्र के कुराखर , सैदापुर, मंझी सहित कई गांवों में आम के हरे पेड़ों पर धड़ल्ले से कुल्हाड़ी चल रही है। चिंता की बात यह है कि वन विभाग व उद्यान विभाग हरे पेड़ों को काटने की अनुमति जारी कर रहे हैं। पिछले एक साल के भीतर फ लपट्टी क्षेत्र के विभिन्न गांवों में सैकड़ों बीघा बाग काटे जा चुके हैं। तथा क्षेत्र में अफ सरों की लाख कोशिशों के बावजूद भी हरे भरे वृक्षों का कटान थमने का नाम नहीं ले रहा है।

बता दें कि बेखौफ लकड़कट्टें हरियाली पर खुलेआम आरा-कुल्हाड़ी चलाने से बाज नही आ रहें हैं। मलिहाबाद व माल कस्बे में आये दिन ट्रैक्टर ट्राली पर लकड़ी के बोटे लदे वाहन धड़ल्ले से कस्बे में फर्राटा भरते नजर आते रहे हैं। बता दें कि एक तरफ सूबे की सरकार वृक्ष लगाओ हरियाली लाओ के कवायद में लाखों रूपये खर्च कर पौधरोपण करवा रही है। गांव गांव में पौधरोपण अभियान के तहत जनजागरूकता कर वृक्ष लगाने को प्रेरित किया जा रहा है। वहीं मिल क्षेत्र के अंतर्गत कुराखर, सैदापुर, सुंदर की भागवत श्यामू की बाग में लकड़ कट्टों द्वारा हरे-भरे लगभग एक दर्जन आम के वृक्षों को काटकर धराशायी कर दिया गया है। कब तक ऐसे ही हरे-भरे आम के पेड़ काटे जाएंगे।

सरकार को इस पर कड़े कानून बनाने चाहिए जिससे की हरियाली को कोई भी कुल्हाड़ी व आरा ना लगा सके।

क्या बोले जिम्मेदार

वहीं मलिहाबाद वन विभाग रेंजर से जब संवाददाता ने फोन कर बात करने की कोशिश की तो रेंजर ने फोन नहीं उठाया। जिससे कि यह प्रतीत होता है अधिकारियों की शह पर धड़ल्ले से लकड़ी माफिया हरे आम के पेड़ों पर आरा चलाते हैं।

टाटा मैजिक गाड़ी में लगी भीषण आग, दरोगा ने बचाई ड्राइवर की जान

कुलदीप त्यागी

बीकेटी, लखनऊ। बक्शी का तालाब थाना क्षेत्र के अंतर्गत उप निरीक्षक संतोष सिंह व सिपाहियों ने अपनी जान पर खेलकर सुबह करीब 7रू30 बजे टाटा मैजिक गाड़ी में भयंकर आग लग जाने से गाड़ी धू धू कर जलने लगीं। वहीं अपनी जान पर खेलकर संतोष सिंह ने टाटा मैजिक ड्राइवर की जान बचाई। खाकीधारी ने जान पर खेलकर बचाई टाटा मैजिक गाड़ी के ड्राइवर की तथा जलती हुई टाटा मैजिक में सवार ड्राइवर को जान पर खेलकर बचाया दरोगा संतोष सिंह ने अपनी टीम के साथ बताया जा रहा है कि ट्रांसपोर्टनगर से इलेक्ट्रॉनिक का कीमती सामान लादकर जा रही थी टाटा मैजिक अचानक से एनएच 24 भैसामऊ क्रासिंग बीकेटी के पास मैजिक में अचानक भीषण आग लग गई थी गाड़ी आग का गोला बनने से मची अफरा-तफरी वहीं सूचना पर अपनी जान की परवाह न करते हुए बीकेटी थाने में तौनात दरोगा संतोष सिंह, कांस्टेबल फै याज खान, रिक्रूट कांस्टेबल विमल कुमार ने मौके पर पहुंचकर फायर ब्रिगेड की मदद से मैजिक ड्राइवर की जान बचाई है। बीकेटी थाना क्षेत्र के लोगों ने पुलिस के कार्य की सराहना करते हुए दरोगा सहित पूरी टीम की भूरी भूरी प्रशंसा की है।

मैदान में 103 उम्मीदवार, सदर सीट से 18 पर्चे खारिज

संवाददाता

सीतापुर। विधानसभा निर्वाचन-2022 के चौथे चरण में नामांकन दाखिले का काम पूरा हो गया है। शुक्रवार को नामांकन प्रपत्रों की जांच की गई है। इसमें कुल 18 उम्मीदवारों के पर्चे खारिज हुए हैं। अब चुनाव मैदान में कुल 103 उम्मीदवार हैं। नामांकन प्रपत्रों की जांच में सबसे अधिक छह पर्चे सीतापुर सदर सीट के खारिज हुए हैं, जबकि सबसे कम एक-एक नामांकन महोली, लहरपुर, बिसवां, सेवता, महमूदाबाद व सिधौली विधान सभा सीट का निरस्त किया गया है। सीतापुर सदर सीट के कुल छह उम्मीदवारों के पर्चे खारिज हुए हैं। भाजपा से उम्मीदवारी करने वाले विश्राम सागर राठौर व रामेश्वर प्रसाद के पर्चे खारिज हो गए हैं। निर्वाचन अधिकारी पूजा मिश्रा ने बताया कि इनके नामांकन प्रपत्र में फार्म श्एबीश् नहीं था। इसी तरह एक्शन पार्टी के उम्मीदवार रवींद्र मिश्र ने निर्धारित शुल्क नहीं जमा किया था और शपथ नहीं ली थी। इनका भी पर्चा खारिज हुआ है। निर्दलीय उम्मीदवार गया प्रसाद के नामांकन में शुल्क जमा करने का चालान नहीं लगाया था, न ही शुल्क जमा था। गया प्रसाद का नामांकन खारिज किया गया है। निर्दल उम्मीदवार चंद्रसेन व नारायन उर्फ राम नारायन के प्रस्तावकों की संख्या कम होने से इनके पर्चे मान्य नहीं किए गए हैं। अंजुली व संदीप के पर्चों में खामियां, निरस्त महोली से राष्ट्रीय जनशक्ति पार्टी के उम्मीदवार सिपाही का पर्चा खारिज हुआ है।

हरगांव के दावेदार राष्ट्रीय विकल पार्टी के राम सहाय और आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार संदीप कुमार का पर्चा खारिज हुआ है। लहरपुर से निर्दलीय उम्मीदवार सुंदरी देवी और बिसवां सीट से बृजरानी के पर्चे खारिज हुए हैं। सेवता से दावेदारी करने वाले भाजपा के ज्ञान तिवारी की उम्मीदवार पत्नी अंजू तिवारी का नामांकन निरस्त हो गया है। अंजू तिवारी ने भी भाजपा की तरफसे उम्मीदवारी प्रस्तुत की थी। महमूदाबाद से आप उम्मीदवार अंजुली देवी और सिधौली विधान सभा क्षेत्र पर दावेदारी करने वाले राष्ट्रीय जनशक्ति समाज पार्टी के उम्मीदवार सुनील कुमार का पर्चा खारिज हुआ है।

मिश्रिख सीट से निर्दलीय उम्मीदवार मनोज, राष्ट्रीय जनशक्ति समाज पार्टी की मीना, भारतीय राष्ट्रीय मोर्चा के उम्मीदवार राम स्वरूप का पर्चा खारिज किया गया है। मिश्रिख से समाजवादी पार्टी की तरफसे दावेदारी करने वाली कुमुदलता का पर्चा निरस्त किया गया है। राधेश्याम जायसवाल के विरुद्ध आपत्ति खारिज सीतापुर सदर विधानसभा क्षेत्र की निर्वाचन अधिकारी पूजा मिश्रा ने बताया, सपा उम्मीदवार राधेश्याम जायसवाल के विरुद्ध निर्दल उम्मीदवार दिनेश कुमार जायसवाल ने आपत्ति प्रस्तुत की थी। सुनवाई के दौरान सपा उम्मीदवार ने अपना पक्ष रखा और मांगे गए दस्तावेज प्रस्तुत किए। इसके आधार पर आपत्ति को खारिज किया गया है और सपा उम्मीदवार के नामांकन को विधि मान्य घोषित किया गया है।

अब सोमवार को नाम वापसी निर्वाचन कार्यक्रम के मुताबिक नामांकन और उसके बाद प्रपत्रों की जांच का काम शुक्रवार को पूरा हो गया है।

टीम इंडिया को मिली साल की पहली जीत

पहले वनडे में वेस्टइंडीज को 132 गेंद बाकी रहते 6 विकेट से हराया, कप्तान रोहित शर्मा ने बनाए 60 रन

श्रेयस मनोरम

नई दिल्ली। टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज को पहले वनडे मैच में 6 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 43.5 ओवर में 176 रन पर ऑल आउट हो गई। युजवेंद्र चहल ने चार और वॉशिंगटन सुंदर ने तीन विकेट लिए।

जवाब में भारत ने 28 ओवर में 4 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। कप्तान रोहित शर्मा ने सबसे ज्यादा 60 रन बनाए। सूर्यकुमार यादव 34 और अपना पहला इंटरनेशनल मैच खेल रहे दीपक हुड्डा 26 रन बनाकर नाबाद रहे। ईशान किशन ने 28 रन की पारी खेली। विराट कोहली फिर फ्लॉप रहे और 8 रन ही बना सके। ऋषभ पंत ने 11 रन बनाए। यह साल 2022 में इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत की पहली जीत है। इससे पहले भारत को साउथ अफ्रीका में इस साल दो टेस्ट और तीन वनडे मैचों में हार झेलनी पड़ी थी।

32 रन बनाने में गंवा दिए चार विकेट

साधारण टारगेट का पीछा करते हुए भारत ने एक समय बिना विकेट खोए 84 रन बना लिए थे। लेकिन, अगले 32 रन बनाने में चार विकेट गिर गए। इसके बाद सूर्यकुमार और दीपक ने पांचवें विकेट के लिए 62 रनों की नाबाद साझेदारी कर भारत को जीत दिलाई।

वेस्टइंडीज का टॉप ऑर्डर फेल

टॉस हारकर पहले बॉलिंग करने का फैसला भारत के लिए सही रहा। वेस्टइंडीज ने 71 के स्कोर पर अपने 5 विकेट गंवा दिए। शाई होप 8 रन बनाकर मोहम्मद सिराज की गेंद पर बोल्ड हुए। इसके बाद वॉशिंगटन सुंदर ने एक ही ओवर में ब्रैंडन किंग (13) को आउट किया और चार गेंदों के बाद डैरेन ब्रावो (18) को DRS पर LBW आउट किया।

चहल के 100 विकेट पूरे

पारी के 20वें ओवर में युजवेंद्र चहल ने लगातार दो गेंदों पर 2 विकेट चटकाए। पहले उन्होंने निकोलस पूरन (18) को DRS पर LBW आउट किया और अगली ही गेंद पर कप्तान कीरोन पोलार्ड (0) को बोल्ड कर दिया। पूरन को आउट करने के साथ ही चहल ने वनडे में अपने 100 विकेट भी पूरे कर लिए।

चहल ने अपने अगले ओवर में शमर ब्रूक्स (12) को आउट किया। ये सफलता भी भारत को छठे पर मिली। दरअसल, अंपायर के नॉटआउट दिए जाने के बाद कप्तान रोहित ने कुछ देर साथी खिलाड़ियों से डिस्कस करने के बाद रिव्यू लिया। रीप्ले में नजर आया कि गेंद बल्ले पर लग कर कीपर के पास गई थी। भारतीय टीम के लिए यह तीसरा रिव्यू था और तीनों में उन्हें सफलता मिली है। अकील होसेन (0) का विकेट प्रसिद्ध कृष्णा के खाते में आया।

दीपक हुड्डा भारत के लिए वनडे डेब्यू करने वाले 243वें खिलाड़ी बने।

मोहम्मद सिराज ने शाई होप को आउट कर अपने वनडे करियर का पहला विकेट लिया।

कीरोन पोलार्ड 15वीं बार वनडे में शून्य पर आउट हुए।

पोलार्ड बतौर कप्तान तीसरी बार गोल्डन डक पर आउट हुए।

युजवेंद्र चहल वनडे में 100 विकेट लेने वाले 23वें भारतीय खिलाड़ी बने।

होल्डर-एलन ने संभाली वेस्टइंडीज की पारी

एक समय वेस्टइंडीज का स्कोर 79/7 था और ऐसा लग रहा था कि शायद ही टीम 100 रन भी बना पाए, लेकिन 8वें विकेट के लिए जेसन होल्डर और फैबियन एलन ने 91 गेंदों पर 78 रन जोड़कर पारी को संभाल लिया। इस पार्टनरशिप को सुंदर ने एलन (29) को आउट कर तोड़ा। इसके बाद जेसन होल्डर (57) भी पारी को आगे नहीं बढ़ा सके और प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर आउट हुए।

जेसन होल्डर ने 71 गेंदों पर 57 रन बनाए।

होल्डर (57) वनडे में उनका ये 11वां और भारत के खिलाफ तीसरा अर्धशतक रहा।

होल्डर (2011) ने वनडे क्रिकेट में अपने 2 हजार रन भी पूरे कर लिए हैं।

मैच शुरू होने से पहले टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने लता मंगरेशकर के सम्मान में 2 मिनट का मौन भी रखा।

BCCI उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, लता मंगेशकर के सम्मान में आज अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले मैच में हमारे खिलाड़ी काले रंग का बैंड बांधेंगे। राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा।

दोनों टीमों के बीच ये मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जा रहा है। यह भारतीय क्रिकेट टीम का इस फॉर्मेट में 1000वां मैच है। दुनिया में पहली बार किसी टीम ने 1000 वनडे खेलने का माइलस्टोन हासिल की है।

खास बना 1000वां वनडे

टीम इंडिया का ये 1000वां वनडे मैच था, जो जीत के साथ हमेशा के लिए यादगार बन गया। 1000 वनडे खेलने वाली टीम इंडिया दुनिया की पहली टीम बनी। भारत ने अपना पहला वनडे 1974 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। 48 सालों के वनडे इतिहास में मैन इन ब्लू ने दो वर्ल्ड कप (1983, 2011) अपने नाम किए। टीम ने 2000 और 2013 में ICC चैंपियंस ट्रॉफी पर भी कब्जा जमाया।

अब तक भारत ने 1000 वनडे मैच खेले हैं। इस दौरान टीम ने 519 जीत दर्ज की, जबकि 431 में हार का सामना करना पड़ा। 9 मुकाबले टाई रहे और 41 का कोई रिजल्ट नहीं निकला। भारत के बाद ऑस्ट्रेलिया (958) सबसे ज्यादा वनडे खेलने वाली दूसरी टीम है। जबकि पाकिस्तान तीसरे नंबर पर है। पाकिस्तान ने अब तक 936 वनडे मैच खेले हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने अंडर-19 विश्व कप चैंपियन टीम को बधाई दी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम की रिकॉर्ड में इजाफा करने वाली पांचवीं विश्व कप खिताबी जीत की रविवार को सराहना करते हुए कहा कि शीर्ष स्तर पर उनका शानदार प्रदर्शन दर्शाता है कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य सुरक्षित हाथों में है।

भारत ने टूर्नामेंट में दबदबा बनाते हुए शनिवार को एंटीगा के नॉर्थ साउंड में हुए फाइनल में इंग्लैंड को चार विकेट से हराकर पांचवीं बार खिताब जीता। भारत की यह जीत इसलिए भी काबिलेतारीफ है क्योंकि टीम में कोविड-19 मामलों के कारण एक समय उसका अभियान पटरी से लगभग उतर ही गया था।

मोदी ने ट्वीट किया,''हमारे युवा क्रिकेटरों पर बेहद गर्व है। आईसीसी अंडर-19 विश्व कप जीतने के लिए भारतीय टीम को बधाई।''

प्रधानमंत्री ने लिखा, ''पूरे टूर्नामेंट के दौरान उन्हें गजब का साहस दिखाया। शीर्ष स्तर पर उनका शानदार प्रदर्शन दर्शाता है कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य सुरक्षित और सक्षम हाथों में है।''

विश्व कप खिताब उठाना शानदार अहसास: राज बावा

सेंट जॉन्स । हरफनमौला खिलाड़ी राज बावा ने अंडर 19 विश्व कप खिताब जीतने पर खुशी जताते हुए कहा कि विश्व कप खिताब उठाना वास्तव में शानदार अहसास है।

भारत ने शनिवार को यहां सर विवियन रिचर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में खिताबी मुकाबले में इंग्लैंड को हराकर रिकॉर्ड पांचवां अंडर-19 विश्व कप खिताब अपने नाम किया। यश ढुल की अगुवाई वाली टीम ने फाइनल में थ्री लायंस को चार विकेट से हराया। इससे पहले, भारत ने 2000, 2008, 2012 और 2018 में अंडर-19 विश्व कप जीता था।

मैच के बाद बावा ने कहा, हमेशा किसी भी खेल को जीतना विशेष होता है, लेकिन फाइनल में ऐसा करना एक शानदार एहसास है। हमने बस उन योजनाओं को अंजाम दिया, जिन पर हमने कोच और कप्तान के साथ चर्चा की।

इस बीच, खिताबी मुकाबले में चार विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज रवि कुमार ने कहा कि मैच में उनका पसंदीदा विकेट जैकब बेथेल का था।

उन्होंने कहा, कोच मुझसे कहते रहे कि मैं अपने मूल पर रहूं और नतीजों की चिंता न करूं। योजना टाइट लाइन और लेंथ बनाए रखने की थी। गेंद थोड़ी चिपकी हुई थी और कुछ मूवमेंट करने के लिए मेरा लक्ष्य फुल लेंथ पर गेंदबाजी करना था। आज मेरा खेल का पसंदीदा विकेट जैकब बेथेल का पहला विकेट था।

खिताबी मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की टीम 44.5 ओवर में 189 रन पर ऑलआउट हो गई। जेम्स रियू ने सबसे ज्यादा 95 रन बनाए। वहीं, भारत की ओर से राज बावा ने पांच और रवि कुमार ने चार विकेट झटके।

जवाब में भारत ने 47.4 ओवर में छह विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। भारत की ओर से निशांत सिंधू 50 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, शेख रशीद ने भी 50 रन की पारी खेली। दिनेश बाना ने 48वें ओवर में लगातार दो छक्के लगाकर टीम इंडिया को जीत दिलाई।

हरियाणा स्टीलर्स ने जयपुर पिंक पैंथर्स को 35-28 से हराया

बेंगलुरु, 06 फरवरी (वेब वार्ता)। हरियाणा स्टीलर्स ने शनिवार रात बेंगलुरु में जारी प्रो कबड्डी लीग सीजन-8 में जयपुर पिंक पैंथर्स को 35-28 से हराकर जीत का सिलसिला जारी रखा। एक समय यह मैच काफी रोचक मोड़ पर था लेकिन कप्तान विकाश कंडोला ने एक बार फिर आगे बढ़कर नेतृत्व किया सुपर-10 के साथ अपनी टीम की रोमांचक जीत के नायक बने।

हरियाणा स्टीलर्स ने कप्तान विकाश कंडोला के रेड प्वाइंट के साथ अच्छी शुरुआत की। विकाश ने दो मिनट बाद एक और सफल रेड पूरा करके चौथे मिनट में स्कोर 3-3 कर दिया। अपने तीसरे सफल रेड के साथ, विकाश कंडोला ने एक मिनट बाद ही हरियाणा स्टीलर्स को 4-3 की बढ़त दिला दी। 10वें मिनट में हरियाणा स्टीलर्स ने जयपुर पिंक पैंथर्स को ऑल आउट कर 11-7 की बढ़त बना ली। घड़ी पर 5 मिनट शेष रहते हुए, आशीष नरवाल ने दो टच प्वाइंट प्राप्त किया। मोहित ने पहले हाफ के अंतिम मिनट में एक सफल टैकल अर्जित किया और हरियाणा स्टीलर्स ने 18-14 की बढ़त के साथ पहला हाफ समाप्त किया।

दूसरे हाफ में हरियाणा स्टीलर्स की शुरुआत धीमी रही, लेकिन विकाश कंडोला ने 23वें मिनट में सफल रेड करके अपनी टीम की बढ़त 20-16 कर दी। जयपुर पिंक पैंथर्स ने अगले मिनट में विकाश कंडोला पर एक सफल सुपर टैकल के साथ अंतर कम करने में कामयाबी हासिल की और 25वें मिनट तक स्कोर 20-20 से बराबर कर दिया

मोहित ने हालांकि 29वें मिनट में एक सफल टैकल पॉइंट हासिल किया जिससे हरियाणा स्टीलर्स अपनी बढ़त फिर से हासिल करने में सफल रही। विकाश कंडोला 31वें मिनट में रेड के प्रयास में असफल रहे और 31वें मिनट में स्कोर 23-23 से फिर बराबर हो गया।

हरियाणा स्टीलर्स के मोहित ने 35वें मिनट में एक सफल टैकल हासिल किया और स्कोर 26-26 के बराबर रहा। पांच मिनट का समय बचा था। दो मिनट शेष रहने पर, विकाश कंडोला ने रेड पर जाकर एक बोनस अंक अर्जित किया और हरियाणा स्टीलर्स ने फिर से बढ़त बनाकर इसे 29-27 कर दिया। अगले मिनट में, रवि ने एक सफल सुपर टैकल अर्जित किया और इस तरह हरियाणा स्टीलर्स ने अपनी बढ़त को 31-28 कर दिया। अंतिम मिनट में, विकाश कंडोला ने सीजन का अपना 7वां सुपर 10 हासिल करते हुए अपनी टीम को जीत दिला दी। इस जीत के साथ स्टीलर्स अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

हैदराबाद ब्लैक हॉक्स ने मैच में कोच्चि ब्ल्यू स्पाइकर्स को 4-1 से हराया

हैदराबाद। हैदराबाद ब्लैक हॉक्स ने लगातार चार सेट जीतते हुए रुपे प्राइम वॉलीबॉल लीग (पीवीएल) के पहले सीजन के उद्घाटन मुकाबले में शनिवार रात अपनी विजयी शुरुआत की। हैदराबाद ने स्पाइकिंग और ब्लॉकिंग में शानदार खेल दिखाते हुए पहले सीजन के उद्घाटन मैच में यहां गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में कोच्चि ब्ल्यू स्पाइकर्स को 4-1 (15-12, 15-11, 15-11, 15-10, 13-15) से मात दी। हैदराबाद हालांकि अंतिम सेट हारने के कारण बोनस प्वाइंट नहीं ले पाई। रोहित को मैन आफ द मैच चुना गया।

उद्घाटन मुकाबले के पहले सेट में कोच्चि द्वारा बढ़त लेने के बाद हैदराबाद ने 4-4 की बराबरी हासिल कर ली। इसके बाद उसने लगातार तीन प्वाइंट लेकर 9-8 की लीड बना ली। ब्लैक हॉक्स ने आगे भी शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बेहतरीन स्पाइक के साथ पहला सेट 15-12 से जीत लिया।

दूसरे सेट में एक समय दोनों टीमें 8-8 से बराबरी पर थी। कोच्चि ने दूसरे सेट में अपना सुपर प्वाइंट गंवा दिया और हैदराबाद ने सुपर ब्लॉक के जरिये 10-8 की लीड बना ली। ब्लैक हॉक्स ने यहां से अपनी उड़ान जारी रखते हुए 14-10 की लीड बनाई और फिर दूसरा सेट भी 15-11 से जीतकर मैच में 2-0 की बढ़त बना ली।

तीसरे सेट में भी हैदराबाद ने 9-5 के साथ चार प्वाइंट की बढ़त बनाई। कोच्चि को इस हाफ में भी सुपर प्वाइंट के लिए जोखिम उठाना पड़ा और इस बार भी ये उसके हक में नहीं रहा। 11-14 पर कोच्चि के कप्तान कार्तिक ने सर्विस की लेकिन वे प्वाइंट नहीं बचा पाए। हैदराबाद ने फिर 15-11 से तीसरा सेट भी जीतकर 3-0 से मुकाबले को अपने पक्ष में कर लिया।

हैदराबाद ब्लैक हॉक्स ने तीसरा सेट जीतते ही दो प्वाइंट जीत लिए और दो अगले दो सेट में उसकी कोशिश एक बोनस प्वाइंट लेने की थी। चौथे सेट में 6-6 से बराबरी के बाद हैदराबाद ने इस सेट में भी क्रेड सुपर प्वाइंट लेने की घोषणा की और टीम ने इसे भुनाया भी।

भारत पांचवीं बार बना अंडर 19 विश्व चैंपियन

नार्थ साउंड। तेज गेंदबाजों राज बावा (31 रन पर पांच विकेट) और रवि कुमार (34 रन पर चार विकेट) की घातक गेंदबाजी तथा निशांत सिंधु (नाबाद 50) के संयमित अर्धशतक से भारत ने इंग्लैंड को शनिवार को चार विकेट से हराकर पांचवी बार आईसीसी अंडर 19 विश्व कप का खिताब जीत लिया।

भारत ने फ़ाइनल में इंग्लैंड को 44.5 ओवर में 189 रन पर निपटा दिया और कुछ नाजुक पलों से गुजरते हुए 47.4 ओवर में छह विकेट पर 196 रन बनाकर खिताब अपने नाम किया। निशांत ने 48वें ओवर की पहली गेंद चौका और अगली गेंद पर सिंगल लेकर इस टूर्नामेंट का अपना पहला अर्धशतक पूरा किया जबकि दिनेश बाना ने फिर लगातार दो छक्के मारकर मैच समाप्त कर दिया।

भारत में इससे पहले वर्ष 2000,2008,2012 और 2018 में यह खिताब जीता था जबकि इस हार से इंग्लैंड का 24 साल बाद विश्व चैंपियन बनने का सपना पूरा नहीं हो पाया। इंग्लैंड ने एकमात्र बार 1998 में यह खिताब जीता था।

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने अपना पहला विकेट दूसरी गेंद पर ही गंवा दिया। अंगकृष रघुवंशी खाता खोले बिना आउट हो गए। हरनूर सिंह 21 रन बनाकर टीम के 49 के स्कोर पर आउट हुए। शेख रशीद 50 रन बनाकर 95 के स्कोर पर पवेलियन लौटे। कप्तान यश धुल 17 रन बनाकर 97 के स्कोर पर आउट हुए।

जीत की हैट्रिक से बेंगलुरू तीसरे स्थान पर पहुंची

गोवा।

क्लीटन सिल्वा के दो और कप्तान सुनील छेत्री के रिकॉर्ड गोल से बेंगलुरू एफसी ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2021-22 जीत की हैट्रिक लगाई। बेंगलुरू ने शनिवार रात बैम्बोलिन स्थित जीएमसी एथलेटिक स्टेडियम में खेले गए लीग मैच में जमशेदपुर एफसी को 3-1 से हराकर अपने प्रतिद्वंद्वी को जीत की पटरी से उतार दिया। शानदार प्रदर्शन के लिए बेंगलुरू के मिडफील्डर ब्रुनो सिल्वा को हीरो ऑफ द मैच अवार्ड से नवाजा गया।

अपनी छठी जीत से बेंगलुरू अंक तालिका में चौथे से तीसरे स्थान पर आ गई है। कोच मार्को पेजेउओली की टीम 15 मैचों में छह जीत और पांच ड्रा से 23 अंक हासिल कर चुकी है। वहीं, अपनी तीसरी हार से जमशेदपुर का लगातार तीन जीतों का सिलसिला खत्म हो गया और वो एक स्थान लुढ़क कर चौथे स्थान पर आ गई है। कोच ओवेन कोयले की टीम ने 13 मैचों में छह जीत और चार ड्रा से 22 अंक बटोरे हैं।

मैच का पहला गोल पहले ही मिनट में आया, नाईजीरियाई स्ट्राइकर डैनियल चीमा चुक्कु ने जमशेदपुर एफसी को 1-0 की शुरुआती बढ़त दिलाई। हाफ लाइन के बायीं तरफ से ब्राजीली डिफेंसिव मिडफील्डर एलेक्स लीमा ने पराग श्रीवास को छकाने के बाद गेंद लेकर तेजी से बढ़े और बॉक्स के अंदर बोरिस सिंह को थ्रू-पास दिया। इसके बाद विंगर बोरिस ने बायीं तरफ से क्रॉस डालकर चुक्कु के लिए अवसर बनाया।

लेवानदोवस्की के गोल से बायर्न जीता

बर्लिन ।

रॉबर्ट लेवानदोवस्की के 21वें मैच में 24वें गोल की मदद से बायर्न म्यूनिख ने शनिवार को यहां लेपजिग को 3-2 से हराकर बुंदेसलीगा फुटबॉल टूर्नामेंट के शीर्ष पर अपनी बढ़त को नौ अंक तक पहुंचा दिया।

अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए ब्रेक से पहले पोलैंड के स्टार लेवानदोवस्की हेर्था बर्लिन के खिलाफ बायर्न की 4-1 की जीत के दौरान गोल नहीं कर पाए थे।

बायर्न को 12वें मिनट में थॉमस म्यूलर ने बढ़त दिलाई लेकिन आंद्रे सिल्वा ने 27वें मिनट में लेपजिग को बराबरी दिला दी। लेवानदोवस्की ने 44वें मिनट में स्कोर 2-1 किया लेकिन लेपजिग ने 53वें मिनट में क्रिस्टोफर निकुंकु के गोल की बदौलत दोबारा बराबरी हासिल कर ली।

बायर्न ने हालांकि लेपजिग के योस्को ग्वार्डियोल के आत्मघाती गोल से 58वें मिनट में 3-2 की बढ़त बनाई जो निर्णायक स्कोर साबित हुआ।

बायर्न के इस जीत से 21 मैच में 52 अंक हो गए हैं और उसने दूसरे स्थान पर मौजूद बोरूसिया डोर्टमंड पर नौ अंक की बढ़त बना ली है जिसके 20 मैच में 43 अंक हैं।

अन्य मुकाबलों में बोरूसिया मोनशेंग्लाबाख को आर्मेनिया बेलफेल्ड ने 1-1 से बराबरी पर रोका जबकि यूनियन बर्लिन को आग्सबर्ग के खिलाफ 2-0 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

फ्राइबर्ग को कोलोन ने 1-0 से हराया। एंट्रैक्ट फ्रेंकफर्ट को स्टुटगार्ट में 3-2 से जीत मिली जबकि मेंज ने होफेनहीम को 2-0 से शिकस्त दी।

भारत की अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान धुल ने कहा, मेरा ध्यान सिर्फ क्रिकेट पर रहेगा

नॉर्थ साउंड (एंटीगा)। भारतीय कप्तान यश धुल को पता है कि अंडर-19 विश्व कप में रिकॉर्ड पांचवें खिताब के दौरान भारत की अगुआई करने के बाद उनकी जिंदगी में अब बड़े बदलाव आ सकते हैं लेकिन दिल्ली का यह युवा बल्लेबाज नहीं चाहता कि प्रसिद्धि और प्रशंसा से खेल से उसका ध्यान भंग हो।

भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के दौरान कई खिलाड़ियों के कोविड-19 से संक्रमित होने के बावजूद शनिवार को खिताबी मुकाबले में इंग्लैंड को चार विकेट से हराकर पांचवीं बार विश्व कप जीता।

भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछे जाने पर धुल ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''मैं सिर्फ क्रिकेट खेलना चाहता हूं। ध्यान सिर्फ खेल पर रहेगा, बाकी चीजें अपने आप होती रहेंगी।''

उन्होंने कहा, ''मैं मैच दर मैच चीजों पर ध्यान दूंगा। देखते हैं क्या होता है।''

दिल्ली में जन्में 19 साल के धुल ने टीम के उप कप्तान और अपने साथी बल्लेबाज शेख रशीद की सराहना करते हुए कहा कि मैदान के अंदर और बाहर उनके संबंध काफी अच्छे हैं।

धुल ने रशीद के बारे में कहा, ''शेख रशीद मेरा सबसे अच्छा मित्र है, हम एक साथ रात्रि भोज करते हैं। जब हम फाइनल में एक साथ बल्लेबाजी कर रहे थे तो हम मैच को अंत तक ले जाना चाहते थे और पांच से सात ओवर पहले खत्म करना चाहते थे।''

उन्होंने कहा, ''हम दोनों आउट हो गए लेकिन निशांत सिंधू ने काफी अच्छी पारी खेली। मैदान पर रशीद मुझे सलाह देता रहा और इससे मुझे मदद मिली। इससे मुझे आत्मविश्वास मिला कि मैं सही फैसले कर रहा हूं।''

भारत ने इससे पहले 2000, 2008, 2012 और 2018 में अंडर-19 विश्व कप खिताब जीता है।धुल ने सफलता का श्रेय टीम प्रयास को देते हुए कहा कि यह उनके और टीम के उनके साथियों के लिए गौरवपूर्ण लम्हा है।

उन्होंने कहा, ''यह बड़ा लम्हा है, सभी ने अच्छा साथ दिया इसलिए टूर्नामेंट जीतना हम सभी के लिए बड़ा लम्हा है। यह टीम प्रयास का नतीजा है, खिलाड़ियों का समर्थन करना अच्छी टीम का संकेत है।''

धुल ने कहा, ''हम सकारात्मक मानसिकता के साथ आगे बढ़े। तेज गेंदबाज एशिया कप से ही हमारे लिए शानदार काम कर रहे हैं। रवि कुमार ने हमें अच्छी शुरुआत दिलाई और राज बावा ने शानदार गेंदबाजी की।''

कप्तान ने बावा की जमकर तारीफ की जिन्होंने फाइनल में 31 रन देकर पांच विकेट चटकाने के अलावा 35 रन भी बनाए।

टी20 सीरीज में इंग्लैंड को हराकर हमारा आत्मविश्वास बढ़ा: पूरन

अहमदाबाद। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज निकोलस पूरन ने रविवार को कहा कि टी20 सीरीज में इंग्लैंड को 3-2 से हराकर भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलने उतर रहे हैं, इसलिए हमारा आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है।

पूरन ने कहा, हम श्रृंखला की प्रतीक्षा कर रहे हैं। हमारा टी20 सीरीज में इंग्लैंड को हराकर आत्मविश्वास बढ़ा है और हम अच्छे फॉर्म में है। मैं भारत में खेलने के लिए उत्सुक हूं। हममें से बहुत से खिलाड़ी यहां पहले खेल चुके हैं। यह एक अलग और कठिन चुनौती है।

पूरन ने भारत में सात वनडे खेले हैं, जिसमें पूरन ने 72.25 के औसत और 129.59 के स्ट्राइक रेट से 289 रन बनाए हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं निश्चित रूप से यहां खेलने के लिए उत्साहित हूं।